Janhvi Kapoor To Simi Garewal...

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi Ranchi ● Friday, 23 May 2025 ● Year: 03 ● Issue: 127 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper: epaper.thephotonnews.com

अब मोदी की नसों में खून नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा : प्रधानमंत्री

BIKANER : ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुरुवार को पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के बीकानेर पहुंचे। जिला मख्यालय से 22 किमी दर देशनोक के पलाना में हुई सभा में मोदी करीब ४० मिनट बोले। उन्होंने साफ कर दिया कि पाकिस्तान की हर हरकत का करारा जवाब दिया जाएगा।

भारतीयों की जान से खेलने वालों को कतई बख्शा नहीं जाएगा। एटम बम की गीदड़ भभकियों से भारत डरने वाला नहीं है। हिंदुस्तान का लहु बहाने वालों को कतरे–कतरे का हिसाब चुकाना पड़ेगा। पाकिस्तान भारत से कभी सीधी लडाई नहीं जीत सकता। इसलिए

आतंकवाद को भारत के खिलाफ हथियार बनाया है। पाकिस्तान एक बात भूल गया कि अब मां भारती का सेवक मोदी यहां सीना तानकर खड़ा है। मोदी का दिमाग ठंडा है, ठंडा रहता है, लेकिन मोदी का लह गर्म है। अब तो मोदी की नसों में लह नहीं, गर्म सिद्र बह रहाँ है। संबोधन के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान की सीमा के नजदीक देशनोक से देश के 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। बीकानेर-बांद्रा ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही 26 हजार करोड़ रुपये के अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। देशनोक से देश के 103 रेलवे स्टेशनों का किया उद्घाटन

कहा- पाक की हर हरकत का दिया जाएगा करारा जवाब



अपने संबोधन में पीएम ने कहा, 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था। गोलियां पहलगाम में चली थीं, उन गोलियों से 140 करोड़ देशवासियों का सीना छलनी हुआ था। तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी थी और तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान को घटने

टेकने पर मजबूर कर दिया। पहलगाम हमले के जवाब में हमने 22 मिनट में आतंकियों के 9 सबसे बड़े ठिकाने तबाह किए। दुनिया ने देखा कि जब सिंदुर बारूद बन जाता है तो नतीजा क्या होता है। पांच साल पहले बालाकोट में देश

झारखंड के तीन रेलवे स्टेशनों का भी किया उद्घाटन, इनमें खूंटी का गोविंदपुर, साहिबगंज का राजमहल व देवघर का शंकरपुर स्टेशन शामिल

सच के हक में...

RANCHI : झारखंड के तीन रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए गए हैं। इन सभी स्टेशनों में अत्याधुनिक सुविधाएं डेवलप की गई हैं। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अन्य स्टेशनों के साथ झारखंड के जिन 3 स्टेशनों का वर्चुअली शुभारंभ किया है, उनमें खूंटी का गोविंदपुर रोड स्टेशन, साहिबगंज का राजमहलें और देवघर का

शंकरपुर स्टेशन शामिल है। इन तीनों स्टेशनों पर करोड़ों रुपए खर्च कर इन्हें डेवलप किया गया है। खूंटी के गोविंदपुर रोड स्टेशन को 6.65 करोड़ रुपये, साहिबगंज के राजमहल स्टेशन को 7.03 करोड़ रुपये और देवघर जिले के शंकरपुर स्टेशन को 7.7 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। शंकरपुर स्टेशन को देवघर एम्स के नजदीकी रेलवे स्टेशन के रूप में शंकरपुर हॉल्ट को विकसित किया गया है।

तीनों स्टेशनों पर करोड़ों रूपये खर्च कर किया गया है डेवलप

राजमहल स्टेशन बना एयरपोर्ट जैसा

पूर्व रेलवे के मालदा मंडल में आने वाला राजमहल र्रेलवे स्टेशन अब पूरी तरह नए रूप में तैयार है। स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। स्टेशन भवन आकर्षेक रोशनी और डिजाइन से सजा है। प्लेटफॉर्म को लंबा किया गया है। अब लंबी टेनें आसानी से यहा खड़ी हो सकेंगी।

नया रेल कनेक्शन बना शंकरपुर स्टेशन देवघर में जसीडीह-मधुपुर रेलखंड पर स्थित शंकरपुर रेलवे स्टेशन का अमृत भारत योजना के तहत आधुनिकीकरण किया गया है। देवघर एम्स के नजदीकी रेलवे स्टेशन के रूप में इसे विकसित किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए कई नए बदलाव

रांची, खुटी और राउरकेला को जोड़ता है गोविंदपुर रोड स्टेशन

गोविंदपुर रोड रेलवे स्टेशन हटिया–राउरकेला लाइन पर है। यह एकमात्र ऐसा स्टेशन है जो रांची, खूंटी और राउरकेला जैसे बड़े शहर को एक लाइन में जोड़ता है। रेलवे की ओर से बताया गया कि इस स्टेशन से वर्तमान में तीन एक्सप्रेस ट्रेन और दो पैसेंजर ट्रेन गुजरती है।

: 80,951.99 : 24,609.70

9,155 112.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

मणिपुर में सात उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार जब्त

IMPHAL: मणिपुर में सुरक्षा बलों

का अवैध हथियारों और उग्रवादियों के खिलाफ अभियान जारी है। पश्चिम इंफाल और काकचिंग जिले के विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाकर पुलिस ने भारी मात्रा में अत्याधुनिक अवैध हथियार जब्त किया है। साथ ही सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। राज्य पुलिस मुख्यालय के अनुसार पश्चिम इंफॉल जिले के कंचीपुर में अभियान चलाकर पुलिस ने दो पीएलए

सलमान के घर में घुसने का प्रयास, एक महिला अरेस्ट

उग्रवादियों को गिरफ्तार किया।

MUMBAI: गुरुवार को बॉलीवुड स्टार सलमान खान के घर में अवैध रूप से घुसने की कोशिश करने वाली महिला को मुंबई पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। पुलिस महिलाँ से पूछताछ कर रही है। सलमान के घर में घुसने की कोशिश करने वाली यह महिला आखिर कौन है। उसने सलमान के मने की कोशिश गलक्सा अपाटमट म क्यों की, इस बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

हेमंत की अध्यक्षता में हुई स्टेट कैबिनेट की मीटिंग, 10 प्रस्तावों पर मुहर

41755 छात्रों को दी जा । पाद्य पुस्तके व कॉपियां

PHOTON NEWS RANCHI:

गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें 10 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में 41755 विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें और कॉपियां देने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई। अन्य प्रस्तावों में जल संसाधन प्रबंधन, न्यायिक सेवा, स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक सुधार से जुड़े निर्णय शामिल हैं। सबसे महत्वपर्ण फैसला राज्य में झारखंड जल संसाधन आयोग के गठन को लेकर लिया गया। जल संसाधन विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के अनसार, राज्य में दो वर्षों की अवधि के लिए एक जल संसाधन आयोग गठित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य राज्य में जल की उपलब्धता, उसका

संरक्षण, सतत उपयोग तथा नीति

• आउटसोर्स कर्मियों के लिए वार्षिक तीन प्रतिशत वेतन वृद्धि को दी गई स्वीकृति

निर्धारण में मदद करेगा

आयोग के अध्यक्ष राज्य के संसाधन विभाग के सचिव जाएंगे। आयोग में तकनीकी

NEW DELHI : गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम

डिनोटिफाइ करना, वक्फ-बाय-यूजर

या वक्फ बाय डीड शामिल है। फैसला

बीआर गवई और जस्टिस अगस्टीन

जॉर्ज मसीह की बेंच ने लगातार तीन

करने वाले याचिकाकताओं के वकील

दिनों तक वक्फ कानून का विरोध

अभिषेक सिंघवी और सरकार की

तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार

भारत में न्यूविलयर पावर सेक्टर में भी निजी निवेश का मिलेगा मौका

कपिल सिब्बल, राजीव धवन,

मेहता की दलीलें सुनीं।

सुरक्षित रखने से पहले सीजेआई

9वीं से 12वीं तक के छात्रों को विज्ञान विषय पर आधारित मिलेगी मासिक पत्रिका

झारखण्ड मंत्रालय

- 11वीं-12वीं के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए दी जाएगी विशेष पत्रिका • राज्य में जल संसाधन
- आयोग के गठन के प्रस्ताव को मिली मंजूरी • राज्य के विकास आयुक्त
- संभालेंगे आयोग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी जल की उपलब्धता, संरक्षण, सतत उपयोग तथा नीति

निर्धारण में सहयोग देना होगा। विकास आयुक्त होंगे, जबिक जल कार्यकारी समिति के सचिव बनाए



बनाने के लिए भी अहम निर्णय लिए गए। राज्य के अल्पसंख्यक, मदरसा और संस्कृत विद्यालयों में कक्षा 9वीं और 10वीं में पढ़ने वाले 41,755 छात्रों को नि:शुल्क पाढ्य पुस्तकें और कॉपियां देने की योजना को मंजूरी दी गई। इस पर वार्षिक ४.८४ करोंड़ का

पर आधारित मासिक पत्रिका और कक्षा ११वीं-१२वीं के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष मासिक पत्रिका देने का निर्णय लिया गया।

12वीं तक के छात्रों को विज्ञान विषय

मंजूरी दी गई। विशेषज्ञों को भी शामिल किया

मैनपावर आउटसोर्सिग

रेगुलेशन नीति मंजूर

राज्य सरकार ने झारखंड मैनपावर

आउटसोर्सिंग रेगुलेशन नीति को भी

स्वीकृति दी है। इस नीति के तहत

आउटसोर्स कर्मियों को न्यूनतम ५ वर्षों की

सेवा, उसके बाद ३ वर्ष का विस्तार, वार्षिक

अनिवार्यता, ग्रुप एक्सीडेंटेल इंश्योरेंस और

3 प्रतिशत वेतन वृद्धि, न्यूनतम वेतन की

आरक्षण नीति का पूर्ण पालन सुनिश्चित

किया जाएगा। न्यायिक सेवा क्षेत्र में भी

एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसके

तहत झारखंड वरीय न्यायिक सेवा में

विकेश को जिला न्यायाधीश के पद पर

सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्त करने की

स्वीकति दी गई। इसी प्रकार, दो लिपिकों

को क्षेत्रीय संवर्ग से सचिवालय सेवा संवर्ग

में स्थानांतरित करते हुए नई नियक्तियों को

सीजेआई बीआर गवई व जस्टिस अगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच में तीन दिनों तक चली हियरिंग

आईएएस विनय चौबे की बिगड़ी तबीयत, रिम्स में कराए गए भर्ती

न्यायिक हिरासत में भेजे गए शराब घोटाला के तीन आरोपी

PHOTON NEWS RANCHI: गुरुवार को शराब घोटाला मामले

में गिरफ्तार जेएसबीसीएल के तत्कालीन फाइनेंस हेड सुधीर कुमार दास, वर्तमान जीएम सुधीर कुमार और मेन पावर सप्लाई कंपनी के कर्मचारी नीरज कुमार सिंह को कड़ी सुरक्षा के बीच एसीबी की विशेष अदालत में पेश किया गया। इसके बाद कोर्ट ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दुसरी और इस मामले के आरोपी आईएएस अधिकारी विनय चौबे



को तबीयत खराब होने के कारण रिम्स में भर्ती कराया गया। विनय कुमार चौबे को रिम्स में उच्च रक्तचाप व गुर्दा संबधी परेशानी के कारण रिम्स में भर्ती किया गया है। उन्हें मेडिसिन विभाग के सह प्राध्यापक डॉ ऋषि तुहीन गुड़िया की देखरेख में भर्ती किया गया है।

वक्फ कानून पर सुनवाई पूरी, अंतरिम फैसला रिजर्व कपिल सिब्बल बोले- २०० साल पुराने कब्रिस्तान भी छिन जाएंगे

- 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली • सरकार नहीं उठा याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करली। सकती है अपनी गलती तीन मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया है। इन मुद्दों में का फायदा कोर्टे द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को
 - अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, भगवान नहीं बन सकता कोई कानून

जमीन का रजिस्ट्रेशन क्यों नहीं कराया गया : सीजेआई सनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ बहुत से कब्रिस्तान हैं। 200 साल बाद

सें पेश वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ के दर्जे को लेकर एक बार जांच शुरू हो जाए तो रिपोर्ट आने तक वक्फ का दर्जा खत्म हो जाता है। 200 साल से भी पुराने

सरकार कहेगी कि यह मेरी जमीन है और इस तरह कब्रिस्तान की जमीन छीनी जा सकती है। इस पर सीजेआई ने कहा, तो जमीन का रजिस्ट्रेशन क्यों नहीं कराया गया।

सरकारी जमीन पर किसी का नहीं हो सकता कोई हक

बुधवार की सुनवाई में केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा था कि सरकारी जमीन पर किसी का कोई हक नहीं हो सकता, चाहे वो वक्फ बाय यूजर के आधार पर ही क्यों न हो। सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया था, वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, इस पर कोई विवाद नहीं है, लेकिन वक्फ इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। जब तक यह साबित न हो जाए, बाकी तर्क विफल हो जाते हैं।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी

CHANDIGARH : सीमा स्रक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत–पाकिस्तान सीमा से सटे क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी आरोपित के पास से पाकिस्तानी करेंसी मिली है। इसके अलावा बीएसएफ जवानों ने दो पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किए हैं। बीएसएफ द्वारा जारी जानकारी के अनुसार अमृतसर जिले में कार्रवाई करते हुए एक पाकिस्तानी घसपैठिए को गिरफ्तार किया है। उसके पास 330 रुपये पाकिस्तानी करेंसी मिली पुछताछ के बाद उसे स्थानीय पुलिस के हुँवाले कर दिया गया। इसके अलावा दो अलग–अलग ऑपरेशनों में खुफिया सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ के जवानों ने फिरोजपुर सीमा के पास ०२ डीजेआई माविक ३ क्लासिक ड्रोन बरामद किए। इनमें एक पाल्हा मेघा गांव के पास एक खेत से बरामद किया गया है जबकि दूसरा गांव गेंडू किलचा के पास सीमा पर लगी

घुसपैटिए को किया अरेस्ट दो ड्रोन भी बरामद

बाड़ में फंसा हुआ पाया गया।

मुख्यमंत्री हेमत सोरेन ने 520 बेड वाले छात्रावास का किया भूमि प्जन



PHOTON NEWS RANCHI: कहा- वो दिन आ ही गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गया, जिसकी हम लोगों राजधानी रांची के करमटोली में ने मिलकर की थी बनने वाले 520 बेड वाले

आदिवासी छात्रावास के भवन निर्माण का भूमि पूजन किया। मौके पर कल्याण मंत्री चमरा लिंडा समेत अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। छात्रावास भवन के शिलान्यास के बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज वो दिन आ ही गया, जिसकी कल्पना हम लोगों ने मिलकर की थी। आज रांची में 520 बेड वाले अत्याधनिक बहुमंजिला हॉस्टल के निर्माण की आधारशिला रखी जा रही है। कभी हम सबने इसका सपना देखा था। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जल्द ही पलाम में भी छात्र-छात्राओं के लिए भव्य हॉस्टल का निर्माण कराया जाएगा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा-

में बच्चे कैसे आगे बढ़ें हमने इस पर शुरू कर दिया काम

प्रतियोगिता के इस दौर

उच्च शिक्षा के लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत दी जा रही मदद

जल्द ही पलामू में भी छात्र-छात्राओं के लिए हास्टल निमाण का मुख्यमंत्री ने किया एलान

आगे बढ़ें, हमने इस पर काम करना शुरू कर दिया है। उच्च शिक्षा के लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत मदद दी जा रही है। गरीब बच्चों के निःशुल्क शिक्षा हेत् बाबा भीमराव अंबेडकर जी के नाम से भव्य पुस्तकालय बनाने का फैसला लिया गया है, ताकि बच्चे इस पुस्तकालय में ज्यादा से ज्यादा ज्ञान हासिल कर सकें।

सभी महिला कॉलेजों को बनाया जाएगा भव्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य भर के सभी महिला कॉलेजों को भव्य बनाया जाएगा। इसके लिए कार्ययोजना तैयार करने का आदेश दिया गया है। हम चाहते हैं कि पढ़ाई करने वाले बच्चों को कम से कम कठिनाई का सामना करना पडे। सरकार इस पर काम कर रही है। इसी कड़ी आज होस्टल निर्माण का काम शुरू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि

मुझे उस समय और खुशी होगी,

जब इन हॉस्टल्स का निर्माण परा

होगा और आप इन हॉस्टल्स में

रहकर पढाई करने लगेंगे। मख्यमंत्री

ने अपने संबोधन में कहा कि

प्रतियोगिता के इस दौर में बच्चे कैसे

आप पढ़ाई पर ध्यान दें, आपकी समस्याओं का समाधान सरकार करेगी। हमारे आने से पहले कोई यह सोच भी नहीं पा रहा था कि हॉस्टल में बच्चों को पौष्टिक भोजन मिलेगा। लेकिन, हमने तय किया और कल्याण विभाग के हॉस्टल में सरकार की ओर से पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। अब बच्चों को घर से अनाज लाने की जरूरत नहीं होगी।

मृतक के परिजनों ने लगाया मारपीट का आरोप

पुलिस कस्टडी में साइबर क्राइम के आरोपी की मौत, जमकर हुआ हंगामा

गुरुवार को देवघर में साइबर क्राइम के एक आरोपी की पुलिस कस्टडी में मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगा सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पथराव भी किया। इसके बाद पुलिस ने लाठी भांज कर भीड़ को तितर-बितर किया। पुलिस को आंसू गैस के गोले भी छोड़ने पड़े। जानकारी के अनुसार, साइबर थाना और स्थानीय पुलिस ने पालोजोरी थाना क्षेत्र के दुधनी गांव में छापेमारी कर 4 युवकों को हिरासत में लिया था। पूछताछ के क्रम में 35 वर्षीय मेराज अंसारी की तबीयत अचानक बिगड़ गई।



उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद जब शव को पालोजोरी ले जाया गया तो आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

वैसे नए आयामों को आगे बढ़ा रही है, जो पहले बंद पड़े थे। आर्थिक सुधार की दृष्टि से विकास के लिए आयाम संपूर्ण अर्थे प्रणाली को नया बूस्टर डोज दे सकते हैं। हाल में यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने

आई है कि अब न्युक्लियर पावर सेक्टर में भी निजी निवेश को एक सीमा तक मान्यता दी जाएगी। परमाणु ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने हाल ही में कहा कि परमाणु ऊर्जा मिशन का उद्देश्य भारत की बढ़ती ऊर्जा मोंगों को पूरा करने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी का लाभ उढाना नियामक ढांचे को सरल बनाना और परमाणु ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाना है। इसे लेकर केंद्र सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले कानूनों में महत्वपूर्ण संशोधन करने पर विचार कर रही है। ऐसा करने के पीछे सरकार की मंशा परमाणू ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करना और निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसके लिए सरकार संसद के आगामी मानसून

सत्र में संशोधन पेश कर सकती है।

मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में विकास के

इसी साल मानसून सत्र में संशोधन विधेयक पेश किए जाने की संभावना अभी से 2047 तक कम से कम 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन है लक्ष्य भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष 为 इस क्षेत्र में ऊर्जा ऊर्जा संयंत्रों के

निर्माण के लिए उपकरणों के आपूर्तिकर्ताओं के दायित्व भी होंगे निर्धारित परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम

में भी बदलाव की

है तैयारी

बड़ा फैसला परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले कानूनों में होगा अमेंडमेंट



भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड देशभर में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का करता है संचालन

संवर्धन व प्राधिकरण केंद्र के मॉडल का हो रहा मुल्यांकन

उत्पादन में वृद्धि के कारण प्रदूषण की समस्या होगी नियंत्रित

मजबूत वित्तीय प्रारूप स्थापित करने की सिफारिश

इस विषय में एक संसदीय समिति ने मजबूत वित्तीय मॉडल स्थापित करने की भी सिफारिश की थी, जिसमें घरेलू और विदेशी दोनों तरह के निवेश को आकर्षित करने के लिए सरकारी प्रोत्साहन, व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) और संप्रभू

गारंटी शामिल हो। समिति ने सुझाव दिया था कि परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक द्यायित्व अधिनयम में विधायी संशोधनों में तेजी लाई जाए ताकि परमाणु ऊर्जा उत्पादन में निजी निवेश को प्रोत्साहित किया जा सके।

गई। मतक

BRIEF NEWS

सर्वांगीण विकास करना प्राथमिकता : विधायक



KHUNTI: तोरपा के विधायक सदीप गंडिया ने गरुवार को कर्रा प्रखंड की डेहकेला पंचायत के रंजू, कोटलो, जोरको गांव का दौरा किया और ग्रामीणों के साथ बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। मौके पर विधायक ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान किया जाएगा। समस्याएं बहुत हैं, धीरे-धीरे सभी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करूंगा। आप सभी के सहयोग से कृषि, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में विकास कार्य करने का प्रयास किया जाएगा। आप सभी ने मुझे विजयी बनाया है हम सभी पूरे विधानसभा के लोग एक परिवार हैं। भले ही मुझे सुख में याद न करे,पर दुःख में जरूर याद कीजिए, मैं सदैव आपकी सेवा में तत्पर रहूंगा। उन्होंने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। मौके पर कोटलो ग्राम प्रधान पतरस होरो, रंजु ग्राम प्रधान कैलाश टोपनो, जोरको ग्राम प्रधान मंगरा पाहन, झामुमो प्रखंड सचिव बिनोद उरांव, उपाध्यक्ष मार्शल आईंद, सह सचिव लछुवा लोहरा सहित अन्य मौजूद थे।

गुरहा मुखिया के पति पर प्राथमिकी दर्ज

PALAMU: पलामू जिले के तरहसी प्रखंड की गुरहा पंचायत के मुखिया पति इफ्तेखार खान उर्फ गुल खान के खिलाफ गुरूवार को तरहसी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी। धूमा गांव के जनेश्वर साव ने प्राथमिकी



मोटरसाइकिल से उठवाकर घर मंगवा कर मारपीट करने की धमकी देने और भगवान भोले शंकर जी के बारे में अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि उसके भाई जगदीश साव के साथ उसका जमीन विवाद चल रहा है। मामला कोर्ट में है। न्यायालय के द्वारा इस मामले में समझौता करने के लिए सामाजिक स्तर पर पहल करने या बैठक करने का निर्देश दिया गया है। इसको लेकर उन्होंने गुरहा मुखिया से संपर्क किया था और श्री केदाल मंदिर के पास मंगल बाजार के दिन बैठक में बुलाया था, लेकिन उनके पति गुल खान अरमान खान को बाइक से भेजा और जबरन उसे उठाकर अपने घर बुला लिया। मारपीट की धमकी दी। भगवान शंकर पर अभद्र टिप्पणी की। यह भी कहा कि राजू साव की तरह उसका हश्र कर देंगे। जनेश्वर ने कहा है कि इससे पहले दुर्गा पूजा के अवसर पर उसके परिवार के साथ भी गुल खान ने मारपीट की थी। परसाई के श्यामलाल साव हत्याकांड में गुल खान जेल भी जा चुका है और पैरोल पर बाहर है। जनेश्वर ने सुरक्षा की गुहार लगाई है और जमीन विवाद सामाजिक स्तर पर सुलझाने की अपील की है। बता दें कि यह मामला पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता के पास जाने पर उन्होंने कड़ी आपित दर्ज की थी। मुखिया पित गुल खान के खिलाफ तरहसी थाना में लिखित आवेदन देने के बाद भी एफआइआर दर्ज नहीं होने पर चिंता जतायी थी। पांकी विधायक ने तरहसी थाना प्रभारी और एसडीपीओ को दूरभाष पर बात कर मामले में त्वरित कार्रवाई करने की बात कही थी। विधायक ने कहा कि भगवान भोले शंकर जी के बारे में

अभद्र टिप्पणी करने वालों को किसी भी कीमत में नहीं छोडेंगे।

ऑटो और वैन की टक्कर में दो तिलैया के नरेशनगर से ऑटो में नौ लोग सवार होकर जा रहे थे डोमचांच

कोडरमा थाना अंतर्गत लोकाई तालाब के समीप गुरुवार सुबह ऑटो और पिकअप की जोरदार टक्कर में दो लोगों की मौत हो गयी। वहीं सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार तिलैया नरेशनगर से नौ लोग सवार होकर डोमचांच की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में लोकाई तालाब के समीप विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप से जोरदार टक्कर हो गई। इसमें ऑटो पर सवार चालक सहित नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद कोडरमा थाना पेट्रोलिंग पुलिस के द्वारा घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने एक महिला और



अस्पताल में जुटे परिजन व अन्य

दिया। मृतकों की पहचान नरेशनगर निवासी मुकेश कुमार(35)और चंदा देवी(37) के रूप में हुई है। वहीं घायलों की पहचान नरेशनगर झुमरी तिलैया निवासी शिला देवी (28), मीना देवी (35), मन्नू कुमार भुइयां (32),

मुंदकी देवी (36), अनीता देवी (35), सुगनी देवी (30) और गुड़ी देवी (32) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जबकि सभी घायलों का इलाज कोडरमा सदर

करंट लगने से टैंकर चालक की मौत

लगने से एक टैंकर चालक की मौत हो गई। घटना के 17 घंटे बीत जाने के बाद भी चालक का शव मौके पर पड़ा है। परिजन मुआवजा सहित अन्य मांग को लेकर शव उठने नहीं दे रहे हैं। क्रशर प्लांट के मालिक को मौके पर बुलाने की मांग की जा रही है। पुलिस आक्रोशित लोगों को समझने का प्रयास कर रही है लेकिन कई घंटे भी जाने के बाद भी सफलता

नहीं मिली है। यह घटना पलामू जिले के पीपरा थाना

क्षेत्र के धुसरूवा घासीखाप रिंशत एमवीएस क्रशर प्लांट पर हुई। टैंकर चालक की पहचान राजेंद्र यादव (35) के रूप में की गई है। मृतक छतरपुर थाना क्षेत्र के दिनादाग गांव का रहने वाला था। घटना बुधवार शाम में हुई। राजेंद्र को जब करंट लगा तो स्थानीय कर्मी और परिजन ऑनन-फानन में उसे इलाज के लिए छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराने के लिए ले जा रहे थे, तभी रास्ते में दम तोड़ दिया। ऐसे में सभी वापस लौट गए और डेड बॉडी को क्रेशर प्लांट में रखकर आंदोलन शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार राजेंद्र यादव प्लांट में मिनी डीजल टैंकर चलाता था। वह प्लांट के डीजी जेनरेटर में डीजल डाल रहा था। इस दौरान वह करंट की चपेट आ गया। परिजनों का कहना है कि काम करने का दौरान राजेंद्र की मौत हुई है। प्लांट संचालक 20 लाख मुआवजा और मृतक की पत्नी को हर माह भरण पोषण के लिए भुगतान करे, दाहँ संस्कार के लिए तत्काल राशि दी जाए, तभी शव को उढने दिया जायेगा। पीपरा थाना के एसआई नकुल शर्मा ने घटना की पुष्टि की है।

दोस्तों को पहुंचाने जा रहा था परीक्षा केंद्र, सवारी वाहन से भिड़ंत में हुई मौत

KHUNTI: संत जोसेफ इंटर कालेज तोरपा में पढ़ रहे अपने दो दोस्तों को परीक्षा केंद्र पहुंचाने जा रहे की गुरुवार को तोरपा में हुई सड़क

कामडारा थाना क्षेत्र के सरिता महुअ टोली गांव का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार रोशन सुरीन ने इसी वर्ष मैट्रिक की परीक्षा दी है। उसके दोस्तं सरिता निवासी राम देवाशीष और सोदे निवासी कर्ण लोहरा संत जोसेफ इंटर कालेज में पढ़ते हैं। रोशन गुरुवार को दोनों को अपनी बाइक से तोरपा के डिग्री से श्री हरि स्कूल परीक्षा केंद्र पहुंचाने जा रहा था। तोरपा थाना क्षेत्र के पेट्रोल पंप से कुछ दर पहले विनोद भवन के पास टाटा मैजिक मिनी ट्रक को चालक घुमा रह था। उसी दौरान बाइक चालक ने मिर्न टक को तोकर मार दी। इससे बाइक सवार तीनों लोग घायल हो गए। तीनों को तोरपा के रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां चिकित्सकों ने रोशन को मृत घोषित कर दिया। राम देवाशीष और कर्ण लोहरा को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल खूंटी भेजा गया। देवाशीष की गम्भीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रांची

रेफर कर दिया गया। कर्ण लोहरा का

इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है

चक्रधरपुर में तीन माह में दूसरी बार अतिक्रमण पर चला प्रशासन का डंडा

दुकानों पर बुलडोजर चलने से शहर में मचा हड़कंप, नगर परिषद ने जुर्माना भी वसूला

PHOTON NEWS CKP:

चक्रधरपुर नगर परिषद ने गुरुवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। कार्यपालक पदाधिकारी राहुल यादव के नेतृत्व में चक्रधरपुर शहर के पवन चौक से पोड़ाहाट स्टेडियम तक अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान सैकड़ों दुकानों को हटाए गए। इस दौरान अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों से नगर परिषद ने 16,300 रुपये जुमार्ना भी वसुला। इस मौके पर काफी संख्या में नगर परिषद के कर्मचारी एवं चक्रधरपुर थाना के पुलिस बल मौजूद थे। इससे पहले 6 फरवरी को नगर परिषद ने अतिक्रमण किए दुकानों पर बुलडोजर चलाया था। कार्यपालक पदाधिकारी राहुल



अतिक्रमण हटाती नगर परिषद की टीम

कुमार यादव ने कहा कि सड़क सीमांकन को लेकर अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि सामग्रियों को सड़कों पर ना लगाएं। इससे लोगों को

परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां बता दें कि पिछले दिनों पोड़ाहाट अनुमंडल कार्यालय चक्रधरपुर में सड़क सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन और परिवहन से जुड़े लोगों की बैठक हुई थी।

इधर, नगर परिषद की कार्रवाई से बच्चों के साथ बैठकर मध्याह भोजन

JAMSHEDPUR : डीएवी पब्लिक स्कूल, बिष्टूपुर के खिलाफ जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए जांच प्रक्रिया को तेज कर दिया है। उपायुक्त के निर्देश पर गठित जांच समिति ने स्कूल की प्रिंसिपल को नोटिस जारी कर 27 मई को सुबह 11.30 बजे एडीसी बिंदओं पर जवाब प्रस्तत करने को कहा है। इस जांच समिति की अध्यक्षता एडीसी भगीरथ प्रसाद कर रहे हैं, जबकि अन्य सदस्यों में जमशेदपर अक्षेस के उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार और जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष पांडेय शामिल हैं। जांच समिति ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सीबीएसई के मानकों के तहत स्कूल से कई महत्वपूर्ण सूचनाएं मांगी हैं। इनमें वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक के नामांकित विद्यार्थियों की संख्या, न्यूनतम उम्र सीमा, स्कल में कार्यरत शिक्षकों का विवरण, सेक्शन-वार कक्षाओं की जानकारी, विद्यार्थी–शिक्षक अनुपात और उसका पालन, स्कूल को आवंटित भिम का विवरण, कक्षावार शुल्क संरचना, सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय स्कूल बस संचालन मानदंडों का अनपालन और

बाइलॉज के पालन की स्थिति शामिल हैं।

दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदारों ने स्वयं अपने सामग्रियों को हटाने में जुड़ गए। जो दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर दुकान लगाए थे, या छज्जा निकाले थे, या अतिक्रमण जगह पर सामग्री

सीओ को देखते ही बालू गिराकर डंपर चालक भागा



सड़क पर गिरा बालू

• फोटोन न्यज

KHUNTI: प्रशासन अवैध बालू की तस्करी रोकने का लाख प्रयास करे, पर बालू तस्करों को प्रशासन का रित भर भी डर नहीं है। यही कारण है कि रात को कौन कहे, दिन दहाड़े बालू माफिया नदियों से बालू का अवैध उत्खनन कर ट्रैक्टर और हाइवा ट्रक से उसे रांची और अन्य स्थानों पर ले जाकर ऊंची कीमत पर बेचते है। बालू तस्करी का खुलासा गुरुवार को उस समय हुआ जब तोरपा की

ग्रहण करें पदाधिकारी : डीईओ

अंचलाधिकारी पूजा बिन्हा सुबह अचानक छापेमारी करने के लिए कुलडा जंगल की ओर निकली। सीओ की गाड़ी को देखते ही बालु तस्कर हाइवा पर लदे अवैध बालू को बीच सड़क पर फेंक कर गाड़ी लेकर भाग निकले। हालांकि छापेमारी में बालू का अवैध परिवहन करते बिना नंबर के दो ट्रैक्टरों को सीओ ने जब्तकर तोंरपा थाने को सुपूर्द

विजयवाड़ा में ड्यूटी के दौरान हुई थी मौत, डेथ सर्टिफिकेट में बताया निरसा में निधन

धनबाद में फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने का मामला उजागर, खूब हुआ हंगामा

धनबाद जिले के निरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवलीबाड़ी मुखिया मोहल्ला में एक गंभीर प्रशासनिक लापरवाही का मामला सामने आया है। पंचायत सचिव विनय किशोर पर फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने और वास्तविक मामलों में टालमटोल करने का आरोप लगा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एग्यारकुंड प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) मधु कुमारी ने मौके पर पहुंचकर जांच की और संबंधित पंचायत सचिव को कड़ी फटकार

नंदिकशोर सिंह की मृत्यु विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) में कार्य के दौरान हुई थी, लेकिन पंचायत सचिव ने उनका मृत्यु प्रमाण पत्र



थाना में शिकायत करते मुक्तमोगी

स्थानीय स्तर पर, फर्जी तरीके से बनवाने के लिए आवेदन दे रहे हैं। जारी कर दिया। वहीं, 2011 में मृत उन्होंने तीन बार आवेदन में संशोधन भी किया। पंचायत सचिव ने 5000 हुए काली साव का प्रमाण पत्र अब तक जारी नहीं किया गया, जबकि रुपये की रिश्वत मांगी। आसपास के परिजन पांच महीने से लगातार लोगों से सफेद कागज पर हस्ताक्षर लिए गए और बाद में लिखा गया

शिकायतकर्ता सुबोध साव ने बताया कि वह पांच महीने से अपने दादा काली साव का मृत्यु प्रमाण पत्र मलका मेहर निगार, वार्ड सदस्य

स्थानीय लोगों से बातचीत की। स्थानीय लोगों ने पुष्टि की कि काली साव की मृत्यु मुखिया मोहल्ला में ही हुई थी। वहीं, नंदिकशोर सिंह की मृत्यु विजयवाड़ा में होने की बात भी जांच में सामने आई। बीडीओ ने पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने • फोटोन न्यूज की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि शिकायत सत्य पाई गई है और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बीडीओ मधु कुमारी ने साफ तौर पर कहा कि जांच में पंचायत सचिव द्वारा की गई गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। संबंधित अधिकारी कि मृत्यु यहां नहीं हुई। बीडीओ मधु को कारण बताओ नोटिस भेजा कुमारी ने मौके पर मौजूद मुखिया जाएगा और रिपोर्ट के आधार पर

आरटीई के उल्लंघन पर डीएवी को नोटिस

भवन से जुड़े नियम जैसे अग्निशमन व्यवस्था, इमरजेंसी एग्जिट और बिल्डिंग

AGENCY LOHARDAGA: प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना और समग्र शिक्षा अभियान

का जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को डीआरडीओ, सभागार में किया गया। जिला शिक्षा अधीक्षकअभिजीत कुमार ने बताया कि मध्याह्न भोजन पीएम पोषण योजना अंतर्गत 20 विद्यालयों के मामलों का निष्पादन

इसमें किचन शेड मरम्मत. निर्माण, शौचालय मरम्मत, पानी की समस्या, विद्यालय अनश्रवण और निरीक्षण, बीआरपी, सीआरपी विद्यालय मोनिटरिंग, किचेन डिवाइस सिहत अन्य का निराकरण करते हुए निष्पादित किया गया, जिन मामलों का निष्पादन जिला से संभव नहीं हो



बैठक में उपस्थित शिक्षा विमाग के पदाधिकारी

• फोटोन न्यूज

सका उसे राज्य स्तरीय सुनवाई के लिए अग्रसारित किया गया। इसमें शिक्षक की नियक्ति से संबंधित वैकेन्सी सहित अन्य मामले

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि सोशल ऑडिट होने से विद्यालयों की स्थिति की जानकारी होती है। इससे आगे चलकर सुधार किया जा सकता। ऑडिट की निरंतरता बनाये रखें।

साथ ही उपस्थित बीईईओ, बीपीओ, बीआरपी और सीआरपी को निदेश दिये कि आप विद्यालय निरीक्षण अनश्रवण के दौरान विद्यालय में परोसे जा रहे मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की जांच स्वयं बच्चों के साथ बैठ कर भोजन करके करें। ताकि वास्तविक जानकारी प्राप्त हो सके।

मौके पर संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे।

पूर्व सीएम ने कहा- चाकुलिया में फर्जी प्रमाणपत्र का मामला सुनियोजित साजिश का हिस्सा

शराब घोटाले में सीएम भी फंस सकते, इसीलिए एसीबी को किया आगे : बाब्र्लाल

उचित कार्रवाई की जाएगी।

PHOTON NEWS JSR:

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने गुरुवार को परिसदन में पत्रकारों से कहा कि बाबुलाल मरांडी ने कहा कि राज्य में हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री बनने के बाद भ्रष्टाचार में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। बिना प्रशासनिक मिलीभगत के इस प्रकार की लूट संभव नहीं। आईएएस विनय चौबे की गिरफ़्तारी भी इसी व्यापक भ्रष्टाचार का हिस्सा है, जिसकी शुरूआत 2022 में हुई, जब शराब दुकानों के ठेकों को लेकर मनमाफिक कंपनियों को अनुचित लाभ दिया गया। 19 अप्रैल 2022 को मैंने स्वयं मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर चेतावनी दी थी कि घोटाले की संभावना है। लेकिन, उस चेतावनी को नजरअंदाज कर सरकार ने अपने मनमाफिक चार कंपनियों को ठेके दिए। फिर 2024 में शराब



परिसदन में पत्रकारों को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी • फोटोन न्यूज फजी लोग उढा रहे योजनाओं का लाभ

पूर्व मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी ने बताया कि ऐसे मामलों में मनरेगा और अन्य संरकारी योजनाओं का लाभ भी वही लोग उठा रहे हैं जो वास्तव में उस गांव या पंचायत के निवासी नहीं हैं, बल्कि फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से योजना का लाभ ले रहे हैं। इससे साफ झलकता है कि यह अपने आप में एक गंभीर विषय है, जिसे प्रशासन को गंभीरता से लेना चाहिए।

घोटाले की गुंज छत्तीसगढ़ में सुनाई दी और 27 सितंबर 2024 को वहां प्रेस में खुलासे के बाद एसीबी ने झारखंड में अक्टूबर में एफआईआर दर्ज की। छत्तीसगढ़ सरकार ने सीबीआई को जाँच सौंपी, जिससे स्पष्ट है कि जांच की

कड़ी झारखंड तक जाएगी और झारखंड के मुख्यमंत्री की संलिप्तता भी उजागर होगी। इसी डर से सीबीआई की जांच से पहले ही एसीबी के माध्यम से विनय चौबे को गिरफ़्तार करा दिया गया। मरांडी ने कहा कि एसीबी के डीजी

आश्चर्यजनक ढंग से घटी आदिवासी आबादी

बाबूलाल मरांडी ने भारत की जनगणना के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 1951 में आदिवासी आबादी 35.38%, दलित आबादी 8.41%, ईसाई आबादी 4.12%, मुस्लिम आबादी 8.9% और सनातनी (हिंदू सहित) आबादी ८७ .७९% थी ; १९९१ में आदिवासियों की आबादी घटकर 26.36%, दलितों की आबादी अन्य जातियों के साथ बढकर 11.84%, ईसाई आबादी ४.6%, मुस्लिम आबादी १३.85% और सनातनी आबादी घटकर 82.9% रह गई; और 2011 की जनगणना में आदिवासी आबादी और घटकर २६.२०%, दलित आबादी १२.८०%, ईसाई आबादी 4.30%, मुस्लिम आबादी 14.53% और सनातनी (हिंदू सहित) आबादी 81.17% पर सिमट गई है।

फिलहाल वही अधिकारी हैं, जिनका कार्यकाल 30 अप्रैल को समाप्त हो चुका है और अब झारखंड में न तो स्थायी डीजीपी हैं, न ही वैध एसीबी के डीजी। यह स्थिति स्वयं में गंभीर और असंवैधानिक है। तीन वर्षों तक कोई

मुशिदाबाद के रास्ते घुसते हैं बांग्लादेशी यह बदलाव प्राकृतिक नहीं बल्कि एक योजनाबद्ध प्रयास है, विशेषकर

झारखंड में, जहाँ एक धर्म विशेष की आबादी को बढ़ाने का कार्य फजी जन्म प्रमाण पत्रों और अवैध घुसपैढ के जरिए किया जा रहा है। बाबूलाल मरांडी ने चिंता जताई कि बांग्लादेश जैसे देशों से लोग मालदा, मुर्शिदाबाद आते हैं फिर झारखंड राज्य में अवैध तरीके से घुसपैट कर रहे हैं। पहले यह पूर्वीत्तर में दिखा और अब झारखंड जैसे राज्यों में जनसंख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रहा है। मरांडी ने कहा कि पहलगाम घटना के बाद भारत सरकार ने सभी राज्यों को पत्र भेजकर निर्देशित किया कि वे प्रत्येक जिले में एक समिति गढित करें, जो बांग्लादेशी और रोहिंग्या जैसे अवैध घुसपैढियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर करने की प्रक्रिया सुनिश्चित करे। लेकिन दुर्भाग्यवश, झारखंड सरकार इस दिशा में अब तक कोई ठोस कदम उठाती नहीं दिख रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। इसके उलट, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ऐसे लोगों को आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उदाहरण के लिए, साहेबगंज, राजमहल, उदवा जैसे इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को दस्तावेज जारी किए गए हैं, जिससे साफ जाहिर होता है कि यह राज्य को एक धर्मशाला बना देने की सुनियोजित साजिश चल रही है।

कार्रवाई न करने के बाद अब अचानक की गई गिरफ़्तारी केवल जांच से बचाव का तरीका प्रतीत होता है। कहा कि ईडी की जांच में दो सीओ गवाह बने थे, तो झारखंड सरकार ने उनके घर छापेमारी कर डराने का प्रयास किया, ताकि गवाहों

को चुप कराया जा सके। यह सब भ्रष्टाचार को छिपाने और सीबीआई की जांच से बचने के प्रयास हैं। पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया प्रखंड में फजी तरीके से जन्म प्रमाणपत्र बनाना अपने आप में अत्यंत चिंताजनक विषय है। हम सभी लोग

शहरों की जनसंख्या वृद्धि को समझ सकते हैं, जहां अस्पताल और रोजगार के अवसर होते हैं, वहां लोग आकर बसते हैं और उसी आधार पर जन्म प्रमाणपत्र बनते हैं। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, जिससे किसी को आपत्ति नहीं होती है। लेकिन, यदि चाकुलिया जैसे ग्रामीण और अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्र में अचानक बड़ी संख्या में जन्म प्रमाणपत्र बन रहे हैं, तो यह दशार्ता है कि इसके पीछे कोई बड़ा सुनियोजित प्रयास है। यह प्रशासनिक चूक से कहीं अधिक राजनीतिक या रणनीतिक योजना का संकेत देता है। इसके साथ ही, चाकुलिया का बालीजुड़ी पंचायत जो आदिवासी बहुल क्षेत्र है। वहां संथाल और मुंडा समुदाय का वर्चस्व है, वहां मुस्लिम समुदाय की महिला को मंईयां सम्मान योजना की राशि दी गई, जबिक इस पंचायत में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं है।

एफएलएन चैंपियनशिप कार्यक्रम में रामगढ़ के छात्र व शिक्षक सम्मानित

RAMGARH : झारखंड शिक्षा

परियोजना परिषद के तहत संचालित इंडिया'एस फर्स्ट फाऊंडेशनल लिटरेसी एंड न्युमैरेसी (एफएलएन) चैंपियनशिप प्रोग्राम में रामगढ़ के 23 छात्र और 20 शिक्षक सम्मानित हुए। राज्य स्तरीय निहार शांति इंग्लिश लिटरेसी प्रोग्राम के वर्ड पॉवर चैंपियनशिप के तर्ज पर यह कार्यक्रम आयोजित हुआ है। इस कार्यक्रम में रामगढ जिले से कुल 1600 शिक्षक एवं १६००० छात्र शामिल हुए। गुरुवार को आयोजित सम्मान समारोह में 20 शिक्षकों एवं 23 छात्रों के साथ-साथ छह उत्कृष्ट संकुल साधन सेवियों एवं एफएलएन चैंपियनशिप में उत्कृष्ट काम करने वाले चार प्रखंड स्तरीय टीम बीईओ, बीपीओ को आमंत्रित किया गया। सभी शिक्षकों और उनके छात्रों ने राज्य एवं जिला स्तरीय चैंपियनशिप प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन किया। कार्यक्रम में एडीपीओ नलिनी रंजन और एपीओ कुमार राज ने शिक्षकों एवं छात्रों का मनोबल बढ़ाया तथा उन्हें प्रोत्साहित किया। एडीपीओ निलनी रंजन की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों और शिक्षकों से प्रतिक्रिया प्राप्त की गई। वर्ष 2025 में रामगढ़ जिले से सात छात्र राज्य स्तरीय एफएलएन चैंपियनशिप प्रतियोगिता में शामिल हए।















दक्षिण-पूर्वी रेल मंडल के रांची जोन ने

सबसे अधिक हॉकी खेल के खिलाडियों

को नौकरी प्रदान किया है। भारतीय टीम

की कप्तान सलीमा टेटे, सीनियर खिलाड़ी

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड में आने वाले कई दिनों

O BRIEF NEWS

मौलाना मोहम्मद अख्तर हसैन मजाहिरी का निधन

RANCHI: कांके प्रखंड के पतरा टोली गांव निवासी इस्लाम के विद्वान मौलाना मोहम्मद अख्तर हुसैन



लिए संचालित मदरसा आलिया पतरा टोली के प्रिंसिपल थे। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। शुक्रवार को उनको पतरा टोली कब्रिस्तान में शाम पौने पांच बजे सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। उनके दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। वे पूरे क्षेत्र में प्रख्यात इस्लामिक विद्वान के रूप में जाने जाते थे। साथ ही मदरसा आलिया के उत्थान में उनका अहम योगदान था। उनके निधन पर पूरे कांके क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। अंजुमन इस्लामिया कांके के पदाधिकारियों, विधायक सुरेश बैटा सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

श्रावणी मेला को लेकर आज सीएम हेमंत करेंगे उच्चस्तरीय बैठक

RANCHI: शुक्रवार यानी आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आगामी 11 जुलाई से शुरू होने वाले देवघर श्रावणी मेला को लेकर उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। बाबा बैद्यनाथ तीर्थ क्षेत्र विकास प्राधिकार के तहत यह बैठक दिन के 12 बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। इस बैढक में मेले की तैयारी को लेकर सभी बिंदुओं पर चर्चा होगी, ताकि श्रावणी मेला में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कतें न हो। इस बैठक में सभी विभाग के प्रधान सचिव, सचिव, पुलिस महानिदेशक, आयुक्त दुमका, पुलिस उप महानिरीक्षक दुमका, निदेशक पयर्टन, उपायुक्त देवघर सहित अन्य अधिकारी शामिल होंगे।

189 गाडियों की जांच, 26 वाहन मालिकों से 6.03 लाख का वसूला जुर्माना

RANCHI: गुरुवार को परिवहन विभाग ने रांची शहर में वाहनों की जांच का अभियान चलाया। शहर के कचहरी चौक, मोरहाबादी और मेसरा में वाहनों की जांच की गई। इस दौरान 26 वाहन मालिकों से 6.03 लाख रुपया का जुमार्ना वसूला गया। जांच अभियान गुरुवार की रात 3.00 बजे से शुरू की गई थी। जानकारी के मुताबिक रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर डीटीओ अखिलेश कुमार की टीम ने वाहनों को रोक कर उसके कागजात, टैक्स, ओवरलोड, डाइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, परिमट, पॉल्यूशन सर्टिफिकेट, टैक्स रसींद्र आदि की जांच की। डीटीओ अखिलेश कुमार ने बताया कि गरुवार को चले अभियान में कल १८९ वाहना का जाच का गड़। इनम स 26 गाड़ियों के कागज पूरे नहीं मिले। इन वाहन मालिकों से 6,03,002 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। डीटीओ ने बताया कि तीन जगहों पर चली जांच के दौरान ५ वाहनों को जब्त किया गया।

रांची में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का 25 मई को होगा नागरिक अभिनंदन

RANCHI: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का नागरिक अभिनंदन समारोह 25 मई को रांची के डांगरा टोली स्थित स्वर्ण भूमि बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाम 5 बजे से शुरू होगा और राजस्थान फाउंडेशन, रांची चैप्टर द्वारा आयोजित किया जा रहा है बताते चलें कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 25 मई को जमशेदपुर में चैंबर ऑफ कॉमर्स के 75वें वर्षगांट समारोह में भी शामिल होंगे इसके बाद वे रांची आएंगे, जहां उनका नागरिक अभिनंदन किया जाएगा।

भारतीय रेलवे आज के समय में सिर्फ यात्रियों के आने-जाने की सुविधा ही नहीं उपलब्ध कराता है, बल्कि इसका सेवा क्षेत्र अधिक व्यापक हो चका है। ऐसा देखा जाता है कि किसी राज्य में जब कोई खिलाड़ी अपने खेल के क्षेत्र में बेहतर करता है, तो कई क्षेत्रों से उसे नौकरी देने का ऑफर भी मिलता है। आज के समय में किसी भी क्षेत्र के खिलाड़ियों को नौकरी देने में रांची रेल मंडल अग्रणी भूमिका निभा रहा है। ऐसा कहा जाता है कि भारतीय रेल हमेशा से ही खिलाडियों को रोजगार उपलब्ध कराने में अव्वल रहा है। भारतीय रेल के रांची रेल मंडल ने भी इसी परंपरा का निर्वहन शानदार तरीके से किया है। आज की तारीख में रांची रेल मंडल खिलाड़ियों को नौकरी देने के मामले में झारखंड के सबसे अग्रणी संस्थानों में से

शिखर पर है। इसने 2019 से लेकर 2023

तक 25 से अधिक खिलाडियों को नौकरी दी

है। इस रेल मंडल के खिलाड़ियों की धमक

भारतीय हॉकी टीम तक रही है। भारतीय टीम

में सदैव ही इस मंडल के खिलाड़ियों ने अपने

शानदार प्रदर्शन से अमिट छाप छोड़ी है।

www.thephotonnews.com Friday 23 May 2025 Friday, 23 May 2025

खिलाड़ियों को नौकरी देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा रांची रेल मंडल

2019 से लेकर 2023 तक 25 से अधिक खिलाड़ियों को इस मंडल ने दी है नौकरी भारतीय हॉकी टीम में इस रेल मंडल के खिलाड़ियों ने लगातार किया है बेहतर प्रदर्शन

सावित्री को है पहली मजबत पहचान दिलाने का श्रेय

रांची रेल मंडल में महिला खिलाडियों को पहली मजबत पहचान दिलाने का श्रेय सावित्री पूर्ति को जाता है। 1983 में राष्ट्रीय महिला टीम में सावित्री पूर्ति का चयन हुआ। सावित्री, एकीकृत बिहार–झारखंड से अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेलनेवाली पहली महिला खिलाडी थीं। बाद में सावित्री 2011 से 2014 तक राष्ट्रीय चयनकर्ता बनीं और भारतीय हॉकी के भविष्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में रांची रेल मंडल खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए अहम



रांची मंडल में ही कार्यरत हैं। आज भी भारतीय हॉकी टीम की कप्तान इसी रेल मंडल की खिलाड़ी सलीमा टेटे हैं। इनके अलावा भी कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं, जो रांची रेल मंडल से जुड़ी हुई हैं, और सबसे खास बात यह कि महिलाओं ने इस मामले में परुषों को काफी पीछे छोड़ दिया है।

निक्की प्रधान, संगीता कुमारी, बेला रानी टोपनो, ब्यूटी डुंगडुंग, निराली टोपनो जैसे खिलाड़ी रांची रेल मंडल में ही कार्यरत हैं, जो कि भारतीय टीम का हिस्सा भी हैं। टोक्यो ओलंपिक में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया था। ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम के 16 सदस्यीय दल में से 13 खिलाड़ी भारतीय की दृष्टि से हमेशा से रेलवे से जुड़ी हुई थीं और इनमें से दो अव्वल रहा है भारतीय खिलाड़ी रांची रेल डिवीजन की थीं। राष्ट्रीय टीम में हॉकी खिलाड़ी देने का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। आज

हॉकी खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा नौकरी भी इस रेल डिवीजन में कार्यरत कई खिलाडी देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। निक्की प्रधान, सलीमा टेटे, रोपनी, ब्यूटी डुंगडुंग रांची रेल डिविजन में ओएसडी के पद पर कार्यरत हैं और उन्होंने भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए टोक्यो ओलंपिक में शानदार व ऐतिहासिक प्रदर्शन में महत्वपर्ण भिमका निभाई थी। अंडर-19 क्रिकेट में भारतीय टीम में शामिल सुशांत मिश्रा और जनियर हॉकी टीम में खेल चकी संगीता कुमारी को भी रेलवे की ओर से बहाल किया गया है। रांची रेल मंडल ने नए सत्र में 6 खिलाडियों को रेलवे में नौकरी प्रदान की है। यानी रेलवे से जुड़ने वाले खिलाड़ियों को रांची रेल मंडल की ओर से भरपूर सम्मान मिल रहा है।

दो डॉक्टर, फ्लोर मैनेजर सहित ५ लोग सिस्टम को बनाएंगे मजबूत

सदर अस्पताल की सुविधाएं बनाई जा रहीं हाईटेक, स्पेशल टीम गठित

PHOTON NEWS RANCHI:

शहर के दूसरे सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में शुमार सदर को अब हाईटेक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। मरीजों को बेहतर इलाज और आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रबंधन ने कमर कस ली है। इसके लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है, जो अस्पताल की व्यवस्थाओं की निगरानी करेगी और उन्हें बेहतर बनाने के लिए रिपोर्ट तैयार करेगी। इतना ही तत्काल सुविधाओं को दुरुस्त किया जाएगा। अस्पताल प्रशासन की ओर से बनाई गई इस विशेष टीम में दो डॉक्टरों, एक फ्लोर मैनेजर सहित कुल पांच सदस्य शामिल हैं। यह टीम अस्पताल के विभिन्न विभागों का नियमित रूप से निरीक्षण कर रही है और सभी जरूरी संसाधनों की सूची तैयार कर रही है। इसमें मशीनों की स्थिति, जरूरी मेडिकल इक्विपमेंट, स्टाफ की उपलब्धता, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता आदि का समावेश किया जा रहा है।

कोर्ट ने उषा मार्टिन के एमडी का पासपोर्ट रिलीज करने का दिया आदेश

RANCHI: खनन घोटाला के माध्यम

से मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी उषा मार्टिन ग्रुप के प्रबंध निदेशक (एमडी) राजीव झंवर को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत से राहत मिली है। अदालत ने गुरुवार को उनका पासपोर्ट रिलीज करने का आग्रह स्वीकार कर लिया है। अदालत के इस फैसले के बाद अब राजीव झंवर विदेश यात्रा कर सकेंगे। दरअसल, राजीव झंवर ने हाईकोर्ट के निर्देश पर फरवरी महीने में सीबीआई कोर्ट में सरेंडर किया था। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें पासपोर्ट जमा करने और 50-50 हजार रुपये के दो निजी मुचलके भरने की शर्त पर जमानत दे दी थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई ने उषा मार्टिन के खिलाफ १९० करोड़ रुपये के आयरन ओर (लौह अयस्क)के केस में चार्जशीट दायर की है।

665 बेडों के अस्पताल में हर स्तर पर सुधार के लिए प्रबंधन ने

- मशीन से लेकर मैनपावर तक की तैयार की जा रही रिपोर्ट
- साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता पर किया जा रहा स्पेशल फोकस



टीम की रिपोर्ट के आधार पर तत्काल कार्रवाई

टीम की रिपोर्ट के आधार पर प्रबंधन द्वारा त्वरित कदम उठाए जा रहे हैं। अस्पताल में आधुनिक उपकरणों की खरीदी प्रक्रिया तेज कर दी गई है, साथ ही पुराने और खराब हो चुके उपकरणों की मरम्मत या प्रतिस्थापन भी कराया जा रहा है। मरीजों को समय पर जांच की सुविधा देने के लिए लैब और एक्स–रे विभाग को भी आधुनिक बनाया जा रहा है। इसके अलावा बंद पड़ी मशीन को चालू कराने, मैनपावर बढ़ाने पर प्रशासन

डिजिटल व्यवस्था को प्राथमिकता प्रबंधन का कहना है कि 665 बेड

वाले इस अस्पताल में प्रतिदिन हजारों मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में व्यवस्थाओं को दुरुस्त और अपडेट करना अत्यंत आवश्यक है। स्पेशल टीम द्वारा तैयार की जा रही रिपोर्ट को समीक्षा बैठक में रखा जा रहा है और उसी के अनुरूप सुधारात्मक कदम उठाएँ जा रहे हैं। इसके अलावा डिजिटल व्यवस्था को



का रिजर्टिशन अब डिजिटल मोड में किया जा रहा है, ताकि उन्हें लंबी लाइन में खड़ा न होना पड़े।

हॉस्पिटल के अंदर फ्लोर मैनेजर संभाल रहे मोर्चा

सिर्फ मशीनों ही नहीं, अस्पताल में मैनपावर को भी मजबूत किया जा रहा है। नर्सिंग स्टाफ की संख्या बढाने की योजना है, वहीं तकनीकी स्टाफ को प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वे नई तकनीकों के साथ सहजता से काम कर सकें। अस्पताल के अंदर फ्लोर मैनेजर की तैनाती से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मरीजों को समय पर बेड, दवा और अन्य सुविधाएं

झारखंड में आज से 28 मई तक तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट

तक तेज हवाओं के साथ बारिश होगी। हवा की रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर के बीच रहने का अनुमान है। यह जानकारी भारत मौसम विज्ञान विभाग के रांची • रांची मौसम केंद्र के मौसम केंद्र के प्रमुख अभिषेक प्रमुख अभिषेक आनंद आनंद ने दी है। अभिषेक आनंद ने दी जानकारी ने बताया कि 23 मई के लिए • 50 से 60 किलोमीटर विभाग की ओर से ऑरेंज और की रफ्तार से तेज येलो अलर्ट जारी किया गया है। झारखंड में कुछ जगहों पर गरज हवाओं का चलेगा झोंका के साथ 50 से 60 किलोमीटर • कल के लिए मौसम की रफ्तार से तेज हवाओं का विभाग ने एक साथ जारी झोंका चलेगा। इसके साथ ही किए दो येलो अलर्ट वज्रपात होने की भी संभावना है। इतना ही नहीं, झारखंड के उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन

संभावना है। शनिवार 24 मई के लिए दो-दो येलो अलर्ट जारी किये गये हैं। पहले अलर्ट में मौसम विभाग ने कहा है कि झारखंड के उत्तर-पूर्वी भागों को छोड़कर शेष भागों में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवाों का झोंका के साथ वज्रपात होने की संभावना है। इन जगहों पर 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से

कुख्यात शूटर शिव शर्मा उर्फ शिवेंद्र को एटीएस कोर्ट ने नहीं दी जमानत



PHOTON NEWS RANCHI:

एंटी टेरिरस्ट स्क्वाड (एटीएस) की स्पेशल कोर्ट ने गुरुवार को कुख्यात शूटर शिव शर्मा उर्फ शिवेंद्र को जमानत देने से इंकार कर दिया है। उसने रांची में रातू रोड फ्लाइओवर बना रही कंपनी केसीसी बिल्डकॉन से रंगदारी मांगने के केस में जमानत मांगी थी। एटीएस ने सुखदेवनगर थाना में आरोपित के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को टेकओवर करते हुए कांड संख्या 3/2024 दर्ज की थी।

शिव शर्मा की ओर से अधिवक्ता अमन कुमार राहुल ने बहस की। प्राथमिकी के मुताबिक, शिव शर्मा ने रातू रोड फ्लाइओवर बना रही कंपनी केसीसी बिल्डकॉन के अधिकारी को जान मारने की नीयत से धमकी दी थी। सेटेलमेंट के रूप में उसने पांच प्रतिशत राशि की मांग की थी और राशि नहीं देने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी। शिव शर्मा उर्फ शिवेंद्र पर हत्या और रंगदारी सहित अन्य कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

को लेकर कांग्रेस नेताओं ने की मीटिंग

RANCHI: झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आगामी जनगणना में सरना धर्म कोड को शामिल किए जाने की मांग को लेकर 26 मई को राजभवन के समक्ष विशाल धरना प्रदर्शन करने की घोषणा की है। इस संबंध में कांग्रेस भवन, रांची में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इसमें धरना की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य है, जहां बड़ी संख्या में लोग सरना धर्म का पालन करते हैं। यह धर्म प्रकृति पूजा, जल-जंगल-जमीन की रक्षा और पारंपरिक रीति-रिवाजों पर आधारित है। लेकिन, दुख की बात है कि अब तक जनगणना प्रपत्रों में सरना धर्म के लिए अलग कोड नहीं दिया गया है, जबकि अन्य धर्मों के लिए यह सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि झारखंड विधानसभा में भी सरना कोड को लेकर प्रस्ताव पारित किया जा चुका है, फिर भी केंद्र सरकार इस मुद्दे पर मौन है।

26 को धरना की तैयारियों प्रबंधन ने भुगतान के लिए सरकार से लगाई गुहार, कहा

और तेज हवाओं का झोंके के

साथ वजुपात की संभावना है।

इन इलाकों में हवा की रफ्तार 40

से 50 किलोमीटर रहने की

उम्मीद है। एक और येलो अलर्ट

में मौसम वैज्ञानिक ने कहा है कि

राज्य के उत्तर-पश्चिमी एवं

निकटवर्ती उत्तरी-मध्य भागों में

कहीं-कहीं भारी बारिश होने की

आयुष्मान भारत योजना का पेमेंट नहीं मिलने से बंद हो जाएंगे प्राइवेट अस्पताल

मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (एमएमजेएवाई), जिसे आमतौर पर आयुष्मान भारत योजना के नाम से जाना जाता है, लंबे समय से गरीब मरीजों के लिए लाइफलाइन साबित हो रही है। लेकिन, पिछले 10 महीनों से राज्य के प्राइवेट अस्पताल गंभीर वित्तीय संकट से जुझ रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन का आरोप है कि फरवरी 2024 से अब तक उन्हें एक भी भुगतान नहीं मिला है। वहीं करीब 700 अस्पतालों को बीते तीन महीनों से सरकार की ओर से एक रुपया भी नहीं मिला। जबिक 212 अस्पताल



क्लीयरेंस के बावजूद पेमेंट नहीं

प्राइवेट अस्पतालों के प्रबंधन का कहना है कि इस संकट कारण सॉफ्टवेयर बदलाव क्लेम रिजेक्शन और नाफू (नेशनल एंटी-फ्रॉड यूनिट) द्वारा लगाएँ गए आरोप बताए जा रहे हैं। लेकिन जिन अस्पतालों का क्लीयरेंस हो चुका है उन्हें भी पेमेंट नहीं दिया जा रहा है। उनका कहना है कि भस्पतालों में अब संचालन असंभव हो गया है। हजारीबाग जिले में लगभग 20 निजी

अस्पताल पूरी तरह से बंद हो चुके हैं। कई अस्पताल ओवरड्राफ्ट या बैंक लोन लेकर अपने कर्मचारियों को वेतन दे रहे हैं। अब तो बैंक ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं। प्रलाम जिले में अस्पतालों ने चेतावनी दी है कि वे अगले हफ्ते से सेवाएं बंद कर सकते हैं। सबसे गंभीर आरोप यह है कि सरकार ने आरोपों से मुक्त हो चुके अस्पतालों का भी भुगतान रोक रखा है।

एक रुपया भी नहीं दिया गया। ऐसे में प्राइवेट अस्पतालों ने अब आयुष्पान योजना के तहत इलाज करने में

अप्रैल और मई माह का पैसा प्राप्त करने का इंतजार कर रहीं लामुक

आवंटन के बावजूद खातों में ट्रांसफर नहीं हो रही मंईयां योजना की राशि

PHOTON NEWS RANCHI:

मंईयां सम्मान योजना मख्यमंत्री हेमंत सोरेन का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस योजना ने उन्हें दूसरी बार सत्ता दिलाने में सर्वाधिक प्रभावशाली भूमिका निभाई है। इस योजना के तहत अब महिलाओं के खाते में हर माह ₹२५०० मिलते हैं। समय पर लाभुकों के खातों में राशि जाना आसान नहीं है, लेकिन इसके लिए सरकार हर स्तर पर सक्रिय है। फिर भी अब कुछ सवाल उटने लगे हैं। लाभुक जानना चाह रही हैं कि अप्रैल और मई माह की किस्त कब मिलेगी, क्योंकि 13 मई को ही महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से कुल 9,609 करोड़ रुपये जिला कोषांगों को आवंटित कर दिए गए हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आवंटन के बावजूद लाभुकों के खाते में राशि ट्रांसफर क्यों नहीं हो रही है। हर माह की 15 तारीख तक राशि टांसफर करने का पावधान है। इसकी

पड़ताल करने पर कई बातें सामने आई हैं।

13 मई को ही 9609 करोड़ रुपये जिला कोषांगों को किए जा चुके हैं आवंटित किसी भी अपात्र लाभुक के खाते में राशि ट्रांसफर न हो पाए, रखना है इसका ध्यान

एरर फ्री होना चाहिए पूरा सिस्टम

जानकारी के अनुसार, 13 मई को राशि आवंटन के बाद इस बात की पूरी संभावना थी कि दो-एक दिन के भीतर लाभुकों के खाते में दो माह (अप्रैल और मई) की किस्त के तौर पर ₹5000 ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। विभागीय सूत्रों ने भी इसी बात की उम्मीद जताई थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वैसे 15 मई से पहले ही जिला स्तर

से राशि ट्रासंफर करने

की तैयारी पूरी की जा

चुकी है। इस बीच विभाग की ओर से जिला कोषांगों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि किसी भी अपात्र लाभुक के खाते में राशि ट्रांसॅफर ना हो पाए। पूरा सिस्टम एरर फ्री होना चाहिए। इसलिए खातों के आधार सीडिंग को क्रॉस चेक किया जा रहा है। जिला कोषांगों का कहना है कि मुख्यालय से ग्रीन सिग्नल मिलते

ही राशि ट्रांसफर कर दी

जाएगी।



अगली किस्त को लेकर बना सस्पेंस

इस बीच एक नई बात सामने आई है। 13 मई को राशि आवंटन के बाद विभागीय सूत्रों के हवाले से कहा गया था कि एक साथ अप्रैल और मई माह की किस्त दी जाएगी। अब संभव है कि सिर्फ अप्रैल माह की ही किस्त दी जाए। यह भी जानकारी मिली है कि जिला कोषांगों को किस्त जारी करने के लिए विभागीय स्तर पर कोई पत्र जारी नहीं होता है। इसलिए मंईयां सम्मान योजना की अगली किस्त को लेकर सस्पेंस बना हुआ है।

गिरिडीह में लाभुकों की संख्या सर्वाधिक

जहां तक संख्या की बात है तो सबसे ज्यादा लाभुकों की संख्या गिरिडीह में है। रांची दूसरे नंबर पर है। तीसरे नंबर पर धनबाद, चौथे नंबर पर बोकारो और पलामू का स्थान पांचवे नंबर पर है। एक और सवाल है कि इस बार कुल कितने लाभुकों को सम्मान राशि दी जाएगी। क्योंकि विभाग का कोई भी अधिकारी इस मसले पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। एक अनुमान के मुताबिक ४३ लाख से कुछ ज्यादा लाभूकों की सम्मान राशि दी जाएंगी। 6 जनवरी को पहली बार जिन ५६.६१ लाख लाभुकों को 2500 रुपये के हिसाब से सम्मान राशि ट्रांसफर की गई थी, उनमें से बड़ी संख्या में अपात्र लाभुकों की पहचान हुई थी।

सीबीआई अधिकारी बनकर ५९.४४ लाख की टगी करने वाले दो गिरफ्तार

ऐसे हैं, जिन्हें पिछले 10 महीनों से

RANCHI: झारखंड सीआईडी ने एक बड़े साइबर धोखाधड़ी का भंडाफोड़ करते हुए, खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर ५९ .४४ लाख की ठगी करने वाले दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अपराधियों की पहचान पटना के अजय कुमार सिन्हा और सौरभ शेखर के रूप में हुई है। इनके पास से दो मोबाइल फोन, तीन सिम कार्ड और अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद की गई है। सीआईडी ने गुरुवार को इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि साइबर क्राइम थाना में 28 मार्च को कांड संख्या २९/२५ दर्ज किया गया था. जिसके बाद गहन जांच शुरू की गई थी। महिला एवं ग्रामीण विकास कल्याण समिति की आड़ में धोखाधड़ी जांच में खुलासा हुआ कि अभियुक्तों ने धोखाधड़ी को छिपाने के लिए महिला एवं ग्रामीण विकास कल्याण समिति के नाम पर एचडीएफसी बैंक में एक खाता खुलवाया था।

सीसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक, हिंदी भाषा के इस्तेमाल पर जोर



PHOTON NEWS RANCHI: सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड

(सीसीएल) के दरभंगा हाउस स्थित नए भवन के सभागार में निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक हुई। बैठक में महाप्रबंधक (कल्याण) रेखा पांडेय, महाप्रबंधक (राजभाषा) संजय कुमार ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित थे। हर्ष मिश्र ने अपने संबोधन में हिंदी को कार्यालयीन कार्यों में प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया और हमारे कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। संजय ठाकुर ने बैठक में उपलब्धियों गतिविधियों की जानकारी दी, जबिक उप प्रबंधक (राजभाषा) श्रीलाल दिविक दिवेश ने राजभाषा संबंधी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। बैठक में तकनीकी, गैर-तकनीकी और केंद्रीकृत इकाइयों के राजभाषा कार्यों की समीक्षा की गई। उत्कृष्ट कार्य हेतु तकनीकी श्रेणी में प्रणाली विभाग, गैर-तकनीकी में कल्याण विभाग एवं केंद्रीकृत इकाई के रूप में कुजू क्षेत्र को चल शील्ड से सम्मानित किया गया।

समाचार सार

श्रीनाथ विवि की करियर काउंसिलिंग कल



मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से 24 मई को श्रीनाथ घाटशिला के आनंदिता पैलेस में सुबह नौ बजे से लगने वाले फेयर में

ऑनस्पॉट एडिमशन सह एजकेशन फेयर है, जिसमें छात्र न केवल अपनी आगे की पढ़ाई के विकल्प जान सकेंगे, बल्कि सीधे प्रवेश की सुविधा का भी लाभ उठा सकेंगे। इस मौके पर मार्केटिंग प्रमुख गौरव मिश्रा व मार्केटिंग मैनेजर आलोक राज मौजूद थे।

मानगो में पेयजल संकट से भडका आक्रोश

JAMSHEDPUR: मानगो में पेयजल संकट को लेकर लोगों का गुस्सा



बुधवार को सड़कों पर फुट पड़ा। गर्मी के बावजूद बूंद-बुंद पानी को तरस रहे नगर रोड नंबर 15 स्थित जलशुद्धिकरण केंद्र (वाटर ट्रीटमेंट प्लांट) के बाहर

प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह ने बताया कि यह आग की तिपश जिम्मेदार अधिकारियों की नींद तोड़ने के लिए है। मानसून की दस्तक होने के बावजूद पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है। मानगो नगर निगम के 36 वार्डों में स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि लोग हफ्तों स्नान नहीं कर पा रहे हैं। कई परिवारों को पानी खरीदकर या दरदराज से ढोकर लाना पड रहा है. जिससे उनका रोजगार भी प्रभावित हो रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यको बैंक के पास नई पानी की टंकी का उद्घाटन और दो नए मोटर खरीदने की बात ने उन्हें राहत की उम्मीद दी थी, लेकिन हालात और बदतर हो गए हैं। इन वादों पर लोगों का भरोसा अब टट चका है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो उपायक्त पर्वी सिंहभम के आवास के बाहर 36 मटके फोडकर जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। यह प्रदर्शन मानगो नगर निगम के सभी 36 वार्डों के प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ किया जाएगा इस विरोध कार्यक्रम में विकास सिंह के साथ संदीप शर्मा, शिव साहू, पंकज गुप्ता, सुजीत पांडे, मधुगुल अंसारी, वीरेंद्र कुमार, मोहम्मद सबीर हुसैन, विजय ठाकुर, अतानु हजारे, संजय सिंह, पंकज कुमार, संजय कुमार सिंह, डॉ. एन के सिन्हा, शिव ठाकुर, वीरेंद्र साहू, दुर्गा दत्ता, विजय महतो सहित सैकड़ों स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

डीएवी चाईबासा व संत जेवियर्स बने संयुक्त विजेता



प्रायोजित 14वीं ज्ञानचंद जैन स्कूल प्रतियोगिता का चढ़ गया। प्रतियोगिता के नियमानुसार दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित कर

दिया गया। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए फाइनल मैच में टॉस संत जेवियर्स इंगलिश स्कूल ने 12.5 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाए थे। इसी बीच बारिश के कारण मैच

ब्रह्मोत्सव के चौथे दिन संपन्न हुए कई अनुष्ठान

CHAKRADHARPUR: 42वें पंचाहनिका वार्षिक ब्रह्मोत्सव के चौथे

दिन गुरुवार की शाम को भगवान बालाजी, माता लक्ष्मी व माता भूदेवी की उत्सव मर्तियों को फलों से सजे झूले में बिठा कर झलाया गया। इस दौरान 🌌 🌃 🛂 🗐 श्रद्धालुओं ने भी झूले में लगी

डोरी को खीच कर भगवान को झुलाने का गौरव प्राप्त किया। इससे पूर्व भगवान बालाजी, माता लक्ष्मी व माता भदेवी की प्रतिमा का भव्य श्रंगार किया गया था। मंदिर के पुरोहित अनंतनारायनचार्युल के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालओं ने एक हजार दीप प्रज्जवलित कर भगवान बालाजी की पूजा-अर्चना की। 23 मई की शाम को भगवान बालाजी का विवाह माता लक्ष्मी व माता भूदेवी के साथ कराया जाएगा। इसके साथ ही ब्रह्मोत्सव संपन्न हो जाएगा।

कस्तरबा में शत-प्रतिशत नामांकन का निर्देश

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय चाईबासा स्थित समाहरणालय सभागार में गुरुवार को जिला अंतर्गत आवासीय विद्यालयों में नामांकन को लेकर बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायक्त कुलदीप चौधरी ने कस्तूरबा सहित अन्य बालिका विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन कराने का निर्देश दिया। बैठक में जिला अंतर्गत 15 कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं 3 झारखंड बालिका आवासीय विद्यालयों में वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों पर नामांकन को लेकर विचार-विमर्श हुआ। जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेमराज टोप्पो ने नामांकन प्रक्रिया, पात्रता, आवेदन की शर्तें एवं चयन से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी।

बिजली का पोल तोड़कर घर में घुसा द्रक, बाल-बाल बचे दोनों परिवार

बंगाल से आलू लेकर आ रहा ट्रक एनएच पर अचानक हो गया अनियंत्रित

पर्वी सिंहभम जिले के चाकलिया-धालभूमगढ़ मुख्य सड़क पर गुरुवार को एक आलू लदा ट्रक अनियंत्रित होकर अंधारिया गांव में एक घर में घस गया। ट्रक (डब्लबी 33बी 9941) पश्चिम बंगाल से आलू लेकर जमशेदपुर जा रहा था, लेकिन रास्ते में बिजली के खंभे को तोड़ते हुए रामसाई टुडू और किशुन हेंब्रम के घर में जा घुसा। हादसे में दोनों घर बुरी तरह टूट गए। सौभाग्यवश रामसाई टुडू अपने परिवार सहित बाल-बाल बच गए, घटना के समय वे सभी घर में ही सो रहे थे। हादसे के बाद ट्रक का चालक और खलासी मौके से फरार हो गए। हालांकि सड़क पर दूर तक खन के धब्बे फैले हए हैं। इससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि चालक को गंभीर चोटें आई हैं। ट्रक



घर में घुसा ट्रक व मकान के क्षतिग्रस्त सामान

बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है और घर की छत पर लगे बांस-लकड़ी के रोले और शीशे टटकर अंदर तक घुस आए हैं। बिजली के खंभे को टक्कर लगने से इलाके की बिजली आपर्ति बाधित हो गई है। तारों में खिंचाव के कारण आस-पास के कई खंभे भी टूटे हुए हैं। वहीं घटना की सूचना मिलते ही मुखिया मोहन सोरेन और चाकुलिया पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के कारण सड़क के दोनों ओर जाम की स्थिति बन गई, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय प्रशासन ने राहत और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है। पुलिस फरार चालक और खलासी

दो बाइकों की टक्कर में 4 युवक गंभीर रूप से घायल

GHATSILA: पर्वी सिंहभम जिले के थाना क्षेत्र के कालापाथर गांव के समीप मुख्य सडक पर गुरुवार की देर शाम दो बाइकों की टक्कर में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से चारों घायल को ु अनमंडल अस्पताल घाटशिला लाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. रामचंद्र मुर्मू ने प्राथमिक उपचार कर घायलों को बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया। चिकित्सक ने बताया कि सपन मानकी का दायां पैर टूट गया है, जबिक कालीचरण मानकी की स्थिति काफी गंभीर है। दोनों एक ही बाइक पर सवार थे। बताया जा रहा है कि विपरीत दिशा से आ रही बाइक सवार भादुआ गांव निवासी सपन मुर्मू की स्थिति काफी खराब है। उसके साथ बाइक पर सवार दूसरे युवक की पहुँचान नहीं हो सकी है।



केयु ने चार संविदा शिक्षकों को निकाला

प्रदेश अध्यक्ष राकेश कमार पांडेय ने कोल्हान विश्वविद्यालयं पर गंभीर विश्वविद्यालय की मनमानी से चार संविदा नीड बेस्ड शिक्षकों की नौकरी और उनके परिवार की रोजी-रोटी छिन गई। इन शिक्षकों में डॉ. मीरा कुमारी, डॉ. कंचन सिन्हा, डॉ. गोपीनाथ पांडेय और भुवन भास्कर शामिल हैं। पांडेय ने बताया कि कोल्हान विश्वविद्यालय ने इन शिक्षकों की सेवा यह कहकर स्थगित कर दी कि जेपीएससी से 17 नियमित शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है। इसलिए स्वीकृत पदों से अधिक हो रहे चार नीड बेस्ड शिक्षकों की सेवा रोकी जाती है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी से नियुक्त 17 में से अब तक केवल 13 शिक्षक ही योगदान दे पाए हैं। चार पद अब भी खाली हैं। ऐसे में सवाल उटता है कि जब 14 महीने बाद भी चार पद खाली हैं, तो छह साल से पढा रहे अनुभवी नीड बेस्ड शिक्षकों की सेवा फिर से क्यों नहीं शुरू की जाती। पांडेय ने कहा कि कई कॉलेजों में इतिहास विषय के शिक्षक नहीं हैं। इसके बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन ने जानबुझकर इन शिक्षकों को हटाया। इससे न केवल चार शिक्षकों और उनके परिवारों पर मानसिक और आर्थिक अत्याचार हुआ, बल्कि हजारो छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हुई। उन्होंने बताया कि जल्द ही संघ का एक प्रतिनिधिमंडल कुलपति से मिलकर चारों शिक्षकों की सेवा बहाल करने की मांग करेगा।

क्षेत्रीय भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति जल्द : मंत्री

जनजातीय भाषा की निःशुल्क शिक्षा दे रहा संताली लेखक व शिक्षक संघ

झारखंड सरकार मातृभाषा में शिक्षा को लेकर गंभीर है और इसके लिए बहुत जल्द दस हजार से अधिक जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। ये बातें शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने गुरुवार को अखिल भारतीय संताली लेखक संघ, झारखंड शाखा एवं अखिल झारखंड संताल शिक्षक संघ के संयुक्त प्रयास से आयोजित 10 दिवसीय समर कैंप के उद्घाटन समारोह में कहीं। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिशा-निर्देश पर हमने शिक्षा व्यवस्था को

संस्था को सम्मानित करते मंत्री रामदास सोरेन लाइन पार करके जाना पड़ रहा है, वैसे विद्यालयों को खोला जाएगा। उन्होंने लेखक संघ एवं शिक्षक संघ के इस प्रयास की सराहना की। पूरे दुरुस्त करने का बीड़ा उठाया है। समाज से आह्वान किया कि इस इसके लिए शिक्षा विभाग की नीतियों तरह का कार्यक्रम समाज बनाए, वे तथा नियमावलियों में संशोधन किया इस तरह के कार्यक्रम के लिए सदा जा रहा है। पहले फेज में बंद पड़े मदद करने के लिए तैयार हैं। समर वैसे विद्यालय, जहां बच्चों को कैंप के लिए 250 से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग, नदियां अथवा रेल विद्यालयों का चयन किया गया है,

• फोटोन न्यूज जिसमें बच्चों को ओलचिकी लिपि, संताली साहित्य एवं संस्कृति की शिक्षा प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा निः शुल्क दी जाएगी। कार्यक्रम के अन्य अतिथियों में साधु रामचांद मुर्मू विश्वविद्यालय झाड्ग्राम के सीनियर लॉ ऑफिसर मंगल सोरेन भी शामिल थे। समारोह को संबोधित करते हए शिक्षा मंत्री कि बच्चों की शिक्षा के लिए समाज को आगे आने

समाज का अहम योगदान रहता है। उन्होंने कहा कि समर कैंप के विशिष्ट अतिथि बैजू मुर्मू ने समाज के लोगों से समाज को वापस देने के लिए कहा. उन्होंने कहा, आप जिस समाज में जन्म लेते हैं, उस समाज के प्रति भी आपका उत्तरदायित्व बनता है। सभी लोगों को समाज की भलाई के लिए काम करना चाहिए। एक व्यक्ति की पहचान में समाज का बहुत बड़ा योगदान रहता है। कार्यक्रम में समर कैंप के लिए चयनित सभी विद्यालय संयोजक एवं शिक्षक, वयोवृद्ध लेखक सोभानाथ बेसरा, साहित्य अकादमी प्रस्कार से सम्मानित भुजंग टुडू, रजनी कांत माण्डी, छोटा भुजंग टुडू, फुदान चन्द्र सोरेन, सालखू मांडी, सुधीर चंद्र मुर्मू आदि



गम्हरिया में बने खूबसूरत पार्क का विहंगम दृश्य

टाटा स्टील ने गम्हरिया में बनाया राख के ढेर पर पार्क

JAMSHEDPUR: जब पूरा विश्व प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास के विषय पर अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मना रहा है, टाटा स्टील ने गम्हरिया में अपनी परिवर्तनकारी 'कैलाश टॉप' पहल के जरिए पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन में एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। पहले 30 एकड़ के वीरान राख के टीले के रूप में पहचाना जाने वाला यह स्थल अब एक समृद्ध जैव विविधता पार्क में बदल चुका है, यह उस दृष्टिकोण का प्रभावशाली उदाहरण है जहां औद्योगिक जिम्मेदारी पर्यावरण संरक्षण के साथ सामंजस्य बैठाकर काम करती है। राख को साइट से बाहर ले जाने की बजाय, टाटा स्टील ने इस कचरे को स्थिर कर उसे हरित क्षेत्र में परिवर्तित किया गया। छह महीनों की अवधि में, कई विभागों की टीमों ने मिलकर इस टीले को जीवन देने का कार्य किया। क्षेत्र और आस-पास के समुदायों को वर्षा जल के बहाव से सुरक्षा देने के लिए एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया जल निकासी और गारलैंड प्रणाली स्थापित की गई। इसके बाद, 3,000 वर्ग फट क्षेत्र में मियावाकी पद्धति के तहत 26 देसी झाड़ियों, घासों और अधस्तरीय पौधों की प्रजातियों का रोपण किया गया।

टाटा स्टील के पूर्व अधिकारी १०१ वर्षीय डॉ. आरएन शर्मा नहीं रहे

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील के पूर्व चेयरमैन डॉ. आरएन शर्मा का 101 वर्ष की उम्र में गुरुवार को निधन हो गया। डॉ. रामनाथ शर्मा जनवरी 1079 से मार्च 1982 तक कोल इंडिया के चेयरमैन रहे थे। गत वर्ष कोल इंडिया ने उनका 100वां जन्मदिन मनाया था। उन्होंने सुबह 5 बजे टेल्को के नीलडीह स्थित आवास पर अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार गरुवार को ही सबह 11 बजे बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट पर किया गया। डॉ. शर्मा ने 1949 में टाटा स्टील से करियर शुरू किया था। टिनप्लेट व टायो रोल्स लिमिटेड सहित कई कंपनियों के एमडी व जीएम रहे थे। टाटा स्टील में अवकाश ग्रहण के बाद भी वे लंबे समय तक कंपनी के सलाहकार के रूप में जुड़े रहे। इसके अलावा, वे विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं से भी



डॉ. आरएन शर्मा की फाइल फोटो

जड़े रहे थे और कैंसर सोसाइटी के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके थे। हाल के वर्षों में, आरएन शर्मा स्वास्थ्य के कारण परेशान थे और टीएमएच (टाटा मेन हॉस्पिटल) में

एक दिन पहले ही उन्हें टीएमएच से टेल्को कॉलोनी स्थित घर लाया गया था। उनके निधन से समाज और उद्योग जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। टाटा स्टील और अन्य संस्थानों में उनके योगदान को हमेशा

मानगो पुल जाम रहने से एंबुलेंस में प्रसव हो जाना चिंताजनक : जेएचआरसी



JAMSHEDPUR : मानगो पुल जाम रहने के कारण एंबुलेंस मे प्रसव होने का मामला बेहद चौंकाने वाला है। यह जमशेदपुर की बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था को दशार्ता है। ये बातें झारखंड मानवाधिकार संगठन जेएचआरसी के प्रमुख मनोज मिश्रा ने जुबिली पार्क में गुरुवार को आयोजित आपात बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि जब से फ़्लाईओवर का निर्माण शुरू हुआ है, तब से जिला प्रशासन ने मानगो की जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया है। पूल के पास से बस स्टैंड हटाने की कार्यवाही भी अबतक अधर में लटकी है। ऐसा लगता है कि प्रशासन एमजीएम अस्पताल मे कॉरिडोर गिरने जैसी दर्दनाक घटना होने का इंतजार कर रहा है। शायद इसके बाद मानगो के जाम पर गंभीरता से कार्यवाही होगी। मनोज मिश्रा ने कहा है कि जेएचआरसी इस मामले मे

विधायक सरयू राय ने डीसी ऑफिस पर दिया धरना, प्रशासन पर बरसे

मानगो में पेयजल परियोजना व शहर की विधि-व्यवस्था पर उठाए सवाल

PHOTON NEWS JSR: मानगो क्षेत्र के जल संकट और शहर में बदहाल कानन-व्यवस्था

को लेकर विधायक सरय राय ने मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन की शुरूआत कर दी। इस आंदोलन में उनके साथ जदयू व भाजपा के कई कार्यकर्ता

शामिल हुए। धरना को संबोधित करते हुए सरयू राय ने कहा कि मानगो पेयजल परियोजना की हालत बद से बदतर हो चुकी है। इसके साथ ही पूरे जमशेदपुर में विधि-व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली में गिरावट स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। शहर में सफाई व्यवस्था और कचरा



डीसी ऑफिस के सामने धरना पर बैठे विधायक सरयू राय व अन्य

है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के लिए परी तरह सरकारी तंत्र जिम्मेदार है, जो अपने दायित्व के प्रति न केवल लापरवाह हैं, बल्कि लगातार उपेक्षा का भाव दिख रहा है। सरयू राय ने बताया कि इन मुद्दों को लेकर कई बार रांची में उच्च अधिकारियों से वार्ता की गई, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं

आया है। धरना स्थल से विधायक ने चेतावनी दी कि यदि आने वाले दिनों में मानगो में पेयजल संकट और शहर की कानून व्यवस्था में सुधार नहीं होता है, तो वे एक बड़े जन आंदोलन की ओर बढ़ेंगे। इस आंदोलन की समस्त जवाबदेही जिला प्रशासन और राज्य सरकार

में आया हिरण, जुटी भीड़

रिपोर्ट तैयार कर रहा है।

GHATSILA: पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला शहर में गुरुवार को दलमा जंगल से एक बडा हिरण आ गया। जानकारी मिलते ही काफी संख्या में लोग हिरण को पकड़ने और देखने जुट गए। लोगों ने देखा कि गली के तीन कुत्ते हिरण को दौड़ा रहा थे। काफी प्रयास के बाद काशिदा गैस गोदाम के समीप झाड़ी में जान बचाकर हिरण छिप गया था। लोगों ने उसे पकड़ लिया और वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम हिरण को क्यूआरटी वाहन में लेकर जमशेदपुर चली गई। पकड़ने के दौरान हिरण के मुंह पर हल्की चोट भी लगी है। वन विभाग की टीम ने बताया कि पश् चिकित्सक से इलाज कराने के बाद इसे जमशेदपुर स्थित टाटा जूलॉजिकल पार्क को दे दिया जाएगा। लोगों का कहना है कि सेंदरा पर्व के समय दलमा जंगल से हिरण जान बचाने के इधर-उधर शहर

की ओर भाग आते हैं।

प्रबंधन भी पूरी तरह चरमरा चुका दलमा से घाटशिला शहर मानगो के सफाई कर्मियों ने की हड़ताल, व्यवस्था चरमराई



मानगो नगर निगम से जुड़े करीब 150 सफाई कर्मचारी ट्यूब डिवीजन-आदित्यपुर मैनेजमेंट कंपनी के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल के चलते पूरे मानगो में कूड़े-कचरे का ढेर लग गया है और भयावह स्थिति उत्पन्न हो गई है। नगर निगम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मचारियों ने बताया कि वे पिछले डेढ़ वर्षों से कंपनी में कार्यरत हैं, लेकिन अब तक उन्हें ज्वाइनिंग लेटर या पहचान पत्र (आई कार्ड) नहीं दिया गया है। कचरा उठाने में इस्तेमाल होने वाले वाहन भी लंबे समय से मेंटेन नहीं किए जा रहे हैं, जिससे काम करना मुश्किल होता जा रहा है।



प्रदर्शन करते सफाईकर्मी

कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें सरकारी दर के अनुसार वेतन भी नहीं मिल रहा है। पिछले दो महीनों से आधे वेतन का भुगतान किया जा रहा है, जिससे उनके समक्ष भुखमरी जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। जब वे अपनी समस्याएं लेकर कंपनी प्रबंधन के पास जाते हैं, तो उन्हें काम से निकाल देने की धमकी दी जाती है। वर्तमान में हड़ताल पर गए 150 से अधिक सफाई कर्मचारियों के कारण मानगो क्षेत्र में कचरा प्रबंधन पूरी तरह चरमरा गया है।

मासूम पंचमी की दर्दभरी कहानी, अस्पताल में भर्ती सात माह की बच्ची की परवरिश पर छाया संकट

पहले सिर से उटा पिता का साया, फिर मां भी चल बसी

सात माह की मासूम पंचमी पैरा आज घाटशिला अनुमंडल अस्पताल के एमटीसी वार्ड में जिंदगी की जंग लड़ रही है। उसका बचपन उस मोड़ पर है,

जहां मां-बाप का साया तो पहले ही उठ चुका है और अब उसके भविष्य पर भी अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। पश्चिम बंगाल के बांदवान थाना अंतर्गत कुचिया गांव निवासी अमित

पैरा ने दो वर्ष पूर्व डुमरिया प्रखंड के माडोतोलिया (तोरियाबेड़ा) निवासी पुजा गोडसराय (16) से प्रेम विवाह किया था। इस विवाह को अमित के परिवार ने कभी स्वीकार नहीं किया। शादी के कुछ समय बाद ही अमित बीमार पड़ा और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पति के निधन के बाद पूजा अपनी मासूम



बच्ची के साथ मायके आकर रहने लगी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजुर था। 13 मई को पूजा की भी बीमारी के चलते मौत हो गई।

पिता के बाद मां की मौत ने बच्ची

पंचमी को पूरी तरह बेसहारा कर दिया। इतना ही नहीं समाज की संवेदनहीनता का आलम यह रहा कि पूजा का शव एक दिन तक घर में पड़ा रहा. क्योंकि गांव वालों ने समाज को भी लेना होगा जिम्मेदार फैसला पंचमी की कहानी उस गहरी

सामाजिक विडंबना को उजागर करती है, जहां प्रेम विवाह को आज भी हेय दृष्टि से देखा जाता है और महिलाओं को उनके अधिकार से वंचित कर दिया जाता है। इस नन्हीं बच्ची के पास अब उम्मीद की किरण सिर्फ समाज, प्रशासन और संवेदनशील लोगों से ही बची है। यदि किसी सामाजिक संगठन, व्यक्ति या प्रशासनिक इकाई से मदद मिलती है, तो मासम पंचमी का जीवन एक नर्ड दिशा ले सकता है। जरूरत है तो सिर्फ एक संवेदनशील सोच और सहयोग की।

विवाह को सामाजिक मान्यता नहीं दी थी। अंततः सामाजिक संगठनों के हस्तक्षेप और सहयोग से पूजा का अंतिम संस्कार तो किसी तरह संपन्न हो गया, लेकिन अब मासूम

छोटी मौसी राखी गोडसराय के भरोसे है। हालांकि, आर्थिक तंगी और पारिवारिक हालात ऐसे नहीं हैं कि बच्ची के पालन- पोषण की जिम्मेदारी आसानी से उठाई जा सके। बच्ची के इलाज के बाद अब सबसे बड़ा सवाल उसके भविष्य को लेकर खड़ा हो गया है। लड़के पक्ष ने पहले ही पूजा और उसकी बेटी को अपनाने से इनकार कर दिया था। ऐसे में यह मामला न केवल पारिवारिक, सामाजिक और प्रशासनिक संवेदनशीलता का भी है। बच्ची के स्वास्थ्य और भविष्य को लेकर अब समाज और प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है कि वह आगे आकर सहायता करे, ताकि पंचमी को एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन

पंचमी अपने ननिहाल में नानी और

पोषक तत्वों से भरपूर भिंडी, गर्मी के लिए है बेस्ट



हरी और लंबी-लंबी सब्जी जिसे लेडीज फिंगर या भिंडी और कई जगह ओकरा भी कहते हैं न केवल स्वाद में बेहतरीन बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होती है। भिंडी में पर्याप्त मात्रा में फाइबर के साथ विटामिन ए, सी के साथ पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज तत्व के साथ एंटीऑक्सिडेंट भी पाए जाते हैं। सुपाच्य और ठंडी तासीर की वजह से यह गर्मी के मौसम के लिए बेहतरीन सब्जियों की लिस्ट में शामिल है। गर्मियों में भिंडी बाजार में आसानी से मिल जाती है. इसलिए इस सीजन में लोग भिंडी का सेवन करते हैं।यह स्वादिष्ट होने के साथ ही सुपाच्य भी होती है। स्वाद से भरपूर भिंडी खाने से कई फायदे भी मिलते हैं।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन (2021) में इसकी महत्ता बताई गई है। स्टडी के अनुसार, ओकरा की उत्पत्ति इथियोपिया के पास हुई थी, जहां 12वीं शताब्दी के दौरान मिस्र में इसे उगाया जाता था और उसके बाद पुरे मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में इसकी खेती होने लगी। ओकरा को ज्यादातर उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगाया जाता है और यह एक लोकप्रिय फसल है। यह व्यापक रूप से उगाई जाने वाली खाद्य फसल है और विश्व स्तर पर अपने स्वाद के लिए जानी जाती है। भिंडी की हरी फली की आमतौर पर सब्जी बनाई जाती है, जबिक फली का अर्क सूप के साथ-साथ सॉस के कई व्यंजनों में उनकी चिपचिपाहट बढ़ाने के लिए या फिर गाढ़ा करने वाले एजेंट के रूप में भी काम करता है। भिंडी के फल का एक और उल्लेखनीय प्रयोग अचार उद्योग में किया जाता है।

भिंडी के सेवन से पाचनतंत्र मजबूत होता है और यह कई समस्याओं को दूर करने के साथ सेहत भी दुरुस्त रहती है। इसमें विटामिन सी, मैग्नीशियम के साथ ही कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। सोडियम, फास्फोरस, कैल्शियम, आयरन, जिंक जैसे पोषक तत्वों से भरपूर भिंडी की तासीर ठंडी होती है। भिंडी में प्रोटीन, विटामिन, मैग्नीशियम, फाइबर के साथ ही एंटीऑक्सिडेंट समेत अन्य पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। इसे आप किसी भी समय खा सकते हैं।भिंडी का पानी पीने से यह आपके पेट को ठंडा रखता है।

भिंडी में फाइबर भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यह पाचनतंत्र को मजबूत करने के साथ पेट से जुड़ी तमाम समस्याओं को भी दूर करती है। कब्ज, वात, कच्ची डकार में राहत मिलती है। पेट के साथ ही भिंडी हृदय के लिए भी फायदेमंद है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल की समस्या दूर होने के साथ ही हार्ट की सेहत दुरुस्त रहती है। यदि आपको मधुमेह की शिकायत है, तो भिंडी का सेवन जरूर करें।इसमें ग्लाइसेमिक नाम का तत्व पाया जाता है, जिसके सेवन से मधुमेह नियंत्रित होता है। भिंडी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है।



योगभारतकी अमूल्य धरोहर, आधुनिक जीवन का आधार

भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर योग आज विश्व स्तर पर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का पर्याय बन चुका है। संस्कृत शब्द युज से उत्पन्न योग का अर्थ है जोड़ना, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। महर्षि पतंजलि के योगसूत्र में इसे चित्त की वृत्तियों का निरोध कहा गया है, जिसका अर्थ होता है, मन को नियंत्रित कर शांति और आत्म–साक्षात्कार की

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि एक समग्र जीवनशैली है, जो तनाव, बीमारियों और आधुनिक जीवन की चुनौतियों से निपटने में सहायक है। प्राचीन काल में ऋषि–मुनियों द्वारा विकसित यह विद्या आज वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और कल्याण का प्रतीक बन चुकी है । विशेषज्ञों का मानना है कि योग न केवल शारीरिक लचीलापन और ताकत बढ़ाता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।योग के विभिन्न रूप, जैसे हठ योग, राज योग, भक्ति योग, और कर्म योग, अलग–अलग जरूरतों को पूरा करते हैं।

हठ योग, शारीरिक मुद्राओं (आसन) और प्राणायाम (श्वास नियंत्रण) पर केंद्रित है, जो शरीर को लचीला, मजबूत और स्वस्थ बनाता है। हठ शब्द ह (सूर्य) और ठ (चंद्र) से मिलकर बना है, जो शरीर की ऊर्जा को संतुलित करने का प्रतीक है। यह योग का वह रूप है, जो आधुनिक जीवनशैली में स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के लिए सबसे लोकप्रिय है। यह आसन, प्राणायाम, मुद्राओं का समन्वय है, जो शरीर और मन को शुद्ध करता है। सूर्य नमस्कार, भूजंगासन, और ताड़ासन जैसे आसन शारीरिक लचीलापन और मांसपेशियों की ताकत बढ़ाते हैं, जबिक अनुलोम-विलोम और कपालभाति जैसे प्राणायाम श्वसन तंत्र को मजबूत

राज योग ध्यान और मानसिक अनुशासन पर जोर देता है। राज अर्थात् श्रेष्ठ योग, मन को नियंत्रित कर आत्म-साक्षात्कार और आंतरिक शांति का मार्ग प्रशस्त करता है। महर्षि पतंजलि के योगसूत्र में वर्णित अष्टांग योग राज योग का आधार है, जो यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि के माध्यम से मन की चंचलता को शांत करता है।

राज योग का लक्ष्य चित्त की वृत्तियों को नियंत्रित करना है, जैसा कि पतंजलि ने कहा,

योगश्चितवृत्तिनिरोधः। यह शारीरिक व्यायाम से अधिक मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास पर केंद्रित है। ध्यान, आत्म–निरीक्षण और एकाग्रता के माध्यम से यह व्यक्ति को तनाव, चिंता और नकारात्मक विचारों से मुक्ति दिलाता है। राज योग को आत्मा का विज्ञान भी कहा जाता है, जो व्यक्ति को अपनी आंतरिक शक्ति और उच्च चेतना से जोडता है।

विशेषज्ञ राज योग को आधुनिक जीवन की चुनौतियों का समाधान मानते हैं। स्वामी विवेकानंद ने राज योग को मन की शक्ति को जागृत करने की कला बताया है।

भक्ति योग प्रेम, समर्पण और श्रद्धा के माध्यम से परमात्मा से जुड़ने का मार्ग है। भगवद्गीता में भक्ति योग को ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में वर्णित किया गया है, जो मन को शुद्ध करता है और व्यक्ति को आंतरिक शांति व आनंद प्रदान करता है। यह योग भावनात्मक और आध्यात्मिक अनुशासन पर केंद्रित है, जो प्रेम और भक्ति को जीवन का आधार बनाता है।

भक्ति योग का मूल तत्व है ईश्वर, गुरु या उच्च शक्ति के प्रति श्रद्धा और निस्वार्थ प्रेम। यह भजन, कीर्तन, प्रार्थना, पूजा और सेवा जैसे अभ्यासों के माध्यम से व्यक्त होता है।नारद भक्ति सुत्र में भक्ति को परम प्रेम कहा गया है, जो व्यक्ति को अहंकार और सांसारिक मोह से मुक्त करता है। भक्ति योग नौ प्रकार के भक्ति मार्गी श्रवण, कीर्तन, स्मरण, पादसेवन, अर्चन, वंदन, दास्य, सख्य और आत्मनिवेदन के माध्यम से आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर के अनुसार, भक्ति योग प्रेम और समर्पण की वह शक्ति है, जो मन को शांत और हृदय को करुणा से भर देती है।

कर्म योग निस्वार्थ कर्म और कर्तव्य पर केंद्रित है।भगवद्गीता में श्रीकृष्ण द्वारा अर्जून को दिया गया कर्म योग का उपदेश, कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन (तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, उसके फलों में कभी नहीं) इसके मूल सिद्धांत को रेखांकित करता है। कर्म योग व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निर्वहन बिना फल की इच्छा के करने की प्रेरणा देता है, जो मन को शुद्ध और जीवन को सार्थक बनाता है। कर्म योग का आधार है कार्य को पूजा मानकर करना। यह न तो कर्म से भागने की सलाह देता है और न ही फल की लालसा में डूबने की। यह व्यक्ति को अपने कार्यों को समाज, प्रकृति और ईश्वर की सेवा के रूप में देखने के लिए प्रेरित करता है। स्वामी विवेकानंद ने कर्म योग को निस्वार्थ कार्य के माध्यम से आत्मा की मुक्ति बताया है।



नीम की पत्ती ही नहीं, फूल भी है औषधीय गुणों का खजाना

हीटवेव हो या अपच, मिलती है चुटकियों में राहत

कड़वी लेकिन अनगिनत फायदों वाली नीम की पत्तियों को तो आपने खूब चबाया होगा, लेकिन क्या कभी उसका फूल खाया है? गर्मी के दिन में तपती दुपहरिया में घर से निकलना हो तो दादी-नानी छोटे-छोटे खूबसूरत और सौंधी खुशबू वाले फूल, उससे बना शर्बत हो या भूजिया जरूर खिलाती थीं। वजह उसके पोषक तत्व थे। ये न केवल हीटवेव से बचाने में सक्षम हैं बल्कि गर्मी के दिनों के लिए बेहद फायदेमंद हैं।

टेलर एंड फ्रांसिस में प्रकाशित एक शोध पत्र (जून 2024) में नीम के फूलों की खासियत बताई गई है। अध्ययन नीम के फूलों के औषधीय गुणों की खोज करता है, अन्य पौधों के भागों की तुलना में उनके कम हानिकारक और अधिक लाभदायक होने की क्षमता पर प्रकाश डालता है। क्लोरोफॉर्म, एथिल एसीटेट, इथेनॉल और मेथनॉल सहित उनकी पोलेरिटी के आधार पर सॉल्वैंट्स का उपयोग करके फाइटोकेमिकल्स निकाले गए। मधुमेह विरोधी और कैंसर विरोधी गुणों का पता लगाने के लिए इन चार अर्कों का विश्लेषण किया गया । इनमें इथेनॉलिक अर्क

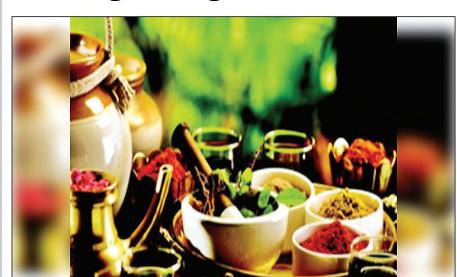


मधुमेह और कैंसर कोशिकाओं से लड़ने में सबसे प्रभावी पाया गया।

भारत के लगभग हर घर में बचपन से लोग बड़े बुजुर्गों को इसके गुणों का बखान करते सुनते आए हैं।नीम की पत्तियों और टहनी की तरह फूल को भी आयुर्वेद में बेहद कारगर औषधि का दर्जा प्राप्त है। नीम के छोटे – छोटे फूलों में बड़ी – बड़ी समस्याओं को दूर करने की ताकत है। गर्मी के दिनों में नीम का फूल इंसानों के लिए प्रकृति का तोहफा है। रोजाना इसके सेवन करने से खुन साफ होता है, चेहरे पर ग्लो आता है और दाग–धब्बे, मुंहासों के साथ इंफेक्शन से भी मुक्ति मिलती है। इसमें मौजूद एंटी फंगल गुण, एंटीइंफ्लेमेटरी गुण और एंटी बैक्टीरियल गुण शरीर के लिए बहुत उपयोगी हैं। नीम के फूलों से बनी शरबत हो या भुजिया, सेहत के लिए दोनों ही फायदेमंद हैं। उत्तर भारत में नीम के फूल को सरसों के तेल और जीरे की छींक के साथ भुजिया के तौर पर बनाया जाता है, तो वहीं दक्षिण भारत में कई तरह के व्यंजनों को बनाने में इसका इस्तेमाल किया जाता है। नीम के फूल का शरबत पेट को बेहतर और पाचन तंत्र को बेहतर करने, खून साफ करने के साथ मधुमेह के लिए भी बहुत उपयोगी है। इसमें मौजूद गुण पेट को साफ और पाचन तंत्र को हेल्दी रखते हैं। अपच, वात, कब्ज समेत अन्य समस्याओं में भी यह बहुत उपयोगी है।

इसके सेवन से पेट में मौजूद कीड़े भी खत्म हो जाते हैं। फूलों में मौजूद एंटी फंगल, एंटी बैक्टीरियल और एंटी सेप्टिक गुण पाए जाते हैं। स्किन से जुड़ी समस्याओं में भी फायदा मिलता है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ ही भूख भी बढ़ाता है। गर्मी के मौसम में चिलचिलाती धूप और बढ़ते तापमान के कारण सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याएं पैदा हो जाती हैं।ऐसे में नीम के फूलों का शरबत पीना शरीर के लिए लाभदायी है।

प्रियंगु : आयुर्वेद का चमत्कार, पेट से त्वचा तक हर रोग से लड़ने में मददगार



आयूर्वेद में अनेक वनस्पतियां अपने औषधीय गुणों के कारण जानी जाती हैं। इनमें प्रियंगु का नाम भी प्रमुखता से लिया जाता है, इसे हिन्दी में बिरमोली या धियया कहा जाता है और यह पौष्टिक गुणों से भरपूर होता है। प्रियंगु में मौजूद औषधीय गुणों के कारण इसे विशेष रूप से पेट और त्वचा संबंधी

समस्याओं के इलाज में उपयोग किया जाता है।

प्रियंगु का उल्लेख आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों जैसे चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, भावप्रकाश, धन्वंतरी निघण्टु आदि में देखने को मिलता है। इन ग्रंथों में प्रियंगु को विभिन्न कल्पों जैसे पेस्ट, काढ़ा, तेल, घी और आसव के रूप में प्रयोग किया गया है। वाग्भड़ और सुश्रुत के ग्रंथों में भी इसे कई रोगों के उपचार में शामिल किया गया है। प्रियंगू पौधा भारत के अधिकांश क्षेत्रों, विशेषकर लगभग 1800 मीटर की ऊंचाई तक के पर्वतीय इलाकों में पाया जाता है। यह बहुउपयोगी वनस्पति न केवल परंपरागत चिकित्सा में स्थान रखती है बल्कि आधुनिक विज्ञान भी इसके औषधीय गुणों की पुष्टि कर रहा है।

वर्तमान में प्रियंगु की चर्चा तीन प्रमुख वनस्पतियों– कैलिकार्पा मैक्रोफिला वाहल, एग्लैया रॉक्सबर्गियाना मिक और प्रूनस महालेब लिन के रूप में की जाती है। इसका वैज्ञानिक नाम कैलिकारपा मैक्रोफिला वाहल है। अंग्रेज़ी में इसे सुगंधित चेरी या ब्यूटी बेरी कहा जाता है। भारत की विभिन्न भाषाओं में इसे अलग–अलग नामों से जाना जाता है । संस्कृत में इसे वनिता, प्रियंगु, लता, शुभा, सुमङ्गा के नाम से जाना जाता है। हिन्दीं में बिरमोली, धर्यियां के नाम से, बंगाली में मथारा के नाम से, मराठी में गहुला के नाम से, तमिल में नललु के नाम से, मलयालम में चिमपोपिल के नाम से, गुजराती में घंऊला के नाम से और नेपाली में इसे दयालो के नाम से जाना जाता है । प्रियंगु का स्वाद तीखा, कड़वा और मधुर होता

है।यह स्वभाव से शीतल, लघु और रूखा होता है और वात-पित्त दोषों को संतुलित करने वाला होता है।यह त्वचा की रंगत निखारने, घाव को भरने, उल्टी, जलन, पित्तजन्य बुखार, रक्तदोष, रक्तातिसार, खुजली, मुंहासे, विष और प्यास जैसी समस्याओं में लाभकारी होता है। इसके बीज और जड़ आमाशय की क्रियाविधि को उत्तेजित करने में मदद करते हैं और मूत्र संबंधी विकारों में उपयोगी सिद्ध होते हैं।

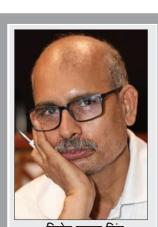
दांतों की बीमारियों के इलाज में भी प्रियंगु का उपयोग अत्यंत लाभकारी है। प्रियंगु, त्रिफला और नागरमोथा को मिलाकर तैयार किए गए चूर्ण को दांतों पर रगड़ने से शीताद (मसूड़ों से जुड़ा रोग) में राहत मिलती है। खान-पान में असंतुलन के कारण होने वाले रक्तातिसार और पित्तातिसार में शल्लकी, तिनिश, सेमल, प्लक्ष छाल तथा प्रियंगु के चूर्ण को मधु और दूध के साथ सेवन करने से लाभ होता है। इसके अलावा प्रियंगु के फूल और फल का चूर्ण अजीर्ण, दस्त, पेट दर्द और पेचिश में भी कारगर होता है।

यूटीआई की दिक्कतों का सामना कर रहे लोगों को प्रियंगु के पत्तों को पानी में भिगोकर उसका अर्क पीने से लाभ मिलता है। कठिन प्रसव को भी प्रियंगु आसान बना देता है । प्रियंगु की जड़ का पेस्ट नाभि के नीचे लगाने से प्रसव में कॉम्पलिकेशन कम होती है। आमवात या गठिया में इसके पत्ते, छाल, फूल और फल का लेप दर्द से राहत दिलाता है। प्रियंगु कुष्ठ रोग और हर्पिज जैसे चर्म रोगों में भी लाभकारी है।

इसके अलावा, कान और नाक से रक्तस्राव होने की स्थिति में लाल कमल, नील कमल का केसर, पृश्निपर्णी और फूलप्रियंगु से तैयार किए गए जल का सेवन लाभकारी होता है। प्रियंगु, सौवीराञ्जन और नागरमोथा के चूर्ण को मधु के साथ मिलाकर बच्चों को देने से उल्टी, पिपासा और अतिसार में लाभ होता है। यह विषनाशक गुणों से युक्त होता है, इसलिए कीटदंश या विषाक्तता के प्रभाव को कम करने में भी प्रियंगु अत्यंत उपयोगी है।

आयुर्वेद के अनुसार प्रियंगु के पत्ते, फूल, फल और जड़ सबसे अधिक औषधीय गुणों से युक्त होते हैं। किसी भी रोग की स्थिति में इसका प्रयोग करने से पूर्व आयूर्वेदिक चिकित्सक की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। सामान्यतः चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार इसका 1–2 ग्राम चूर्ण सेवन किया जा

प्रधानमंत्री मोदी ने 103 रेलवे स्टेशनों व 26 हजार करोड़ के विकास कार्यों का शुभारभ



विनोद कुमार सिंह

अमृत भारत योजना केवल इमारतों की मरम्मत नहीं है, बल्कि यह पूरे यात्रा अनुभव को बदलने का एक प्रयास है।इस बदलाव से स्थानीय व्यवसाय, पर्यटन, रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

जा व महाराजाओं की ऐतिहासिक नगरी राजस्थान। जिसकी गौरवशाली इतिहास से हम व आप भली भाँति परिचित है। उसी राजस्थान के ऐतिहासिक शहर बीकानेर शहर में एक सार्वजनिक समारोह में वर्चुअल माध्यम से देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया।ये स्टेशन 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत आधुनिक रूप से पुनर्निर्मित किए गए हैं। जिनमें तेलंगाना में बेगमपेट रेलवे स्टेशन काकतीय साम्राज्य की वास्तकला से प्रेरित है। बिहार में थावे स्टेशन में 52 शक्तिपीठों में से एक माँ थावेवाली का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न भित्ति चित्र और कलाकृतियां शामिल हैं और यहां मधुबनी पेंटिंग को दशार्या गया है। गुजरात में डाकोर स्टेशन रणछोड़राय जी महाराज से प्रेरित है।

सर्वविदित रहे कि इस योजना का उद्देश्य भारतीय रेलवे के आधारभूत ढांचे को वैश्विक मानकों के अनुकूल व अनुरूप बना कर यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सर्व विदित रहे कि ये 103 स्टेशनों को लगभग 1100 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है।जो देश के 86 जिलों में फैले हुए हैं,जिनमें आंध्रप्रदेश,असम, बिहार,छत्तीसगढ़, गुजरात,हरियाणा हिमाचल प्रदेश,झारखंड, कर्नाटक, केरल,मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र,पुडुचेरी, राजस्थान,तिमलनाडु,तेलंगाना,उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं। ये स्टेशन न सिर्फ यात्री सुविधाओं के लिहाज से उन्नत किए गए हैं,बल्कि उनमें क्षेत्रीय संस्कृति, स्थानीय वास्तुकला और पर्यावरणीय मानकों का विशेष ध्यान रखा गया है। राजस्थान के बीकानेर ज़िले के देशनोक से एक विशाल जनसभा को संबोधित करते मोदी ने कहा कि यह कार्यक्रम आधुनिक भारत की आकांक्षाओं को पुरा करने की दिशा में एक बडा कदम है रिलवे स्टेशन किसी भी शहर के पहले प्रभाव का हिस्सा होते हैं और यह जरूरी है कि वे नए भारत की पहचान बने। अमृत भारत योजना केवल इमारतों की मरम्मत नहीं है, बल्कि यह पूरे यात्रा अनुभव को बदलने का एक प्रयास है स्थानीय व्यवसाय,पर्यटन,रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।भारत अब तेज गति से इंफ्रास्ट्रक्कर के क्षेत्र में काम कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में छह गुना अधिक राशि इंफ्रास्ट्रक्वर परियोजनाओं पर खर्च की गई है। आज रेलवे में वंदे भारत,अमत भारत और नमो भारत जैसी



आधुनिक ट्रेनें देश की नई रफ्तार और प्रगति का प्रतीक बन चुकी हैं। ब्रॉड गेज ट्रैक पर बिना फाटक वाली क्रॉसिंग अब इतिहास बन चुकी हैं और अब पूरा रेल नेटवर्क सुरक्षित, तेज और आधुनिक हो रहा है। इन स्टेशनों के डिजाइन में साफ-सफाई, दिव्यांगजनों के लिए सुविधा, पर्यावरणीय सुरक्षा,सौर ऊर्जा,जल संरक्षण और ग्रीन बिल्डिंग जैसे आयामों को भी जोडा गया है।हर स्टेशन की पहचान वहां की संस्कृति और परंपरा से जोड़कर बनाई गई है।इससे न केवल यात्रियों को एक नया अनुभव मिलेगा,बल्कि रेलवे देश की सांस्कृतिक विविधता का भी प्रतीक बनकर उभरेगा।भारत आज आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और रेलवे के आधुनिकीकरण में भी यह आत्म निर्भरता झलक रही है। अमृत भारत स्टेशन योजना न केवल एक निर्माण योजना है,बल्कि यह भारत की नई सोच और दुरदृष्टि का प्रतीक भी है।भारतीय रेलवे के इस कायाकल्प से आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक और सामाजिक गति को नई ऊंचाई मिलेगी। विगत11 वर्षों में सड़कों, हवाई अड्डों, रेलवे और रेलवे स्टेशनों में हुई तीव्र प्रगति की चर्चा की। उन्होंने परियोजनाओं की चर्चा करते हए उत्तर में उल्लेखनीय चिनाब ब्रिज, अरुणाचल प्रदेश में सेला सरंग और पर्व में असम में बोगीबील ब्रिज का पश्चिमी भारत में,मुंबई में अटल सेतु दक्षिण में,भारत के अपनी तरह के पहले पंबन ब्रिज की चर्चा की रेलवे नेटवर्क को आधुनिक बनाने के भारत के निरंतर प्रयासों पर बल देते हुए देश की नई गति और प्रगति के प्रतीक के रूप में वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रेलों के शुरूआत का उल्लेख किया।उन्होंने कहा कि अब लगभग 70 मार्गी पर वंदे भारत रेल चल रही हैं और इनसे दूरदराज के क्षेत्रों में आधुनिक रेल संपर्क स्थापित हो रहा हैं।आज सैकड़ों सडक ओवरब्रिज और अंडरब्रिज के निर्माण के साथ ही 34,000 किलोमीटर से अधिक नई रेलवे पटरियां बिछाना शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रॉड गेज लाइनों पर

मानव रहित लेवल क्रॉसिंग को समाप्त कर दिया गया है,जिससे सुरक्षा में वृद्धि हुई है। कार्गो परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए समर्पित माल गलियारों के तेजी से विकास और भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के वर्तमान में जारी निर्माण का भी उल्लेख किया। इन प्रयासों के साथ-साथ,यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकी करण किया जा रहा है। इन रेलवे स्टेशनों का नाम अमृत भारत स्टेशन रखा गया है और ऐसे 100 से अधिक स्टेशनों का निर्माण पूरा हो चुका है। स्थानीय कला और इतिहास के प्रदर्शन के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने राजस्थान के मंडलगढ़ स्टेशन सिहत महत्वपूर्ण उदाहरणों पर चर्चा की जो राजपूत परंपराओं की भेव्यता को दशार्ता के साथ-साथ बिहार का थावे स्टेशन,मधुबनी कलाकृति के साथ माँ थावेवाली की पवित्र उपस्थिति को दशार्ता है।मध्य प्रदेश का ओरछा रेलवे स्टेशन भगवान राम के दिव्य सार को दशार्ता है.जबिक श्रीरंगम स्टेशन का डिजाइन श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर से प्रेरणा लेता है गुजरात का डाकोर स्टेशन रणछोड़राय जी को श्रद्धांजिल देता है,तिरुवन्नामलाई स्टेशन द्रविड् वास्तुकला सिद्धांतों का पालन करता है और बेगमपेट स्टेशन कार्कतीय राजवंश की वास्तुकला विरासत का प्रतीक है।ये अमृत भारत स्टेशन न केवल भारत की हजारों वर्ष पुरानी विरासत को संरक्षित करते हैं,बल्कि राज्यों में पर्यटन विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य करते हैं,जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों का सृजन होता है।उन्होंने लोगों से स्टेशनों की स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया हिजारों करोड़ रुपये सीधे तौर पर श्रमिकों,दुकानदारों, कारखाने के कर्मचारियों और ट्रक एवं टेम्पो ऑपरेटरों जैसे परिवहन क्षेत्रों से जुड़े लोगों को लाभ पहुंचा रहे हैं।अच्छी तरह से विकसित संडकें और विस्तारित रेलवे नेटवर्क नए उद्योगों को आकर्षित करते हैं और पर्यटन को काफी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे पर खर्च से अंततः हर घर को लाभ होता है, जिसमें युवा लोग उभरते आर्थिक अवसरों से सबसे अधिक लाभान्वित होते हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज इसी क्रम मे चुरू- सादुलपुर रेल लाइन(58 किमी) की आधारशि स्वास्थ्य सेवाओं और पानी की उपलब्धता को बढाने के लिए परे राजस्थान में 25 महत्वपर्ण राज्य सरकार की परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया

संपादकीय

आतंकवाद के खिलाफ

पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर बेनकाब करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा गठित सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का पहला समृह बुधवार को विदेश दौरे पर रवाना हो गया। पहलगाम हमले और भारत-पास्तिान सैनिक संघर्ष के बाद विदेशों में प्रतिनिधिमंडल भेजने की कार्रवाई को कूटनीतिक या राजनियक पहल के रूप में रेखांकित किया जा सकता है। वास्तव में इसका उद्देश्य विश्व समुदाय को भारत की स्थिति से परिचित कराना, पाकिस्तान की प्रायोजित आतंकवाद की काली करतूत बताना और विश्व जनमत को अपने पक्ष में करना है। भारत इस पहल के जरिए आतंकवाद के मसले पर पूरी दुनिया को एकजुट करना चाहता है। इस



तरह के राजनियक प्रयासों से पाकिस्तान पर वैश्विक दबाव बनाकर सीमा पार आतंकवाद को नियंत्रित किया जा सकता है। वैश्विक आतंकवाद ऐसी समस्या है जिसके विरुद्ध को एक देश लड़ाई नहीं लड़ सकता। लोगों को याद रखना चाहिए कि 11 सितम्बर, 2001 को जब अमेरिका के विल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकवादी हमला हुआ था तब राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध की

घोषणा की थी। अमेरिका ने अलकायदा और ओसामा बिन लादेन को खत्म करने के लिए अफगानिस्तान पर हमला करके उसे तबाह कर दिया था। लेकिन क्षोभ इस बात होता है कि अमेरिका और पश्चिमी देश आतंकवाद के मुद्दे पर अलग-अलग नजरिया रखते हैं, जो उनके अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों से प्रेरित हैं। जब अमेरिका और पश्चिमी देशों पर आतंकवादी हमले होते हैं तो उन्हें खत्म करने के लिए वे किसी भी सीमा तक चले जाते हैं, लेकिन जब गैर-पश्चिमी देशें पर आतंकवाद का कहर फटता है तो खामोश हो जाते हैं। भारत तो दशकों से सीमा पार आतंकवाद से पीड़ित है। अनेकों बार भारत ने पाकिस्तान के आतंकवाद में संलिप्त होने का पुख्ता प्रमाण भी दिया है, लेकिन विश्व समुदाय कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर सका है। पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का केंद्र है। पूरी दुनिया जानती है। इसके बावजूद अमेरिका उसे आर्थिक मदद और व्यापारिक रिश्ते बनाए रखता है। याद रखना चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में विश्व समुदाय का सहयोग बहुत महत्त्व रखता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के विदेश दौरे से अमेरिका और पश्चिमी देश आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में एकजुटता दिखाएंगे।

चिंतन-मनन

संकल्प और साहस

खेल की कक्षा शुरू हुई तो एक दुबली-पतली अपंग लड़की किसी तरह अपनी जगह से उठी। वह खेलों के प्रति जिज्ञासा प्रकट करते हुए शिक्षक से ओलिंपिक रेकॉर्ड्स के बारे में सवाल पूछने लगी। इस पर सभी छात्र हंस पड़े। शिक्षक ने भी व्यंग्य किया- तुम खेलों के बारे में जानकर क्या करोगी। अपने ऊपर कभी नजर डाली है? तुम तो ठीक से खड़ी भी नहीं हो सकती, फिर ओलिंपिक से तुम्हें क्या मतलब है? तुम्हें कौन सा खेलना है जो यह सब जानोगी। चुपचाप बैठकर सुनो।

रुआंसी लड़की कुछ कह न सकी। सारी क्लास उस पर हंसती रही। अगले दिन जब खेल पीरियड में उसे बाकी बच्चों से अलग बिठाया गया तो उसने कुछ सोचकर बैसाखियां संभालीं और दृढ़ निश्चय के साथ बोली-सर याद रखिएगा। अगर लगन सच्ची हो और इरादे बुलंद हों तो सब कुछ संभव है। आप देखना एक दिन यही लड़की हवा से बातें करके दिखाएगी। उसकी इस बात से भी ठहाका गूंज उठा। सबने इसे मजाक के रूप में लिया। लेकिन वह लड़की तेज चलने के अभ्यास में जुट गई। वह अच्छी और पौष्टिक खुराक लेने लगी, फिर वह कुछ दिनों में दौड़ने भी लगी। कुछ दिनों के बाद उसने छोटी-मोटी दौड़ में भाग लेना भी शुरू कर दिया। उसे दौड़ते देख लोग दांतों तले उंगली दबा लेते थे। फिर कई लोग उसकी मदद को आगे आए। सबने उसका उत्साह बढाया। उसके हौसले बुलंद होने लगे। फिर उसने 1960 के ओलिंपिक में हिस्सा लिया और तीन स्वर्ण पदक जीतकर सबको हतप्रभ कर दिया। ओलिंपिक में इतिहास रचने वाली वह थी अमेरिकी धाविका विल्मा रुडोल्फ।

चिंतनः ईमानदारी कराह रही है, अच्छाई बिलख रही है



मानदारी कराह रही है। अच्छाई बिलख रही है, भाईचारा, सहयोग,मदद एक अंधेरे कमरे में सिमट गये हैं। आत्मा सिसक रही है। वर्तमान में अच्छे व संस्कारवान मनष्य की कोई गिनती

चोर उच्चकों ,गुंडे ,मवालिओं का आदर सत्कार किया जाता है यह समाज के घातक है 'आज हंस भीड में खोते जा रहे हैं,कौओं को मंच मिल रहा है। हजारों कंस पैदा हो रहे हैं एक कृष्ण कुछ नहीं कर सकता। आज कतरे भी ख़ुद को दरिया समझने लगे है लेकिन

बनता जा रहा है। संवेदनाएं दम तोड रही हैं ईश्वर की चक्की जब चलती है तो वह पाप व पापी को पीस कर रख देती है 'इन्सानियत व मानवता सबसे बडा धर्म है। कहते हैं दुनिया में कोई ऐसी शक्ति नहीं है जो इनसान को गिरा सके ,इनसान ,इनसान द्वारा ही गिराया जाता है। दुनिया में ऐसा नहीं है कि सभी लोग बुरे हैं ,इस जगत में अच्छे-बुरे लोगों का संतुलन है। आज संस्कारों का चीरहरण हो रहा है ,खूनी रिश्ते खून बहा रहे हैं। मानवीय त्रासदी को रोकना होगा ' इंसानियत अपनाओ अमर हो जाओगे हैवानियत छोड़ दो इंसान बनो हैवान मत बनो ' इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है बेशक ईश्वर ने संसार में करोडों जीव जन्तु बनाए ,लेकिन इनसान सबसे अहम कृति बनाई। लेकिन ईश्वर की यह कृति पथभ्रष्ट हो रही है। आज सड़को पर आदमी तडफ-तडफ कर मर रहा है। इनसान पश् से भी बदतर होता जा रहा है। क्योंकि यदि पशु को एक जगह खूंटे से बांध दिया जाए,तो वह अपने आप को उसी अवस्था में ढाल लेता है। जबकि मानव परिस्थितियों के मुताबिक गिरगिट की तरह रंग बदलता है।आज पैसे का बोलबाला है। मानव आज लापरवाही समुद्र का अपना आस्तित्व है। मानव आज दानव से जंगलों में आग लगा रहा है उस आग में हजारों

जीव-जन्तु जलकर राख हो रहे हैं। जंगली जानवर शहरों की ओर भाग रहे हैं ,जबिक सिदयां गवाह है कि शहरों व आबादी वाले इलाकों में कभी नहीं आते थे .मगर जब मानव ने जानवरों का भोजन खत्म कर

जीव-जन्तओं को काट खाया तो जंगली जानवर भूख मिटाने के लिए आबादी का ही रूख करेंगें। नरभक्षी बनेगें। आज संवेदनशीलता खत्म होती जा रही है। आज मानव मशीन बन गया है निजी स्वार्थी के आगे अंधा हो.चुका है।अपने ऐशो आराम में मस्त है।दुनिया से कोई लेना देना नहीं है। संस्कारों का जनाजा निकाला जा रहा है। मयार्दाएं भंग हो रही हैं। मानव सेवा परम धर्म है। आज लोग भूखे प्यासे मर रहे हैं। दो जून की रोटी के लिए तरस रहे हैं। भूखमरी इतनी है कि शहरों में आदमी व कृते लोगों की फैंकी हुई जठन तक एक साथ खाते हैं।आज मानव भगवान को न मानकर मानव निर्मित तथाकथित भगवानों को मान रहा है। आज मानव इतना गिर चुका है कि रिश्ते नाते भूल चुका है। रिश्तों में संक्रमण बढता जा रहा है। मानव धरती के लिए खून कर रहा है। कई पीढियां गुजर गई मगर आज तक न तो धरती किसी के साथ

गई न जाएगी। फिर यह नफरत व दंगा फसाद क्यों हो रहा है। मानव ,मानव से भेदभाव रि रहा है। उंच-नीच का तांडव हो रहा है। खुन का रंग एक है फिर भी यह भेदभाव क्यों। यह बहुत गहरी खाई है इसे पाटना सबसे बडा धर्म है। आज लोग बिलासिता पर हजारों -लाखों रुपए पानी की तरह बहा देते हैं ,मगर किसी भूखे को एक रोटी नहीं खिला सकते। शराब पर पैसा उडा रहे हैं। अनैतिक कार्यों से पैसा कमा रहे हैं। पैसा पीर हो गया है। भूखें को यदि रोटी दे दी जाए तो भूखें की आत्मा की तृप्ति देखकर जो आनन्द प्राप्त होगा वह सच्चा सुख है। आज प्रकृति से छेडछाड हो रही है। प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता। प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती .प्रत्येक मानव को बराबर धुप व हवा दे रही है। मानव कृतध्न बनता जा रहा है। मंदिरों में दष्कर्म हो रहे है। आज मानव स्वार्थ की पट्टी के कारण अंधा होता जा रहा है। गाय पर अत्याचार हो रहा है। मानवीय मूल्यों का पतन होता जा रहा है। नफरत को छोड देना चाहिए। प्रत्येक मनुष्य की सहायता करनी चाहिए। भगवान के पास हर चीज का लेखा -जोखा है।

कोरोना वायरस के प्रकोप की भारत सहित विश्व में फिर से आहट



श्विक स्तरपर दुनियाँ का हर देश अभी तक कोरोना वायरस (कोविड-19) की महामारी को भूल नहीं पाए है, या यूं कहें कि संभल नहीं पाए हैं, इस बीच कोरोना महामारी के अनेक वेरिएंट आ चुके हैं, लेकिन अभी मई माह में जो फिर से कोरोना वायरस की आहट हुई है यह कोविड -19 तुल्य है, ऐसी जानकारी मीडिया में आ रही है हालांकि इसका अधिक प्रकोप अभी खासकर हांगकांग सिंगापर थाईलैंड में स्थिति चिंताजनक होती जा रही है क्योंकि संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत में भी 19 मई 2025 तक 257 केस आ चुके हैं, जिससे शासन प्रशासन स्वास्थ्य विभाग पूरी तरहसे अलर्ट मोड में आ गए हैं, हालांकि सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियां कोरोना की इस आहट को हल्के में लेने के मूड में नहीं हैं, सोमवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग बुलाई जिसमें एनसीडीसी, आईसीएमआर, डिसास्टर मैनेजमेंट सेल और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों ने भाग लिया, मीटिंग के बाद अधिकारियों ने बताया कि देश में कोविड की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, भारत का इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम और आईसीएमआर के नेतृत्व में चल रहे जीनोम सीक्वेंसिंग कार्यक्रम लगातार कोरोना और अन्य श्वसन संक्रमणों पर नजर बनाए हुए हैं, मंत्रालय ने साफ किया है कि फिलहाल यह चिंता की बात नहीं है, लेकिन सतर्कता जरूरी है, देश की स्वास्थ्य व्यवस्थाकिसी भी संभावित संक्रमण की लहर से निपटने के लिए तैयार है, परंतु इस बीच दिनांक 20-21मई 2025 की मध्यरात्रि में जिनेवा में चल रहे विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्व स्वास्थ्य सभा 19, से 27 मई 2025 के 78 वें सत्र में सभा के सभी सदस्यों की आपसी 3 वर्षों की बातचीत के उपरांत भविष्य की महामारी में मिलकर तैयारी करने का

समझौता हो गया है, जो रेखांकित करने वाली बात है।

आ जाए तो अगर पूरा विश्व एक साथ एक दूसरे का सहयोग कर उसका मुकाबला करेगा तो वह कोविड-19 जैसी किसी भी महामारी का गंभीरता से मुकाबला करेगा तो उस महामारी को मैदान छोडकर भागना ही पड़ेगा यह होता है एक और एक 11 की ताकत का सटीक कमाल! चूँकि कोरोना महामारी कोविड -19 के प्रभाव की आहट फिर भारत सहित कुछ देशों में हो चुकी है, व तीव्रता से संक्रमण शुरू हो गया है तथा विश्व स्वास्थ्य सभा के 78 वें सत्र में भविष्य की महामारियों से एक जुट से लड़ने का ऐतिहासिक समझौता अब हो चुका है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इसआर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वैश्विक स्तरपर मास्क सैनिटाइजर की फिर आदत फिर डालना, भीड़भाड़ वाली जगह व किसी भी अपवाह या डर का शिकार न होना सभी के लिए जरूरी है।

साथियों बात अगर हम कोविड -19 महामारी के भारत में पैर पसारने की करें तो, हालांकि भारत में अभी मामलों की संख्या कम है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो ट्रेंड दिख रहा है, वह चिंताजनक है। अगर सही समय पर कदम नहीं उठाए गए, तो भारत भी इस नई लहर की चपेट में आ सकता है, विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में टीकाकरण का प्रभाव अब कम होने लगा है, बूस्टर डोज की जरूरत एक बार फिर बढ़ गई है, लेकिन लोग इसमें ढिलाई बरत रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है बच्चों बुजुर्गों, 65 साल से ऊपर के लोगों, और जिनकी इम्युनिटी पहले से कमजोर है, उन्हें यह संक्रमण तेजी से पकड़ सकता है, साथ ही मौसमी बदलाव, सामाजिक मेल जोल और अंतरराष्ट्रीय यात्रा भी इसके प्रसार को बढ़ावा दे रहे हैं अभी हुई बैठक में नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, इमरजेंसी मेडिकल रिलीफ डिवीजन, डिजास्टर मैनेजमेंट सेल, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञ मौजूद थे आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बैठक में यह निष्कर्ष निकाला गया न कि भारत में कोविड-19 स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। सूत्र ने बताया, 19 मई 2025 तक भारत में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या 257 है। देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत आंकड़ा कम है। इनमें से लगभग सभी मामले ज्यादा गंभीर नहीं हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत भी नहीं है। हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति

कर रही है कि बढ़ते मामलों को देखते हुए व्यापक तैयारी की जाए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक भारत में 12 मई से अब तक 164 मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे अधिक 69 मामले, तो वहीं महाराष्ट्र में 44 और तमिलनाड में 34 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा कर्नाटक में कोविड-19 के 8 नए मामले, गुजरात में 6 और दिल्ली में 3 मामले सामने आए। हरियाणा, राजस्थान और सिक्किम में एक-एक नया मामला सामने आया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक है। इन घटनाक्रमों के मद्देनजर, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपातकालीन चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों की समीक्षा बैठक बलाई गई, बैठक में निष्कर्ष निकाला गया कि भारत में वर्तमान कोविड-19 स्थित नियंत्रण में है. 19 मई. 2025 तक, भारत में सिक्रय कोविड-19 मामलों की संख्या 257 है, जो देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत कम आंकड़ा है, इनमें से लगभग सभी मामले हल्के हैं, जिनमें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियां कोरोना की इस आहट को हल्के में लेने के मूड में नहीं हैं, मीटिंग के बाद अधिकारियों ने बताया कि देश में कोविड की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है. भारत का इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम और आईसीएम आर के नेतृत्व में चल रहे जीनोम सीक्वेंसिंग कार्यक्रम लगातार कोरोना और अन्य श्वसन संक्रमणों पर नजर बनाए हुए हैं, मंत्रालय ने साफ किया है कि फिलहाल यह चिंता की बात नहीं है, लेकिन सतर्कता जरूरी है, देश की स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी संभावित संक्रमण की लहर से निपटने के लिए तैयार है। अगर फ्लू जैसे लक्षण हों तो टेस्ट कराएं, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, मास्क और सैनिटाइजर की आदत फिर से डालें, खासकर भीडभाड वाली जगहों पर, किसी भी अफवाह या डर का शिकार न बनें, लेकिन सतर्क जरूर रहें।

साथियों बात अगर हम सिंगापुर हांगकांग थाईलैंड में कोरोना वायरस (कोविड-19) के अति तीव्रता से संक्रमण की करें तो, कोरोना वायरस एक बार फिर डराने लगा है, ऐसा लग रहा है कि कुछ समय की

मेरा मानना है कि अब पूरी दुनियाँ की कोई भी महामारी 🛮 पर बारीकी से नजर रख रहा है। सरकार यह सुनिश्चित 🖯 राहत के बाद वायरस फिर से पैर पसारने लगा है, एशिया के कई देशों मेंकोविड के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, खासकर हांगकांग, सिंगापुर और थाईलैंड में स्थित चिंताजनक होती जा रही है. इन देशों में संक्रमितों की संख्या में तेज इजाफा हुआ है और अस्पतालों में भर्ती होने वालों की संख्या भी बढ़ रही है. भारत में भी नए मामलों को लेकर चिंता गहराने लगी है. विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अभी से सतर्कता नहीं बरती गई, तो स्थिति और बिगड सकती है सिंगापुर में कोविड-19 के मामलों 28 परसेंट की वृद्धि दर्ज की गई है, हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि सरकार ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है यहां कोविड -19 के कुल अनुमानित केस 14, 200 तक पहुंच गए हैं, इससे ज्यादा गंभीर बात यह है कि अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में भी लगभग 30 परसेंट का इजाफा हुआ। 5 मई से 11 मई के बीच सिंगापुर में 25, 900 नए केस सामने आए, इसी अवधि में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की औसत दैनिक संख्या 181 से बढकर 250 हो गई है. विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले 2 से 4 हफ्तों में यह लहर अपने चरम पर पहुंच सकती है। हांगकांग में कोविड-19 संक्रमण की नई लहर शुरू हो चुकी है, यहां स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अब तक 81 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 30 लोगों की मौत हो चुकी।

साथियों बात अगर हम डब्लूएचओ के विश्व स्वास्थ्य सभा के 78 वें सत्र में समझौतों की करें तो, विश्व स्वास्थ्य सभा ने भविष्य की महामारियों के लिए तैयार रहनें के लिए ऐतिहासिक समझौता अपनाया, विश्व का पहला महामारी समझौता मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य सभा के सदस्य देशों द्वारा औपचारिक रूप से अपनाया गया, जो वर्तमान में जिनेवा में चल रहा है, ठन की शीर्ष निर्णय लेने वाली संस्था 78 वें विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह ऐतिहासिक निर्णय कोविड-19 महामारी के विनाशकारी प्रभाव के जवाब में सरकारों द्वारा तीन साल से अधिक समय तक की गई बातचीत के बाद आया है, और इसका उद्देश्य भविष्य की महामारियों से दुनिया को सुरक्षित बनाना और उनके जवाब में अधिक न्यायसंगत बनाना है, ऐसा डब्ल्यूएचओ ने कहा। यह महत्वपूर्ण समझौता ऐसे समय में हुआ है जब सिंगापुर और हांगकांग सहित अन्य देशों में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि की खबरें आ रही हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The inside story of merger of Sikkim with India

Within a few years of its creation in 1968, India's external intelligence agency - the Research and Analysis Wing (R&AW) — played a decisive role in two major operations that reshaped the region's map. The first was its covert support during the liberation of Bangladesh in 1971. The second, less discussed but no less consequential, was the merger of Sikkim with India in May 1975.

At the time of India's independence, 565 of the 600 princely states joined the Indian Union through bilateral Instruments of Accession. Sikkim, also a member of the Chamber of Princes and the Constituent Assembly, remained outside this process. Sardar Patel wanted Sikkim to accede, but Nehru disagreed. Ultimately, the December 1950 treaty gave Sikkim protectorate status would handle its external affairs, defence, communications, currency and posts.In 1947, smaller Sikkimese parties that supported merger, joined the Sikkim State Congress (SSC), led by Tashi Tshering. They wanted an end to absentee landlordism, a representative government and eventual accession to India. Tshering met Nehru twice, in 1948 and 1949. While Nehru was sympathetic to the first two demands, he rejected outright the merger, saying that Sikkim should evolve "according to its own genius." On May 1, 1949, Tshering led 5,000 people to the palace gates, demanding reform. The Maharaja fled to the Political Office. But with Indian support, the monarchy regained control, and the prodemocracy movement was sidelined. India's policy was what I called "an apparent appeasement towards the Maharaja and cautious containment of pro-accession forces."Electoral reforms introduced by the Maharaja in 1953 failed to satisfy public demands. A "parity system" was introduced to balance representation between the majority Nepalese (75 per cent) and the minority Bhutia-Lepcha (25 per cent) populations, but combined with nomination quotas, it ensured promonarchy outcomes. By the 1960s, new personalities were reshaping Sikkim's politics. In 1958, LD Kazi married Eliza Maria Lanford Rai, a charismatic figure who played an influential role in his party. In 1963, Rajkumar Palden Thondup Namgyal married Hope Cooke, a young American who dreamed of being queen of a Himalayan kingdom. Thondup used the marriage to draw international attention to Sikkim's cause.

Following his father's death in 1963, Thondup became the 12th Chogyal — 'Dharam Raja' — a title officially recognised by India at his coronation in 1965. He was dissatisfied with the 1950 treaty and began openly pleading for greater autonomy. In 1967, he told reporters that he wanted more political freedom. A year later, on India's Independence Day, Sikkimese students in Gangtok chanted slogans like "We are buffers, not duffers" and "Indians leave Sikkim."

In 1972, India offered Sikkim permanent association status with associate membership of UN-affiliated bodies like the WHO. The Chogyal rejected it, as his lawyers advised him that it would leave Sikkim worse off than under the 1950 treaty. At this point, diplomacy had run its course. A covert operation was the only solution. Towards the end of 1972, Prime Minister Indira Gandhi summoned R&AW chief RN Kao and her principal secretary PN Haksar. She showed them a letter from the Chogyal in which he had used the title 'His Majesty' — suggesting sovereign status. She turned to Kao and asked, "Can you do something about this?"Kao asked for two weeks. He returned in 10 days and said, "Yes." Gandhi agreed, but made one thing clear: the operation could go all the way to merger, provided it had public support.

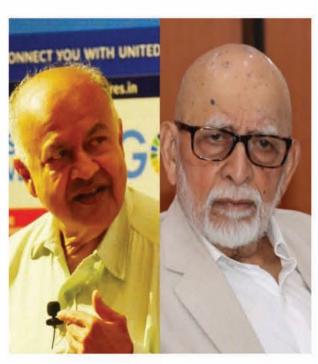
Around June 1973, I was called by Kao. He assigned me this operation and I was told to meet my regional chief PN Banerjee in Calcutta. There, in July 1973, the mission was laid out: unite prodemocracy groups, assure them that India would no longer shield the Chogyal, support Kazi Lhendup Dorji's Sikkim National Congress (SNC) and prepare for a possible merger, while keeping the Chogyal under the illusion that negotiations were still possible, so he wouldn't actively oppose the process or mobilise against the upcoming

Narlikar and Srinivasan leave behind a shining legacy in the world of science

Dr Jayant Vishnu Narlikar was director of the globally acclaimed Inter-University Centre for Astronomy and Astrophysics (IUCAA), Dr MR Srinivasan was one of the towering personalities who ably guided India's nuclear programme

It is with profound grief that I share the news of the passing away on May 20 of two prominent Indian scientists — Dr Jayant Narlikar and Dr MR Srinivasan. Dr Narlikar was 86 and Dr Srinivasan 95. Nehru Science Centre, of which I was the Director, had the honour of hosting lectures of both these scientists.Dr Jayant Vishnu Narlikar was an eminent scientist in astrophysics and cosmology. He was also a great science communicator, including in Marathi.Dr MR Srinivasan was one of the founding members of the Atomic Energy Commission. He worked with Dr Homi Bhabha and also served as Chairman of the Atomic Energy Commission and Secretary, Department of Atomic Energy (DAE). As we mourn their loss, it is also a time to reflect on and celebrate their life of extraordinary intellect and their contributions to our nation.Dr Narlikar's contributions to theoretical astrophysics, his role in nurturing scientific talent in India and in the establishment of the Inter-University Centre for Astronomy and Astrophysics (IUCAA), a globally acclaimed institution, and his efforts to make science accessible to all will continue to inspire generations. Narlikar was born in Kolhapur, Maharashtra, on July 19, 1938. He received his early education at Banaras Hindu University (BHU), where his father was Professor and Head of the Department of Mathematics. Young Jayant Narlikar had a brilliant career in school and the intermediate. He obtained his BSc degree from BHU in 1957. Narlikar opted to pursue his higher studies at the Cambridge, UK. He was a Wrangler and Tyson Medallist in the Mathematical Tripos at Cambridge, from where he obtained his degrees in mathematics: BA (1960), PhD (1963), MA (1964), and ScD (1976). He also distinguished himself at Cambridge with the Smith's Prize in 1962 and the Adams Prize in 1967. He stayed back there till 1972 as a Fellow of King's College (1963-72) and Founder Staff Member of the Institute of Theoretical Astronomy (1966-72).It was during this period that Dr Narlikar laid the foundations of his research work in cosmology and astrophysics in collaboration with his internationally acclaimed For his stellar contributions to science communication mentor, guide and collaborator, Fred Hoyle. One of Dr Narlikar's most significant contributions is his development of the "Hoyle-Narlikar Theory", also known as the "Quasi-Steady State Cosmology (QSSC)". This cosmological theory proposes an alternative explanation for the origin and evolution of

the universe, challenging the widely accepted Big Bang theory of that time.Dr Narlikar returned to India in 1972 to join the Theoretical Astrophysics Group at the Tata Institute of Fundamental Research (TIFR), where he served for 17 long years. This group, under the leadership of Dr Narlikar, expanded and acquired international standing for TIFR in the field of theoretical astrophysics, which TIFR continues to enjoy even today. In 1988, Dr Narlikar was invited by the University Grants Commission (UGC) to set up the IUCAA as its Founder-Director. He was a recipient of the Bhatnagar award as well as of the MP Birla award, the Prix Janssen of the French Astronomical Society



and the prestigious Associate of the Royal Astronomical Society of London. He was a Fellow of the three national science academies as well as of the Third World Academy of Sciences.

and popularising science, Dr Narlikar was honoured by the UNESCO in 1996 with the prestigious Kalinga Award. Dr Narlikar was conferred the Padma Bhushan award by the Government of India in 1965 and the Padma Vibhushan in 2004. In 2011, the Maharashtra Government awarded him the state's highest civilian award, the Maharashtra Bhushan. Dr Narlikar served as the Chairman of the Executive Committee of the Nehru Science Centre, Mumbai. I have had the honour of heading the Centre for two terms.

MR Srinivasan was born on January 5, 1930 in

Bangalore. He was one of the towering personalities

who ably guided the Indian nuclear programme. He

completed his mechanical engineering from the UVCE, Bangalore, in 1950. He did his masters in fluid mechanics, heat transfer and applied mathematics and his post-graduation in gas turbines and acquired a doctorate from McGill University, Canada.Dr Srinivasan was hand-picked by Dr Homi J Bhabha to work for the DAE. He joined the DAE as senior research officer in September 1955. He was deputed to the UK Atomic Energy Authority for an international course in reactor technology at Harwell. His first assignment with the DAE was to work with the group responsible for the construction of the first

research reactor of Swimming Pool Type, later

named Apsara.

In 1959, a project group was constituted for setting up the first nuclear power plant. Dr MR Srinivasan was the principal project engineer of a boiling water reactor of US design at Tarapore. In early 1967, he was appointed as the chief construction engineer of the Madras Atomic Power Project. It was the first indigenously designed pressurised heavy water reactor based on CANDU technology. The construction work at the power station involved many new and callenging techniques in civil engineering.He was made the Chairman of the Nuclear Power Board, DAE, in 1984. Dr MR Srinivasan served as Chairman of the Atomic Energy Commission from 1987 until his retirement in February, 1990. He hastened the process of setting up the Nuclear Power Corporation of India, which was created in September 1987, with Dr Srinivasan as Founder-Chairman.In 1984, he was awarded the Padma Shri, the Padma Bhushan in 1990, and the Padma Vibhushan in 2015. He is the author of the book, 'From Fission to Fusion: The Story of India's Atomic Energy Programme' (Viking Penguin, 2003).Dr MR Srinivasan has also written extensively in the print media on the significance of the development of nuclear energy for India's energy mix and has appeared regularly on TV programmes to engage on nuclear

Stitch in time: on judiciary and Environment Ministry notifications

Making illegal units pay heavy fines might have limited deterrent effect

Last week, the Supreme Court of India finally struck down as "illegal" two notifications by the Union Environment Ministry that allowed industrial units to set up, expand operations or change their manufacturing practices without following the due process of taking government permission beforehand. Taking 'prior' approval is a sacrosanct principle at the heart of the Environment Impact Assessment (Notification) of 2006. On the surface it appeared that the Centre, or the Union Environment Ministry, had instituted a system that made a mockery of this principle, but there was a rationale, even if it was flawed to some extent. In March 2017, the body issued a notification providing a "one-time" six-month window for industries that did not have the right instituted a 'standard operating procedure' that in effect allowed projects in violation of the laws, but which could not avail of the six-month window, to

apply — albeit at the cost of heavy fines — for regularisation. Moreover, all these significant changes were being issued through executive orders, rather than any attempt at amending the underlying Environment Protection Act (EIA), 2006, through Parliament. The Centre's reasoning was three-fold. First, the process for regularising projects had already been initiated by the United Progressive Alliance government in 2012 and 2013. These were, however, struck down by the Jharkhand High Court and the National Green Tribunal on procedural grounds, and not that these projects were irredeemably violative. Second, demolishing functioning plants that were contributing to the economy and employment could exacerbate pollution and be disruptive.

environmental clearances, to apply for one. In 2021, it The Centre cited examples of various disputes involving copper mines to pharmaceutical companies where the courts had agreed that a "balanced" approach was necessary in cases involving violations.

Finally, it argued that it had put in place a system whereby the industrial units seeking to be regularised would have to pay fines for the period that they had functioned in violation.

issues and nuclear safety.

The Court in its final verdict has rightly, as previous courts have, emphasised the principle of "prior" clearance, though its action may be a little late as it has clarified that companies that had regularised themselves under the 2017 and 2021 orders would be "unaffected" by the judgment. That thriving industrial units in violation of the laws mushroomed is a testament to the collective failure of regional environmental boards to enforce laws. So it stands to reason that making these illegal units pay, under the purported new procedure, would have been a fruitless exercise. The judgment should ideally nip any "crafty" attempts by future governments to condone violations in the name of the economy though it must also trigger on-ground enforcement.

Indo-Pak conflict: The nuclear bogey is here to stay



LIKE Banquo's ghost in Macbeth, the spectre of nuclear weapons has hovered over India-Pakistan conflicts in recent decades. Notwithstanding disclaimers, it does so over the Operation Sindoor strikes as well. Looking back, the risk of an actual nuclear outbreak seems to be low, almost negligible. But as the events unfolded, several pathways that could have led to that dreaded event became visible. The urgency of addressing these pathways seems to have prompted the US to shift from its arms-length posture to active diplomacy and help broker a ceasefire. The Indian proposition is that the ceasefire was reached bilaterally, but it's apparent that it was brokered by Uncle Sam, who does not tire of reminding us about it. On May 12, speaking at the White House on the eve of his visit to Qatar, US President Trump declared, "My administration helped broker a full and immediate ceasefire, I think a permanent one, between India and Pakistan, ending a dangerous conflict of two nations with lots of nuclear weapons." The previous day, he praised the Indian and Pakistani leadership for ending the "current aggression" and said "millions of good and innocent people could have died."

Even before the crisis escalated, Pakistan had hinted at a nuclear response. Following the suspension of the Indus Waters Treaty (IWT) by India, a statement from the Pakistan Prime Minister's office said any attempt to stop or divert the waters would be considered as an act of war "and responded to with full force across the complete spectrum of national power." This reference to "complete spectrum" clearly related to nuclear weapons. Then, as the crisis escalated, Pakistan sent more nuclear signals. On May 10, Prime Minister Shehbaz Sharif called a meeting of the National Command Authority, the top body that takes decisions on the country's security as well as those related to nuclear weapons. This was later conveniently denied by Pakistan. There was a lot of misinformation swirling around developments relating to nuclear weapons. One came from the landing of a Beechcraft Super King Air



350 aircraft — purportedly of the US Department of in Sargodha shortly after an Indian strike on Kirana Hills, where some Pakistani nuclear weapons are reportedly stored. It transpired later that this aircraft, which did belong to the US agency, had been bought by Pakistan in 2010 and its presence had nothing to do with anything nuclear. India denied that it conducted a strike on Kirana Hills, a mountain range located about 15 km from the Mushaf airbase near Sargodha, which it did strike. But there is evidence of two hits near the entrance of the facilities at Kirana Hills. Let's be clear their strikes

on Nur Khan base near Rawalpindi, Malir near Karachi and on Kirana Hills was clear messaging since these facilities are host or adjacent to facilities relating to nuclear weapons.

This became explicit on May 12 when Prime Minister Narendra Modi, in his address to the nation, declared that "India will not tolerate nuclear blackmail. India will strike precisely and decisively at the terrorist hideouts developing under the cover of nuclear blackmail."

This is a new doctrinal assertion, since in the past 40 years in which India has suffered from cross-border terrorism,

it was the nuclear factor that had stayed the Indian hand. On May 13, in his official briefing, Ministry of External Affairs spokesperson Randhir Jaiswal rejected Trump's account of the ceasefire and also insisted that "the military action was entirely in the conventional domain." India has a nuclear doctrine, which says that its nuclear

weapons are only for retaliation against a nuclear, chemical or biological weapon attack on India or Indian forces anywhere. Pakistan does not have an enunciated doctrine, but it has asserted at various times that India is the target of its weapons, which will be used if it suffered major territorial loss, destruction of key military assets or economic strangulation.It would be foolhardy to ignore the prospect of a nuclear war even if there is a selfconscious effort to keep it in the conventional domain. These dangers have been evident in the recent Indian strikes on Pakistani Air Force (PAF) facilities. The Op Sindoor strikes were limited — they initially struck at terrorist facilities, and hit Pakistani military facilities only after the PAF launched attacks on Indian aircraft over Indian territory. All this was limited to the 48 or so hours of the main conflict. In an actual war, even one that lasts two or three weeks, the bombing would be much more intense. This is where problems can occur. As of now, India keeps its nuclear weapons de-mated — the weapon and the fissile core separate - so as to promote nuclear safety and political oversight. But in the case of Pakistan, where the military runs the show, both the weapons and cores are mated and held by the Army.

The big danger in an all-out war, even if India intends to keep it entirely conventional, is that it may inadvertently end up hitting a large number of nuclear weapons storage sites using weapons like the SCALP (Storm Shadow), Crystal Maze and Paveway-type bombs that can penetrate fortified bunkers. Without intending to do so, it may degrade the Pakistani nuclear arsenal to the point where the country is confronted with a "use it or lose it" dilemma. In this event, it may find itself being compelled to escalate things to the use of nuclear weapons.

Walmart to cut 1,500 jobs in restructuring move: Report

New Delhi. Retail giant Walmart is planning to cut around 1,500 jobs as part of a major reshuffle to make its operations more efficient. This move is part of the company's larger plan to focus on long-term goals, as per an internal memo shared by Reuters.

The job cuts will affect several areas, including Walmart's global tech team, the e-commerce section in US stores, and its advertising arm, Walmart Connect. While some roles will be removed, new ones will also be added to better match the company's future plans."To accelerate our progress delivering the experiences that will define the future of retail, we must sharpen our focus," mentioned the memo, quoted Reuters. Walmart is the largest private employer in the United States, with around 1.6 million workers. Globally, it employs about 2.1 million people. It's also the biggest US importer, bringing in nearly 60% of its goods, like clothes, electronics and toys, from China.

This round of job cuts follows several other changes in recent months. In February, Walmart closed its office in North Carolina and shifted employees to other main offices in California and Arkansas. Just last week, it said prices on some products would go up by the end of May, partly due to economic pressure from trade policies under former US President Donald

All ITR forms are out, but you still can't file. What's causing the delay

New Delhi. The Income Tax Department may have rolled out all ITR forms for the Assessment Year 2025-26. But before you rush to file your income tax return, here's something important to know - the actual e-filing process isn't open yet. It's because the e-filing utilities are not live on the portal.

WHAT'S THE DELAY ABOUT?

While all seven ITR forms (ITR-1 to ITR-7) and even the updated ITR-U form are ready, the filing process can't begin until the government activates the utility software. These utilities are essential tools that help taxpayers fill in, check, and submit their returns online or offline. Without these tools, the system won't accept your return, no matter how ready you are, say experts.

WHAT ARE THESE UTILITIES AND WHY DO THEY MATTER?

Each year, the department provides the filing utility in different formats, online, offline (Java or JSON), and Excel. These formats are designed to suit different users. Many individual taxpayers prefer the online mode for its simplicity and ease, while professionals often use the JSON or Excel versions. But whether online or offline, these utilities are a must.

They allow you to fill in the form correctly, validate the data, and upload it securely.

Without these, the system won't accept your return no matter how ready you are. WHEN WILLTHE UTILITIES BE RELEASED?

There is no official word yet on when the utilities will be released. However, it is widely expected that the rollout will begin in phases, likely starting with the simpler forms like ITR-1 and ITR-4, sometime between late May and early June. These are commonly used by salaried individuals and small business owners. There's no official date yet. But sources say the department may begin releasing utilities in stages, starting with simpler forms like ITR-1 and ITR-4, sometime in late May or early

World's happiest and unhappiest careers revealed. Is your job among

New Delhi. We often think a good job means a high salary or a fancy title. But a new study from Estonia shows that's not really true. Happiness at work comes from something deeper, like feeling you matter, having freedom, and making a difference.

Researchers at the University of Tartu in Estonia looked at 263 different jobs and asked over 59,000 people about their work and life satisfaction. They also used health data from the Estonian Biobank to get a better picture of what really makes people happy in their jobs. The findings might surprise you. JOBS THAT BRING JOY

The happiest workers were clergy, healthcare professionals like doctors and nurses, and writers.



Ktlin Anni, the lead researcher, says jobs that let people feel they're achieving something and serving others bring deeper satisfaction than fancy titles or big paychecks.

JOBS THAT LEAVE PEOPLE UNHAPPY

On the other hand, people working in sales, as waiters, security guards, or in jobs with strict routines like factory work or driving, reported low job satisfaction. Even corporate managers, despite their high status, felt unhappy because of stress and lack of control over their work

PRESSURE DRAINS JOB SATISFACTION

Too much pressure and little freedom can make even the most respected jobs feel empty, explained the researcher. The study also found that self-employed individuals reported greater satisfaction, largely due to the freedom and flexibility their work offers.

Covid cases surge in India: Will it trigger a stock market crash

Stock market today: The S&P BSE Sensex had dropped by over 900 points to 80,681.76, while the NSE Nifty50 was down 266 points at 24,547.45 as of 12:45 pm. The fall in the market comes after days of strong performance.

New Delhi. The market rally on Dalal Street came to a pause on Thursday against the backdrop of rising Covid-19 cases in India and other parts of Asia as both Sensex and Nifty saw a sharp fall. The S&P BSE Sensex had dropped by over

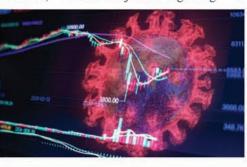
900 points to 80,681.76, while the NSE Nifty50 was down 266 points at 24,547.45 as of 12:45 pm. The fall in the market comes after days of strong performance. The recent decline in the stock market has come at a time when He added, "Whether it is just the beginning Covid-19 cases are slowly increasing again. Kerala has reported 182 cases in May alone, while cities like Mumbai, Chennai and Ahmedabad have seen small but noticeable spikes in infections. Outside India, several Asian countries

have also seen a rise in cases. Hong Kong, Singapore and Thailand are currently reporting more infections, sparking concerns that the virus might be making a slow comeback.

IS COVID BEHIND THE MARKET DROP?

The fall in the markets has raised the question: Should investors worry about the rising Covid cases? Kranthi Bathini, Equity Strategist at WealthMills Securities Pvt Ltd, said that the early signs of rising cases could be one reason behind

"There is a sense of worrying factor there. That is the reason we can see some kind of an uptick in healthcare, diagnostic stocks and also in pharma stocks," he said.



or a sign of something bigger, we will have to wait and see. Right now, it is premature to say anything definite about Covid cases because numbers are still low and mostly in single digits in many states. The next few weeks will be important to watch."Bathini also pointed out that the

overall market conditions remain stable.

"The market has outperformed in the last month after touching a high of 25,500 range. What we are witnessing is some kind of profit booking because of global cues, US debt worries and also US

downgrades, which is creating pressure on the market in the short to medium term."He explained that Nifty seems to be forming a base between 24,500 and 25,000."We had a decent earnings season. There were no major negative surprises. There is stock-specific action happening now as we are at the far end of the earnings season," he said. While there is some concern, experts say there is no need to panic yet."Investors are a bit more

seasoned now when it comes to COVID news. Pharma might see some defensive interest, but overall, market fundamentals remain strong. Volatility? Maybe. Panic? Unlikely," said Trivesh, COO of

Do You Throw Your Online Delivery Boxes After Opening Parcel Know How It Can Make Your Bank Account Zero, Tips To Stay Protected

products via e-commerce platforms. After you receive the order, you keep The online delivery box that you throw

the product and throw away the online delivery box in which the order is delivered. You perhaps never realised that something as routine as throwing away an online delivery box could put you at risk of online fraud and may drain money from your bank.

What is online delivery box scam?

Whenever you receive an online order, the package usually comes with a label that carries your personal information like your name, address and phone number. Scammers can use this information to defraud you. You risk losing your money if you

New Delhi. Most of us order online How do scammers get hold of online with delivery boxes? delivery box?

away after receiving your order can Taking a few easy steps will help you end up on roadside garbage heaps or outside residential buildings. These are the locations where scammers can get hold of these online delivery boxes. How do scammers trick people

Scammers use the information on the online delivery boxes to trick you.

Using the basic data from the discarded package, they contact you with fake messages and scam calls. You might end up sharing OTPs, clicking on fake links, or downloading malicious apps. The fake links have hidden malware. Once you click on the fake links, the hidden malware infiltrates your device and steals your private data like your bank details. How can you stay safe from these online delivery box scam?

stay safe. Make sure to remove the shipping label before throwing away any delivery box. Tear up the label or scribble over the information to make

EPFO adds 14.58 lakh members in March. Women and youth lead the way

New Delhi. The Employees' Provident Fund Organisation (EPFO) added 14.58 lakh net members in March 2025, according to the latest data shared by the Ministry of Labour and Employment. Compared to March last year, this marks a 1.15% rise in overall additions, pointing to more job opportunities and greater awareness about social security benefits.RISE IN NEW SUBSCRIBERSThe Ministry said in the statement, "EPFO enrolled around 7.54 lakh new subscribers in March 2025, representing a 2.03% increase over February 2025 and 0.98% yearover-year growth compared to the previous year in March 2024.""This growth in new subscribers can be attributed to growing employment opportunities, increased awareness of employee benefits, and EPFO's successful outreach programs," it stated.

YOUTH DOMINATE NEW ENROLMENTS

Interestingly, most of the new members were young. 4.45 lakh people in the 18-25 age group signed up in March, making up 58.94% of all new

Maha Kumbh, wedding travel provide tailwind, power IndiGo to stellar Q4 results

others set records. For one, the rush of added.

achieve a record net profit in Q4 (January-March) of FY25 as well.InterGlobe Aviation, the holding company of IndiGo, reported its highest-ever fourth quarter net profit of Rs 3,067.5 crore, The figure was a huge 62% jump from Rs 1,894.8 crore in the corresponding quarter a year ago. In the fourth quarter of FY25 IndiGo carried 31.9 million passengers which was a rise of 19.6% compared to the same quarter last year.IndiGo's holy dip in profits

on January 13, 2025 and continued for record passenger volumes, operational more than double the normal capacity to 45 days, not only set a record attracting efficiencies, agility and commitment the airport. 660 million people, but also helped demonstrated by IndiGo employees," he

helped India's biggest airline IndiGo stepped up efforts to help pilgrims reach added from the ongoing services to and



the event. It increased flights and seat stretches from November to March and "It was an exceptionally strong fourth capacity to and from Prayagraj airport IndiGo exploited it to the hilt. Usually quarter with strong demand, a good during the period when the Maha execution of our strategy and some Kumbh Mela 2025 was organised. events like the Maha Kumbh obviously When the rush of visitors rose beyond helping the performance," Pieter Elbers, expected levels, IndiGo added more of the country to a huge number of CEO of IndiGo, told the media. "Our flights taking the number to 1.65 lakh destinations.

Kolkata. The Maha Kumbh that began sustained performance is the result of seats to and from Prayagraj, which was

In fact, IndiGo connected the venue to 10 locations in India. Services from pilgrims to Prayagraj to attend the event Indigo said in end January how it Ahmedabad, Kolkata, Jaipur were

> from New Delhi, Mumbai, Bengaluru, Hyderabad, Lucknow, Raipur and Bhubaneswar. It also pressed more A321, its larger aircraft, into service. Overall, IndiGo operated around 900 flights to and from the city, while the regular number is 490.

Wedding invitations spiced up the partyThe peak wedding season also contributed to increased booking. The peak wedding season usually

for hotels and airlines, this season a large number of families, wedding guests and honeymooning couples flying in and out

subscribers. This is a 4.21% rise over February and 4.73% higher than last March. Many in this age group are first-time jobseekers, which fits the trend seen in earlier months. The total net addition for this age group stood at 6.68 lakh, showing a

strong year-on-year growth of 6.49%. exited earlier, rejoined EPFO in March 2025. This figure depicts a 0.39% increase over February 2025. It also shows a significant 12.17% yearover-year growth compared to March 2024," said EPFO."These members switched their jobs and re-joined the establishments covered under the ambit of EPFO and opted to transfer their accumulations instead of applying for final settlement, thus safeguarding long-term financial well-being and extending their social security protection," it further mentioned.

BOOST IN FEMALE PARTICIPATION

Women's participation also saw a slight boost. Around 2.08 lakh new female members joined EPFO in March. That's a small rise of 0.18% over February, but a solid 4.18% increase compared to

ABFRL demerger: Brokerages assign fair value to new fashion twins. Details here

Brokerages have begun breaking down the newly split entities, laying out distinct growth paths and fair value estimates for both ABFRL and ABLBL.

New Delhi. Shares of Aditya Birla Fashion and Retail Ltd (ABFRL) fell nearly 66% on Thursday, trading at Rs 91 on the BSE, as the market recalibrated its valuation following the demerger of Aditya Birla Lifestyle Brands Ltd (ABLBL). It may be noted that the sharp correction reflects the subtraction of the demerged entity's value and not a deterioration in ABFRL's business outlook.Brokerages have begun breaking down the newly split entities, laying out distinct growth paths and fair value estimates for both ABFRL and ABLBL. Bernstein, which has closely tracked ABFRL's transformation, values the demerged ABFRL at Rs 80-105 per share, while assigning ABLBL a fair value range of Rs 185-215. The brokerage firm believes the separation will allow both companies to sharpen

their brand focus and unlock value for shareholders.Jefferies echoes this view, pegging ABFRL's standalone fair value at Rs 100. The brokerage believes the rerating is a technical adjustment and anticipates more investor clarity once ABLBL lists next month.Domestic brokerage JM Financial is even more granular in its assessment. It assigns a Rs 103 valuation to ABFRL, applying 18 times EV/EBITDA to its flagship Pantaloons brand, 3 times EV/Sales to ethnic wear, and 1 time EV/Sales to the digital-first TMRW portfolio. Meanwhile, ABLBL is projected at Rs 186 per share, based on 23 times EV/EBITDA for core lifestyle brands and 10 times for growth businesses such as Reebok and Van Heusen Innerwear. Under the demerger scheme, shareholders will receive one share of ABLBL for every ABFRL share held as of the May 22 record date. The new entity is expected to list on both the NSE and BSE by mid-June, pending regulatory clearances. TWO NEW FASHION POWERHOUSES

ABFRL will now retain businesses with a focus on ethnic wear, value fashion, and premium retail. This includes Pantaloons, the ethnic portfolio under TCNS, designer brands like Sabyasachi, Tarun Tahiliani, Masaba, and the upcoming luxury play with Galeries Lafayette. JM Financial noted that ABFRL starts with a net cash balance of Rs 140-150 crore, enough to



support near-term growth plans. Its digital venture TMRW may raise funds independently to fuel M&A-led expansion.On the other hand, ABLBL has become home to India's dominant western wear and innerwear portfolio, including Madura Fashion & Lifestyle (Louis Philippe, Van Heusen, Allen Solly, Peter England), alongside newer growth drivers

like Reebok, American Eagle, and Van Heusen Innerwear.According to JM, ABLBL will launch with a manageable debt of Rs 700-800 crore, which it expects to retire over the next 2-3 years.

The brokerage is optimistic about the business scaling quickly, with targets to double revenue and triple cash profits between FY24 and FY30. A 300-basis point margin expansion could lift EBITDA margins above 11 per cent, taking return on capital employed (ROCE) to as high as 70 per cent by FY30 (excluding intangibles).

WHAT'S NEXT FOR **INVESTORS?**

Thursday's steep fall has brought ABFRL's stock in line with analyst projections and the upcoming listing of ABLBL will be a critical milestone for investors looking to unlock full value from the split.As of now, all futures and options (F&O) contracts on ABFRL expired on May 21. Fresh contracts began trading on May 22, with a revised lot size of 2,600 shares, the National Stock Exchange said.

High Commission official who trapped YouTuber a Pakistani spy: Sources

Danish, alias Ehsan-ur-Rehman, who was posted to the Pakistan **High Commission** in Delhi, was expelled by India earlier this month amid tensions with Pakistan.

New Delhi. The Pakistan High Commission official who trapped Haryana-based YouTuber Jyoti Malhotra was an agent of Islamabad's notorious Inter-Services Intelligence (ISI), sources said.Danish, alias Ehsan-ur-Rehman, was expelled by India earlier this month amid tensions with Pakistan following the Pahalgam attack, which left 26 people dead.

Sources said Danish's passport was issued from Islamabad, and he was granted a visa for India on January 21, 2022. According to documents, exclusively accessed by India Today, Danish was born in Narowal in Pakistan's Punjab province. Security agencies are now probing whether Ehsan alias Danish was his real name or a code name given by the ISI.Sources said Danish was posted at the visa desk at the Pakistan High Commission in Delhi, but his real job was espionage and trapping people to spy for Pakistan. Danish was actively working to develop Malhotra, who was arrested last week for allegedly spying for Pakistan, as an intelligence asset.

Malhotra, a Haryana-based travel vlogger,



confessed to security agencies that she first came in contact with Danish in 2023 when she visited the High Commission in Delhi for a visa to travel to Pakistan. Since then, she was in regular contact with him. She is presently under Haryana Police custody, which was extended on Thursday by four more days.

ISI AGENTS POSTED AT PAK HIGH COMMISSION

However, this is not the first time that officials posted at the Pakistan High Commission in Delhi have been accused of spying. Sources said Pakistan's ISI deploys its agents in the High Commission in India, and their postings are

On May 31, 2020, the Special Cell of Delhi Police and Military Intelligence (MI) exposed two such Pakistan High Commission officials who were posing as visa officers in India but were found to be ISI agents. They were identified as Abid Hussain and Tahir Khan.The officials were declared persona non grata and sent back to Pakistan. Immediately after this incident, the strength of the Pakistan High Commission was cut from 180 to 90. Over the years, security agencies have received regular input of staff posted at the Pakistan High Commission being ISI agents who prepare their passports under fake names and come to India for espionage activities. In 2021 too, the Delhi Police, along with MI, carried out a sting operation in which a Pakistani-origin visa officer, identified as Rana Mohammad Zia, was exposed. He was found to be an ISI agent working as a visa officer at the Pakistan High Commission.In this case, a military contractor named Habib, who was linked to Rana Mohammad, was arrested in

Nepali spy, sleeper cells: Pak ISI's big terror plot before Pahalgam attack

New Delhi. Intelligence agencies unearthed a plot orchestrated by Pakistan's spy agency Inter-Services Intelligence (ISI) to carry out a major terrorist strike in the country, one that was in the works before the Pahalgam killings, top sources said. The breakthrough came with the arrest of a Nepali-origin ISI agent, Ansarul Mian Ansari,

from a hotel in Delhi. According to intelligence sources, Ansari had entered India from Pakistan via Nepal at the behest of the ISI. He was reportedly preparing to return to Pakistan when he was nabbed. Ansari's arrest was the result of a highly classified joint operation led by central agencies and the Delhi Police Special Cell, conducted between January and March 2025. Sources said that during interrogation,



about ISI's extensive espionage network and revealed that he had been tasked with procuring and sending classified military documents to

recovered from Ansari confirmed they were sensitive materials related to the Indian Armed Forces, officials said. The agencies also seized incriminating digital evidence. Sources added that Ansari

cab driver in Oatar. He was later taken to Pakistan, where he was reportedly brainwashed and trained by senior ISI operatives before being deployed to India. Following Ansari's confession,

another suspect, Akhlaq Azam, was arrested from Ranchi. Azam is accused of assisting Ansari in transmitting sensitive information to Pakistan-based ISI officials. Sources said Azam played a key

role in collecting and passing on Army documents. According to sources, the dismantling of the ISI cell in Delhi likely averted a devastating attack on

A forensic analysis of the documents Following the horrific Pahalgam attack, in which 26 civilians were gunned down by terrorists, security agencies have intensified their counterterrorism efforts, targeting not only operatives in Jammu and Kashmir but also sleeper cells embedded in cities

3,000 Agniveers braved Pak assault in Operation Sindoor, guarded key installations

New Delhi.Around 3,000 Agniveers -- most barely 20 years old and recruited under the Agnipath scheme in the past two years -- were at the forefront of Operation Sindoor, defending Indian military installations from Pakistani missile and drone attacks, sources told .From manning critical air defence systems to holding their ground across multiple installations, cities, and airbases despite repeated enemy assaults, the Agniveers' performance matched that of regular soldiers. Frontline feedback described their contribution as both decisive and commendable, sources in the defence establishment added. Sources revealed that each air defence unit had 150-200 Agniveers in its ranks, deployed primarily along the western

The Agniveers served across four specialised trades -- gunners, fire control operators, radio operators, and drivers of heavy-duty vehicles mounted with guns and missiles. Additionally, they helped activate and operate Akashteer the locally developed air defence control and reporting system -- that became the nerve centre of India's air defence response.

Agniveers were actively involved in firing shoulder-launched missiles, operating upgraded anti-aircraft guns such as the L-70 and Zu-23-2B, manning systems like Pechora, Schilka, OSA-AK, Strela, and Tunguska, and deploying and launching Akash and other surface-to-air missiles. This real combat experience is seen as a turning point for the Agnipath model, with officials stating it should "settle the debate" over the short-term recruitment policy's effectiveness.Running radars, communication networks, and Akashteer nodes, some also acted as sentries in forward zones after deploying weapon systems. Additionally, they are covered by an insurance policy worth Rs 48 lakh. The ex-gratia benefit for an Agniveer killed in the line of duty is Rs 44 lakh. Upon completing four years of service, Agniveers are entitled to a Seva Nidhi package of Rs 11.71 lakh, of which Rs 5.02 lakh is self-contributed.

Zero tolerance is India's new doctrine: Raghav Chadha hails Op Sindoor in Seoul



New Delhi. Operation Sindoor has sent a clear message that India will strike deep to dismantle terror safe havens and the world must come together for a united front against Pakistansponsored terrorism, AAP Rajya Sabha MP Raghav Chadha said at the Leadership Conference (ALC) in South Korea. Chadha said that while India mourns its victims, the country has also demonstrated unprecedented resolve in responding to terror threats and "Zero tolerance is India's new doctrine". Operation Sindoor was not just a military strike, it was a message, he said. "India does not seek conflict, but will never shy away from defending its people," Chadha asserted calling for a united global

front against Pakistan-sponsored terrorism. He hailed the operation as proof that India can strike deep and dismantle terror safe havens and emphasised the need for global solidarity in the fight against terrorism.

Addressing a packed audience of global leaders and delegates at what is often called the 'Davos of the East', Chadha said, "Operation Sindoor has sent a loud and clear message: India will strike deep and dismantle terror safe havens. We must come together to ensure that such infrastructure finds no shelter anywhere in the world."

He invoked India's dual legacy of peace and resistance, citing Mahatma Gandhi's philosophy of non-violence alongside the courage of freedom fighters Bhagat Singh and Subhash Chandra Bose.

met an ISI handler while working as a Ansari disclosed critical information Power out, trees uprooted, banners toppled after massive storm hits Delhi

New Delhi. A powerful dust storm swept across Delhi-NCR on Wednesday evening, leading to heavy rains and hailstorms. The sudden change in weather including power outages, traffic jams and tree felling. The storm hit suddenly around 8 pm, reducing visibility drastically as strong winds carrying loose dust blanketed the skies. Several parts of Delhi,

Noida, Gurgaon, and Ghaziabad witnessed intense hailstorms and torrential rain following the dust storm. In Noida, hail battered rooftops and roads shortly after the storm passed.

Many areas experienced power outages across Delhi-NCR due to the sudden weather change. Traffic snarls were reported on major stretches, including the Noida-Greater Noida Expressway, Kalindi Kunj border, and DND



NOIDA WELCOME BOARD COLLAPSED, TREES UPROOTED

The intense wind and rain led to infrastructure damage, including fallen trees and overhead electric (OHE) line disturbances.The Noida Welcome Board also collapsed under the force of the wind, while trees and banners fell at multiple spots, leading to severe traffic

Meanwhile, a large tree crashed onto a

car at Copernicus Marg, near India Gate. The driver is safe. METRO DELAYED, SERVICES HALTED Delhi Metro services were

particularly on the Red, Yellow, and Pink Lines. Service was halted temporarily at several stations including Shaheed Nagar, Jahangirpuri, and Nizamuddin.At Mayur Vihar Phase 1, over 30 minutes delay was reported as commuters crowded

the station While Pink Line services resumed by

9:18 PM, disruptions on the Red and Yellow Lines persisted late into the

The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) confirmed that the issues stemmed from fallen objects and damage to the OHE system, and teams were working swiftly to restore full

DMK's Kanimozhi-Led Delegation To Present "India's Truth On Terrorism"

...DMK MP Kanimozhi Karunanidhi said the primary objective of the visit is to communicate India's unified stand on terrorism and counter misinformation.

New Delhi. The All-Party delegation bound for Russia, Slovenia, Greece, Latvia and Spain arrived at the New Delhi airport to begin their visit. The delegation is led by DMK MP Kanimozhi Karunanidhi and is part of the multi-country delegation visiting key partner countries as an outreach initiative aimed at fostering international solidarity against terrorism after Operation Sindoor.

Speaking to ANI ahead of her departure, Kanimozhi, said the primary objective of the visit is to communicate India's unified stand on terrorism and counter misinformation being spread globally."Our objective is to take the message of India to different countries, to explain what ' has happened here, and to make the world understand the truth. We have to resolve this problem, and the world. has to stand together against terrorism," she said. Highlighting the need to present India's stance clearly, Kanimozhi added, "We lost 26 lives to terrorism, and we want to talk about what happened and what is happening in this country because of terrorism. We want to put a stop to that. There are vested interests trying to create different stories, so the truth has to be told."Kanimozhi underscored the bipartisan nature of the initiative, saying, "The most important thing is that all of us stand together when it comes to the security and sovereignty of this country. I think there is no difference



of opinion on that." She further stated that India's position has been clear and consistent: "India has already spoken about what has happened. There are no two stands. We have openly said how we were attacked, how we responded, and how we want to find a solution. We are only going to repeat what we have already said."AAP MP Dr Ashok Kumar Mittal, who is part of the all-party delegation led by Kanimozhi, saiad that he is confident that the World community would show solidarity with India's stand."We want to tell the world about Pakistan's false

propaganda. India fights only for its own security, and we have never intended to cause injustice to the people of any country. We are confident that the world community will come together with us. AAP's stand is clear: we stand with the government in this matter," Dr Mittal saidRJD MP Prem Chand Gupta, also part of the all-party delegation said, "The agenda is clear: We have to expose Pakistan's false propaganda."Another delegate Samajwadi Party MP Rajeev Rai, said that the aim was to isolate Pakistan as it is a supporter of terror acts against India."It is very important to isolate the country which takes money from financial institutions and gives shelter to terrorists.

We will also raise the point that it is wrong to think that if it happens in their country, then it is terrorism, but if it happens in India, then it is a matter between India and Pakistan. We will tell the world about all the incidents from the Pahalgam terrorist attack to Operation Sindoor," Rajeev Rai

Punjab and Haryana High Court receives bomb threat, probe launched



Thursday afternoon received a bomb threat prompting immediate security measures and the evacuation of courtrooms as a precautionary step. According to police sources, after the High Court received a bomb threat via email, Chandigarh Police's Operation Cell, rescue team, fire department and all concerned officials have reached the spot. In view of the situation, the Bar Association asked all the advocates to vacate court premises for safety. Earlier, on Wednesday, Gurugram Mini Secretariat had

received a hoax bomb threat in the afternoon which also prompted authorities to carry out temporary evacuations. Similar to today's incident, yesterday's bomb threat was also sent via mail. The mail was marked to the Deputy Commissioner.

The bomb scare expressed in the received email has been proven to be false and baseless. It was a rumour, but we do not take any situation lightly," DC Ajay

32 Real-Time Water Monitorina Stations To Be Set-Up For Yamuna Clean-Up

New Delhi. In line with its commitment to clean the Yamuna river, the BJP-led Delhi government will install 32 real-time water quality monitoring stations to monitor the river water and the drains flowing into

A senior official said ten stations will be set up on the Yamuna River and 22 on major drains. Some of the Yamuna river sites where Monitoring Stations will be set up include Palla, ISBT Bridge, ITO Bridge, Nizamuddin Bridge, Okhla Barrage, etc. The major drains that will be included are Najafgarh, Metcalfe House, Khyber Pass, Sweeper Colony, along with some border drains that include Singhu Border (DD6, Sonepat), Bahadurgarh, Shahdara, Sahibabad

These Monitoring Stations will monitor the river along with drains flowing into it and record the date of the cleaning procedure.

All the monitoring stations are expected to be operational by the end of this year. The tender process has already been initiated. These stations will monitor water quality in real time and transmit the data directly to the Delhi Pollution Control Committee (DPCC) server. These stations will monitor key pollutants, for instance, BOD (Biological Oxygen Demand), COD (Chemical Oxygen Demand), TSS (Total Suspended Solids), along with Levels of Nitrogen, Phosphorus, and Ammonia. The Yamuna cleaning project is already underway, where the treatment of sewage has begun. Delhi LG VK Saxena, Chief Minister Rekha Gupta, and Minister Parvesh Verma are monitoring the procedure.

The trio has regularly inspected major drains that also fall into the river.

Yamuna cleaning has been a significant issue in the state, where the previous government promised to clean it but failed to do so. The BJP government, led by Chief Minister Rekha Gupta, has also promised and plans to clean it within its first tenure. In the Delhi budget 2025- 26, Delhi CM Gupta allocated 500 crore specifically for Yamuna cleaning, where funding will be designated for the construction of 40 decentralised sewage treatment plants (STPs). The aim is to treat the water before it enters the river, thereby addressing pollution at its source.

Friday, 23 May 2025

Israel says missile fired by Yemen's Houthis downed after sirens spark panic

Tel Aviv. The Israeli military said it intercepted a missile launched from Yemen targeting Israel early on Thursday, in the latest attack bearing the hallmarks of Yemen's Houthi militants. The missile triggered sirens in several areas of central Israel, the military said in a statement. Undeterred by Israeli strikes on Yemen, the Houthis have continued to fire missiles at Israel in what they describe as an act of solidarity with Palestinians in Gaza, although they have agreed to halt attacks on US ships. The group has not claimed responsibility for Thursday's launch.Israel has carried out retaliatory strikes, including one on May 6 that damaged Yemen's main airport in Sanaa, and another last week targeting the Red Sea ports of Hodeidah and Salif. Since the start of the Israel-Hamas war in October 2023, the Houthis have launched dozens of missile and drone attacks targeting Israel, most of which have been intercepted or have fallen short.

China's 650-Year-Old Fengyang Drum Tower Collapses

world. A centuries-old Fengyang Drum Tower in China collapsed partially on Monday, forcing tourists to scramble for safety. Hundreds of roof tiles fell from the 650-year-old drum tower in Anhui. A video of the moment portions of the tower came crashing down has gone viral on social media. It shows a cloud of brown dust enveloping the area near the tourist site.Debris rained down near visitors exploring the area, creating chaos and compelling people to run for cover.One of the eyewitnesses told Yangcheng Evening News, "The tile falling lasted for a minute or two." Another witness told the Beijing News, "There was no one in the square and no one was injured; if it happened a little later, there would be many children playing (near the tower) after dinner."

The structure was first built in 1375 during the Ming Dynasty. A part of the building was ruined in 1853 during the Qing Dynasty and was rebuilt 150 years later in 1995. In 2023, a restoration project was launched. It was wrapped up in March 2024.

The roof, which suffered a partial collapse, was built a year ago. Social media users expressed shock and concern over the poor construction quality. One person commented, "Modern restoration construction compared to something built 650 years ago."

Ex-CEO Of Ocean Theme Parks Defends Record After **Dolphin Deaths**

world. Another dolphin has died in an aquatic park operated by The Dolphin Company, the fifth in the last year as an executive and lenders fight for control

companyIndependent managers in the US were unable to get help investigating the cause of the death from company veterinarians in Mexico, where Chief Executive Officer Eduardo Albor maintains control of the headquarters and some of the parks. Operations in Europe, the US and the Caribbean are under the control of lender-appointed managers.

The dolphin, named Robin, died at one of the attractions in Italy last month, said Robert Wagstaff, chief restructuring officer for the lender-controlled side of the business. Wagstaff was hired by a newly installed independent director in March. Wagstaff and Albor testified in federal court in Wilmington, Delaware on Wednesday as part of a fight over the company's Mexican operations. Under questioning by his lawyer, Albor insisted that his top priority was protecting about 300 dolphins and other animals that are the main attractions at the parks and also serve as collateral for the lenders.

Wish Had A Plane To Give You": South African President's 'Qatar Gift' Jab At Trump

Washington."Turn the lights down," President Donald Trump said. It was showtime in the Oval Office.

Sitting next to him was South African President Cyril Ramaphosa, who was visiting in hopes of reaching new agreements on trade. But Trump wanted to talk about baseless allegations that white farmers in his country were being systematically singled out for persecution and murder.He directed everyone's attention to a television that had been wheeled into the room, and a video began to play.

Even for a president who has transformed the Oval Office from a diplomatic venue into a gladiatorial arena, it was an extraordinary scene. Trump stared at the screen while Ramaphosa looked away. For roughly four minutes, the video showed Black politicians - none part of Ramaphosa's government or political party - using anti-apartheid chants about attacking white South Africans.

The politicians have said their comments aren't meant to be taken literally; conservative media use them to advance widely rejected claims that there's a genocide underway in South Africa. The video ended with footage of rows of white crosses, which Trump said represented white farmers."It's a terrible sight. I've never seen anything like it," he said.

Ramaphosa sounded skeptical."I'd like to know where that is," he said. "Because this I've never seen."

The confrontation echoed Trump's explosive meeting in the Oval Office with Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy almost three months ago, but this one did not devolve into acrimony. While Zelenskyy and Trump ended up arguing in full view of the news media, what unfolded on Wednesday was a delicate dance between two leaders who had clearly prepared for the encounter. Trump had more than just the video. He also shuffled through a stack of papers that he said were printouts of reports about attacks on white farmers.

"Terror Will Not Break Us": World Reacts To Israel Embassy Staff Killings

Top US and Israeli leadership, including President Donald Trump, expressed shock and outrage over the killings.

Was.Two Israeli embassy staff were shot dead late Wednesday outside the Capital Jewish Museum in Washington, DC, by a gunman who shouted "free Palestine." The two victims, a man and a woman, were leaving an event at the Museum when the suspect approached a group of four people and opened fire, authorities said.Israeli Ambassador to the US, Yechiel Leiter, informed that the two people killed were a young couple about to be engaged, saying the man had purchased a ring this week with the intent to propose next week in Jerusalem.Spokesperson at the Israeli embassy in Washington, Tal Naim Cohen,

enforcement authorities on both the local and federal levels to apprehend the shooter and protect Israel's representatives and Jewish communities throughout the United States."

World Reacts

Top US and Israeli leadership, including President Donald Trump, expressed shock and outrage over the killings. Condemning the attack, Trump said, "These horrible D.C. killings, based obviously on antisemitism, must end, NOW!""Hatred and Radicalism have no place in the USA. Condolences to the families of the victims. So sad that such things as this can happen! God Bless You ALL," he posted on his Truth Social platform.US Secretary of State Marco Rubio, meanwhile, said authorities would "track down those responsible" for the fatal shooting of two Israeli embassy staffers. "This was a brazen act of cowardly, antisemitic violence. Make no mistake: we will track down those responsible and



bring them to justice," he posted on X.US Attorney General Pam Bondi said she was at the scene with former judge Jeanine Pirro, who serves as the US attorney in Washington and whose office would prosecute the case.Israeli President Isaac Herzog said he was "devastated" by the scenes in Washington."This is a despicable act of hatred, of antisemitism, which has claimed the lives of two young employees of the Israeli embassy. Our hearts are with the loved ones of those murdered and our immediate prayers are with the injured. I

Ambassador and all the embassy staff," he said. He added, "We stand with the Jewish community in DC and across the US. America and Israel will stand united in defence of our people and our shared values. Terror and hate will not break us."The shooting comes as Israel has launched a new campaign targeting Hamas in the Gaza Strip in a war that has set tensions aflame across the wider Middle East. The war began with the Palestinian group Hamas

coming out of Gaza on October 7, 2023, to kill 1,200 people and take some 250 hostages back to the coastal enclave. Israel's ambassador to the United Nations also reacted to the killings, calling them a"depraved act of anti-Semitic terrorism". Harming diplomats and the Jewish community is crossing a red line. We are confident that the US authorities will take strong action against those responsible for this criminal act,' Ambassador Danny Danon wrote on X.

Trump takes credit for everything: Ex-US NSA on India-Pakistan ceasefire claim

Former US NSA John Bolton dismissed Trump's claim of mediating peace between India and Pakistan, saying he "takes credit for everything." He called it typical behaviour, adding it's "nothing against India, it's just Trump being Trump".

world. Former US National Security Advisor John Bolton took a jab at his former boss, Donald Trump, saying that he has a habit of grabbing credit whether it's due or not. And, the latest example, Bolton says, is Trump's claim of brokering peace between India and Pakistan."It's nothing personal to India. This is Donald Trump, who takes credit for everything," Bolton quipped, summing up what he called a familiar pattern of Trump rushing to the spotlight, facts notwithstanding.

TRUMP BEING TRUMP Speaking to news agency ANI, Bolton,

known for not sugarcoating his words, said, "I think he did have a call with Prime Minister Modi, and Vice President JD Vance and Secretary of State Marco Rubio were also on the call. I'm sure other countries might also be calling to see what they can do. It's typical of Trump because he would jump in before everyone else could



take credit. It may be irritating, probably is irritating to many people, but it's nothing against India, it's just Trump being Trump," he added.Bolton dismissed Trump's assertion that American mediation led to a ceasefire between India and Pakistan in the aftermath of the April 22 Pahalgam terror attack. The deadly assault, which

killed 26 civilians, prompted India's massive retaliatory offensive dubbed Operation Sindoor - targeting nine terror camps across Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir.His comments come amid Trump's repeated claims that he played a key role in stopping hostilities between nuclear neighbours India and Pakistan.

"If you take a look at what we just did with Pakistan and India - we settled that whole thing," Trump declared at a joint press conference with South African President Cyril Ramaphosa. "I think I settled it through trade. We're doing a big deal with India. We're doing a big deal with Pakistan.""Somebody had to be the last one to shoot. The shooting was getting worse and worse, deeper into the countries. We spoke to them, and I think we got it settled," he added.

TRUMP CREDITS HIMSELF FOR CEASEFIRE

The US President has been asserting everywhere that it was he who not only simply 'broker' the India-Pakistan ceasefire, but also prevented a 'nuclear

Mahmoud Khalil denied chance to hold his newborn baby, family says

world. Mahmoud Khalil, a Columbia University graduate and Palestinian activist, was not allowed to hold his newborn son during a recent visit, according to his legal team. Khalil, who was detained by Immigration and Customs Enforcement (ICE) since March, met his baby for the first time behind a glass

His wife, Noor Abdalla, flew from New York to the Louisiana detention centre with their one-month-old infant, hoping for a contact visit. ICE and the private company operating the facility denied the request. Officials claimed a no-contact visit policy and imprecise "security concerns" for the denial, his lawyers say. Noor, who is a US citizen, said "After flying over a thousand miles to Louisiana with our newborn son, his very first flight, all so his father could finally hold him in his arms, ICE has denied us even this most basic human right."

STORIES YOU MAY LIKE

"This is not just heartless. It is deliberate violence, the calculated cruelty of a government that tears families apart without remorse," she added.

KHALIL'S EVERY REQUEST DENIED

Earlier, Khalil requested to attend the birth of his child in New York but was not allowed. Noor described that rejection as "a purposeful decision by ICE to make me,





Mahmoud, and our son suffer." Khalil had to experience the birth of his son through a phone call.

York on March 8. His case was one of the first in a series of ICE arrests that targeted students and academics who participated in pro-Palestine demonstrations. In a letter to his son published by The Guardian, Khalil expressed deep sorrow. "My heart aches that I could not hold you in my arms and hear your first cry, that I could not unfurl your clenched fists

'My absence is not unique," he continued. "Like other Palestinian fathers, I was separated from you by racist regimes and distant prisons The grief your mother and I feel is but one drop in a sea of sorrow that Palestinian families have drowned in for generations."

India To Host Event At UN To Mark International Tea Day

United Nations. The aromas and flavors and China, the other major tea- cultural and economic significance of of popular Indian teas permeated the halls of the United Nations occasion and highlighted the significant role it plays in rural headquarters as India hosted a special event to commemorate International Tea Day to highlight the beverage's contribution in empowering communities and fostering inclusive economic growth.The Permanent Mission of India to the UN hosted the high-level event Wednesday on the theme 'Tea for Livelihoods, Tea for SDGs' to mark the International Tea Day, a celebration of the world's most consumed drink, after water.

The event concluded with a special curated tea tasting experience where guests enjoyed a variety of Indian teas, including the famous Darjeeling tea, Masala chai, Assam and Nilgiri teas.

India's Permanent Representative to the UN Ambassador Parvathaneni Harish, Director of the FAO UN Liaison Office in New York Angelica Jacome, and representatives of Kenya, Sri Lanka, challenges faced by the tea growers, especially the small tea farmers.

"The story of tea in India is not merely one of trade and taste but also one of transformation. What began in the early 19th century from the misty hills of Assam to the slopes of Darjeeling and Nilgiris, India's tea industry has grown to become a cornerstone of rural employment, women's empowerment and export-led development," Harish said at the houseful event attended by UN envoys, senior UN personnel and community members.

The UN General Assembly had in 2019 proclaimed May 21 as International Tea Day following a proposal moved by India at the Food and Agriculture Organisation's (FAO) Intergovernmental Group (IGG) on Tea in October 2015. The UNGA resolution recognised the long history and the

development, poverty reduction and food security in developing countries.India is one of the largest producers and consumers of tea globally and the sector directly employs over 1.5 million workers, the majority of whom are women. It supports over 10 million livelihoods, including small landholder farmers and those engaged in allied industries.

For many of these communities, tea is not merely a crop. It's a way of life, a source of dignity, opportunity and hope," Harish said. He also pointed out the complex challenges faced by the tea industry. "Climate change is disrupting growing conditions and then, there are rising input costs," Harish said, adding that market volatility and structural inequities threaten the economic viability of small producers who are responsible for over 60 per cent of Khalil is a US green card holder. He was arrested in New

or change your first diaper," he wrote.

"Criminal Act": North Korea Reports 'Serious' Accident During Warship Launch

global tea production.

South Korea's military said the stricken warship was lying sideways in the water after the failed launch.

Seoul. A serious accident occurred on Wednesday during the launch of a new North Korean warship while Kim Jong Un was attending the event, with the isolated state's leader calling it a "criminal act" that could not be tolerated, state media KCNA reported.

Mr Kim, who witnessed the failed launch of the 5,000-ton destroyer, excoriated the accident as caused by "carelessness" that tarnished the country's dignity, and ordered the ship to be restored before a key ruling party meeting in June, KCNA said on Thursday. The report did not mention whether there were any casualties.

KCNA said the incident at the northeastern

port of Chongjin was caused by a loss of the activities in advance, Seoul's Joint balance while the vessel was being

launched and it said sections of the bottom of the warship were crushed, but it did not give more details of damage sustained.

"Kim Jong Un made stern assessment saying that it was a serious accident and criminal act caused by absolute carelessness, irresponsibility and unscientific empiricism which is out of the bounds of possibility and could not be tolerated," KCNA reported.Kim said the accident "brought the dignity and selfrespect of our state to a collapse", adding an immediate restoration of the destroyer was "not merely a

practical issue but a political issue directly related to the authority of the state."South Korea's military said the stricken warship was lying sideways in the water after the failed launch.

The intelligence authorities of South Korea and the United States had been monitoring

Chiefs of Staff spokesperson Lee Sung-jun



told a briefing. The rare public disclosure of an accident follows a report of the launch of another destroyer of a similar size in April, Commercial satellite imagery of the shipyard also attended by Kim, at the west coast shipyard of Nampho.

North Korea has previously experienced accidents such as space launch vehicle failures and civilian disasters that have subsequently been used to promote the role of the leadership and the ruling

Workers' Party in correcting the problems.

The 5,000-ton destroyers launched by North Korea this year are the country's largest warships yet.In a report last week on preparations for the latest launch, U.S.-based 38 North said it appeared the ship would be side-launched from the quay, a method not previously observed in North Korea."The use of this launch method could be one of necessity, as the quay where the ship is being built does not have

an incline" to move the vessel stern first into the water, the 38 North report said.

the day before the launch showed the destroyer positioned on the quay with support vessels by its side and its missile tube magazines expsed.

Friday, 23 May 2025

After horror show

against MI, DC's Mukesh Kumar fined for code of conduct breach

New Delhi. DC pacer Mukesh Kumar has been fined for a Code of Conduct breach by the IPL after the game against MI at the Wankhede stadium on Wednesday, May 21. Mukesh was fined 10 percent of his match fees for a Level 1 offence under Article 2.2 and was handed one demerit point as well after the loss to MI. Level 1 offence under Article 2.2 deals with "abuse of cricket equipment or clothing, ground equipment or fixtures and fittings during a match."The DC pacer accepted the Match referee's sanction according to the statement from the IPL on Thursday, May 22. In such cases, the match referee's decision is considered to be final and binding.

Mukesh Kumar admitted to the Level 1 offence under Article 2.2 and accepted the Match Referee's sanction," an IPL release stated."For Level 1 breaches of the Code of Conduct, the Match Referee's decision is final and binding." Mukesh Kumar has a night to forget at the Wankhede stadiumIt was a night to forget for Mukesh against MI as his final over proved to be the turning point in the game. The pacer had come into the side to replace T. Natarajan in the must-win game for the Capitals as play-off qualification was on



the line. Mukesh started off brilliantly at the Wankhede as he was impressive with the new ball and got the wicket of Will Jacks. Before the start of the death overs, the Bengal pacer also dismissed Tilak Verma as it seemed like DC would restrict MI to a below-par total.

However, all this changed in Mukesh's final over as Suryakumar Yadav and Naman Dhir took him apart. Instead of bowling off-pace deliveries, Mukesh tried to pitch it up and was punished by the MI duo. 27 runs came off the over as he was hit for three sixes and two fours. He ended up with figures of 2 for 48 in his four overs. The IPL 2025 season hasn't been a great one for Mukesh, who was bought by DC for Rs. 8 Crore during the auction. In 11 matches, the pacer has picked up 11 wickets at an average of 32.64 and an economy rate of 10.11.

Ruben Amorim to quit United without payoff if board loses trust after **Europa loss**

New Delhi. Manchester United head coach Ruben Amorim has revealed he is willing to leave the club without taking a single penny in compensation if the board loses faith in him following their failure to win the Europa League final. Amorim's side failed to turn around a disastrous season after losing 1-0 to Tottenham Hotspur in the final on May 22, which has increased the pressure on the Portuguese manager. Spurs secured victory thanks to a 42nd-minute strike from Brennan Johnson, which deflected off United fullback Luke Shaw and wrong-footed goalkeeper Andr Onana. This result ended United's hopes of qualifying for next season's UEFA Champions League, compounded by their 16th-place finish in the Premier League. Despite enduring one of the club's worst seasons in recent history, Amorim insisted he wants to continue as



manager and will only step down without a payoff if the board clearly withdraws their trust."I have nothing to show to the fans, so in this moment it is a little bit of faith...Let's see. I am always open. If the board and fans feel I am not the right guy, I will go in the next day without any conversation about compensation, but I will not quit," Amorim told reporters."I am really confident on my job. And as you see I will not change nothing in the way I do things. I am not going to talk about the future, tonight we need to deal with the pain of losing this match...It was clear we were the better team, then we manage not to score again. The guys try everything to win the game. In the future we can assess," he added. Although United entered the Europa League final in Bilbao unbeaten, a costly defensive lapse and a lack of clinical finishing up front prevented them from making a comeback after Spurs took the lead. With hopes of a top-five Premier League finish off the table, Amorim admitted his focus shifted entirely to winning the Europa League and giving youngsters opportunities

in the league.

Manchester United collapse: A nightmare season ends without glory or europe

→ Manchester United's Europa League final loss captured the very essence of their horror 2024-25 season. A campaign filled with missteps, a misfiring forward line and a lack of mentality has seen the Red Devils set for their worst finish in the Premier League and miss out on making it to Europe for the next season.

New Delhi. May 21 holds a significant place in the history of Manchester United. In 2008, they defeated Chelsea on penalties in Moscow to win their third UEFA Champions League title under the stewardship of one of the greatest managers of all time, Sir Alex Ferguson. That same season, they also won the Premier League, underlining their dominance as one of English football's true

Varun Aaron feels that Mitchell

Santner is finally proving his

helped MI beat DC. Santner

worth in the IPL after his spell

ended with figures of 3 for 11

as MI qualified for the play-offs

with a thumping win over Delhi.

New Delhi. Varun Aaron feels that Mitchell

Santner is showing his worth in the IPL

while wearing the colours of MI after his

stunning spell in the win over DC. Santner

picked up 3 for 11 in 4 overs and got the key

wickets of Vipraj Nigam and Sameer Rizvi,

the highest run-getters for Delhi on the

night and left the dangerous Ashutosh

Santner, who joined Mumbai during the IPL

2025 auction, has often found himself on

the bench during his time with CSK in the

past, but is becoming a vital member of the

Sharma stumped.

giants. Fast forward to 2025, and May 21 is now a date United fans would rather forget. In a match that exposed the glaring lack of quality in the current squad, they lost the Europa League final to Tottenham Hotspur. The Red Devils registered 16 shots—six on target-while Spurs had just one, which proved decisive.

But that's been the story of United's 2024–25 campaign: a nightmare from start to finish. Set to end the season in either 16th or 17th place, and saved from relegation only because Southampton, Leicester, and Ipswich were worse, United look a shadow of their former selves—trapped in the echoes of past glory. To put things in perspective, the Europa League final loss was Manchester United's 20th defeat of the season—their most in a single campaign since 1973-74, when they were relegated. So, where did it all go wrong for the Red Devils?

Was it just a lack of quality on the field? Or were poor decisions from ownership a deeper part of the problem?Let's take a look at the key reasons behind United's worstever Premier League campaign and their European heartbreak—a season that ended with no silverware and only bitter disappointment.Sticking with Ten Hag after a poor 2023–24 seasonThe first major

Mitchell Santner showing his IPL worth

misstep, in hindsight, was retaining Erik ten Hag after an underwhelming 2023-24 campaign. United had finished eighth, with the Dutchman's system and tactical shortcomings being repeatedly exposed. The



very public fallout with Jadon Sancho didn't help, and while there were fleeting high points—like the dramatic extra-time FA Cup win over Liverpool and the final triumph over Manchester City—Ten Hag always seemed to be living on borrowed time.

By then, INEOS had taken over club operations, and their first big decision was Ten Hag's future. Despite testing the waters with other options, including Thomas Tuchel, they chose to back the Dutchman. That decision proved costly. United's Premier League form continued to slide, and after a loss to West Ham in October, Ten Hag was finally shown the door.But the issue wasn't just about sacking

Ten Hag—it was about who they brought in. Ruben Amorim, known for his rigid tactical methods and structured system, had worked wonders at Sporting, turning them into one of Europe's most exciting sides. However, his system didn't align well ith the players at United. The result? A disjointed squad and continued defeats. Old Trafford, once a fortress, became anything but. With just one game remaining on May 25, the only thing left to play for is whether they finish 16th or 17th—with no European nights to look forward to next season.

A misfiring forward line that never clicked

United's financial constraints are no secret, and their failure to sign a proven striker has haunted them for two seasons now. The Harry Kane deal was deemed too costly, so they instead spent around 64 million on Rasmus Hjlund. While the Dane showed promise last season, the 2024–25 campaign saw him become a figure of frustration. He scored just 10 goals in 51 appearances—six in the Europa League—and endured long droughts in the Premier League.

gives up, good to see

New Delhi. Hardik Pandya soaked in the roar of a rapturous Wankhede as he led Mumbai Indians' lap of honour on Wednesday, May 21. The MI captain was all smiles, celebrating a resounding 59-run win over Delhi Capitals that sealed their spot in the IPL 2025 play-offs. It was a moment of redemption and resurgence and Hardik stood proudly at the heart of it. Following a highprofile transfer from Gujarat Titans, Hardik had taken over the captaincy from Rohit Sharma — a fan favourite. When results didn't go MI's way in 2024, it was Hardik who bore the brunt of the backlash as MI finished bottom of the table.But Hardik did not throw in the towel. The pressure mounted once again this season after MI lost four of their first five matches. However, the fivetime champions staged a stunning comeback, winning seven of their next eight games to storm into the play-offs in style. Throughout the season, Hardik has remained content to stay in the background, focused on getting the best out of a star-studded squad. On Wednesday, they delivered under pressure,



in MI colours: Varun Aaron after DC win one of those underutilised bowlers, underutilised players at CSK, never really got a long run, but he's just showing what he's worth the moment he stepped into Mumbai Indians' colours."

Tom Moody, who was also part of the conversation, said that the beauty of Santner on a surface like the Wankhede is not the spin he gets but his subtle variations to

What makes Santner lethal?

Moody explains

bamboozle the batters.

"And the beauty of Santner is that, on a surface like that, it's not so much the turn is the threat, it's the pitch being slow and his ability to change the arrival of the ball at different paces without the knowledge of the batsman. That's what makes him lethal, his subtle change of pace without any real sign or cue for the batter is his key," Moody said.
"It's not like he's spun the odd one, but let's face it, Mitchell is not a big turner of the ball, he's never been a big turner of the ball, that's why he's never really grabbed hold of a Test



displaying the composure of a team accustomed to big-match scenarios. **CAPTAIN COOL**

Former India batter Ajay Jadeja heaped praise on Hardik's leadership, noting that the allrounder hasn't altered his captaincy style but has simply managed his team more effectively this time around. Hardik has already proved his credentials, having led Gujarat Titans to the IPL title in 2022 and the final in 2023. Now, he'll be aiming to guide Mumbai Indians to a record sixth championship."Hardik has been fabulous. He has got the energy. He has got a different style of captaining. Unfortunately, last season wasn't a success. He has kept his cool. He has carried on the way he captains, whether he was at GT, whether it was last

Tottenham Hotspurs captain Son Heung-min accepts legend tag after Europa win

MI side that has sealed their qualification

for the play-offs. Speaking to

ESPNCricinfo, Aaron said that the moment

he saw Will Jacks get a lot of spin, he

realised that Santner would have the batters

caught in a web. The former Indian pacer

hailed Santner as a quality bowler, who

never got a long run during his time with

"The moment Will Jacks bowled [in the first innings], I was thinking if Will Jacks is

going to turn the ball this much, Santner is

just going to run rigs around the batsman,"

Aaron said. "Santner is a quality bowler, just

New Delhi. Tottenham Hotspur captain and South Korean football icon Son Heung-min has finally embraced the 'club legend' tag after leading his side to a historic Europa League triumph their first trophy in 17 years — with a 1-0 victory over Manchester United in the final on May 22.In what will go down as one of the greatest nights in the club's history, Spurs lifted their first-ever European trophy, thanks to a first-half strike from Brennan Johnson. The forward's effort, deflected in by United defender Luke Shaw, sealed the win in Bilbao and brought an end to Tottenham's long wait for silverware. Known for his humble and grounded nature, Son did not shy away from acknowledging his status as "legend" at the club during his post-match interview with



"Let's say I'm a legend. Why not? Only today!.. Seventeen years, nobody has done it, so with such amazing players yeah today's the day. Probably today I will say I'm a legend of this club," Son said."I feel amazing. This is what I've always dreamed for and today is the day it happened. Dream came really, really true. I'm so so happy. I am the happiest man in the world," he added.

Both sides came into the final under intense pressure following disastrous domestic seasons. While Manchester United had remained unbeaten in Europe leading up to the final, Spurs saved their best for last. The win not only delivered silverware but also booked their place in next season's UEFA Champions League. The victory marked a fairytale moment for

Son, who has spent a decade at the North London club. For United, however, the night added further misery — with no trophy and a 16th-place finish in the Premier League leaving them without European

year," Jadeja told JioStar.

GT vs LSG, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Ahmedabad pitch condition

GT vs LSG, IPL 2025 Preview: Gujarat Titans aim to seal a top-two finish in IPL 2025 as they face eliminated Lucknow Super Giants in Ahmedabad, with form, depth, and Shubman Gill's captaincy driving their late-season charge.

New Delhi. With the four IPL 2025 playoff spots already sealed, Gujarat Titans — in blazing form and still gunning for a top-two finish — will test their momentum against a struggling Lucknow Super Giants side, who have little more than pride left to play for on May 22. The Narendra Modi Stadium will play host as GT eye a crucial cushion by locking in a Qualifier 1 spot, while LSG hope for a consolatory win to round off an otherwise underwhelming season. The secret to Gujarat's successful campaign this year has been consistent performances across all departments. From captain Shubman Gill, a rock-solid Sai Sudharsan, and the experience of Jos Buttler in the top order, to their reliable pace duo in Mohammed Siraj and Prasidh Krishna, and the guile of spin twins Rashid Khan and Sai Kishore -GT have clicked as a unit. Their dominant 10-wicket win over Delhi Capitals was a perfect example, as Gill and Sudharsan made light work of a 174-run chase, leaving Delhi Capitals stunned.Gill's composed leadership, backed by the ever-animated Ashish Nehra, has been a defining trait of GT's 2025 run — strengthening the chorus for his elevation to India's red-ball captaincy. The clash against LSG could be another litmus test reinforcing that narrative.Lucknow, on the other hand, have endured a season of misfires, with their campaign falling apart

after a defeat to Sunrisers Hyderabad, sealing their exit from the playoff race. Rishabh Pant's debut season as captain — after replacing KL Rahul — has been forgettable,

with the keeper-batter failing to justify his hefty price tag. Despite the promise shown by openers Aiden Markram and Mitchell Marsh, and a resurgent Nicholas Pooran in the middle order, LSG's injury-hit and imbalanced bowling attack has undone any gains. Facing an in-form GT top-order will be a major concern for LSG, given their bowling frailties.

GT vs LSG: Head-to-Head

Interestingly, LSG lead the head-to-head tally in IPL history, having won four of their six meetings against Gujarat. Their last win came in IPL 2024 — a six-wicket victory over GT.

GT vs LSG: Team News

Gujarat are expected to be near fullstrength for the LSG match, at least until the playoffs begin. Their final league games — against LSG and then Chennai Super Kings — will be vital to cementing their Qualifier 1 berth.

Krystle D'Souza Revisits Her Cannes Debut And We Can't Even

> rystle D'Souza has captivated viewers with her unforgettable performances in

The entertainment industry over a decade. From her memorable role on TV shows to impactful web series, the actress has come a long way. Back in 2022, Krystle also made her grand Cannes debut making her mark on the global stage. In the latest, as Cannes 2025 is underway, the actress revisited her memories from the red carpet. She shared a few pictures from her debut and also spiked curiosity among fans about when she would

Krystle D'Souza surprised her followers by posting a gorgeous throwback picture from her last Cannes red carpet look. Along with the

picture, she wrote "I Cannes see you in 2026," sparking curiosity about her appearance. The actress had worn a gorgeous sequined gown.

The outfit was also covered with silver motifs.

The sleeveless dress has a plunging neckline

and a mesh detail. The dress featured a daring

side cut and a floor-length trail with sequin

embellishment. Light pink fringe adorned the

sleeve hemlines. Her glamorous makeup with

dramatic sparkly eyelashes and a subtle pink

On the work front, the actress is preparing to

play the powerful character of a police officer

in the highly anticipated film, Jaageer. Krystle is poised to give a career-defining

performance in this action-packed drama.

tint on the lips finished the appearance.

go there again.



lacqueline fernandez

Dismisses Stereotypes About Women In Bollywood

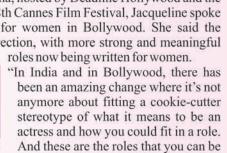
acqueline Fernandez recently won hearts with her appearance in Cannes. At the prestigious film event, she talked about Bollywood and said that it is changing for the better. She shared that the old ideas about women in the film industry are fading, and now, actresses of all ages are getting strong lead roles. She called it a positive and much-needed change. During a panel discussion called Women in Cinema, hosted by Deadline Hollywood and the Red Sea Film Foundation at the 78th Cannes Film Festival, Jacqueline spoke about how things are changing for women in Bollywood. She said the industry is moving in a better direction, with more strong and meaningful

> given if you are a certain age or if you look a certain way. That's changed a lot in India," Jacqueline said.

The actress added, "Women of all age groups are getting fantastic roles. They are getting fantastic female lead protagonist roles. There are stories being made for them. So now, the variety has all of a sudden exploded. Everyone is getting an opportunity. There is no more a shelf life. There is, of course, a lot of us who go through that; it is how do we stay relevant all the time as you get older? But there are a lot of people and a lot of amazing actresses out there who are breaking that and who are working towards that".Jacqueline Fernandez said that

women in cinema are now showing others that they can follow their passion and dreams without limits. She believes the best thing about cinema is that anyone, no matter their race, religion, gender, or age, can share their story. Jacqueline is happy that actors today have more freedom to tell these stories

On the work front, Jacqueline Fernandez will next be seen in Housefull 5. Directed by Tarun Mansukhani and produced by Sajid Nadiadwala, the film has a star-studded starcast including Akshay Kumar, Abhishek Bachchan, Riteish Deshmukh, Sonam Bajwa, Nargis Fakhri, Sanjay Dutt, Jackje Shroff, Nana Patekar, Chitrangada Singh, Fardeen Khan, Chunky Pandey, Johnny Lever, Shreyas Talpade, Dino Morea, Ranjeet, Soundarya Sharma, Nikitin Dheer, and Akashdeep Sabir.



In addition to Jaageer, Krystle D'Souza appears on the web show First Copy. Farhan P. Zamma will direct the film, which is produced by Salt Media and RVCJ. The actress will co-star with Bigg Boss 17 winner Munawar Faruqui.Krystle rose to prominence after portraying Jeevika Vadhera in StarPlus' Ek Hazaaron Mein Meri Behna Hai. In 2018, She played the role of Roopa in Belan Wali Bahu. Krystle was seen next in Riteish Deshmukh and Fardeen Khan starrer Visfot. The horror drama was the official Hindi adaptation of the 2012 Venezuelan flick Rock, Paper and

From 90s Icon To OTT Star, How Raveena **Tandon Built Rs 166 Crore Net Worth**



aveena Tandon, the 90s diva of Bollywood, has built an impressive financial empire alongside her remarkable acting career. Tandon's journey began with her debut in Patthar Ke Phool (1991), earning her the Filmfare Award for Best Female Debut. The actress became a 90s sensation with hits like Mohra, Dilwale, and Bade Miyan Chote Miyan. Known for her dance numbers like Tip Tip Barsa Paani, Raveena won over the audience with her iconic performances.

Only a few actresses from the 90s are still relevant in the film industry; Raveena Tandon is not one of them. She has been relentlessly working in web series and movies, continuing to build her wealth and net worth. According to Times Now, as of 2024, her net worth is estimated at Rs 166 crore. Her renowned acting career and the brands she represents are the main sources of her fortune. It reflects her enduring success in the entertainment industry, spanning over 3 decades.

Reportedly, she charges Rs 2-3 crore per film, commanding Rs 50 lakh per endorsement. Her annual income is around Rs 20 crore, with monthly earnings between Rs 1.5-2 crore. Additionally, her work as a producer and television personality, including hosting shows like Simply Baatien with Raveena and judging reality shows, contributes to her fortune.

Tandon's wealth clearly reflects her luxurious lifestyle. According to Lifestyle Asia, she lives in a gorgeous villa in Bandra called Neelaya, which combines South Indian, European, and Moroccan design elements. She has a Mercedes-Benz 350D (Rs 1.71 crore), a Jaguar XJ (Rs 1.11 crore), and an Audi Q7 (Rs 86.92 lakh to Rs 94.45 lakh). Meanwhile, she also owns some property abroad. She won a Filmfare OTT Award for her performance in Netflix's Aranyak (2021) and a National Film Award for Best Actress for Daman (2001) for her highly appreciated performances. Her recent role in one of her highest-grossing movies, K.G.F: Chapter 2 (2022), further solidified her acting career.



Who Made Cannes Debut In 2025 he 78th Cannes Film Festival witnessed a new chapter for Indian cinema. This year several

Bollywood celebrities made their grand debut on the Vishal Jethwa thousands of people. With Indian cinemas attaining global fame at the festival, these Bollywood actors did not only represent their films but also redefined the cultural narrative of South Asian presence at the

prestigious festival. Janhvi Kapoor

Janhvi Kapoor made her debut at the 2025 Cannes Film Festival on May 20 for the premiere of her film Homebound. The actress looked stunning in a pastel pink Tarun Tahiliani ensemble. Crafted from handwoven Banarasi tissue, the outfit featured a voluminous skirt and a corset on top with a sculpted drape flowing down from her head. The actress was seen making her red-carpet debut along with Homebound co-stars Ishaan Khatter and Vishal Jethwa.

Ishaan Khatter Ishaan Khatter's movie Homebound premiered at the festival in the Un Certain Regard section. The actor exuded regal charm as he opted for a signature Gaurav

Gupta ensemble. The 29-year-old actor was donned in a custom wine-colored velour bandhgala, adorned with intricate black embroidery, and paired it up with samecolored wide-leg trousers, creating a monochrome look.

Nitanshi Goel

Laapataa Ladies star Nitanshi Goel became the youngest Bollywood actor to debut at the Cannes Film Festival. At the age of 17, Nitanshi walked down the red carpet in a custom black and gold gown by Monica and Karishma to attend the screening of Dossier 137.

global stage, turning heads and capturing the hearts of Homebound actor Vishal Jethwa left everyone speechless as he made his debut on the Cannes red carpet wearing a black pantsuit by Kaushik Valendra. The classic blazer was adorned with jeweled shoulder pads, and his striking



golden brooch took the outfit to a whole other level. Simi Garewal

Actress Simi Garewal made her debut at the prestigious festival at the age of 77. Simi attended a special 4K screening of Satyajit Ray's Aranyer Din Ratri. She walked down the red carpet with Sharmila Tagore, wearing an allwhite custom ensemble by Karleo. Her attire featured a long embroidered overcoat with a matching gown, making a dramatic statement on the red carpet.

